



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-12062020-219925  
CG-DL-E-12062020-219925

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 144]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 12, 2020/ज्येष्ठ 22, 1942

No. 144]

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 12, 2020/JYAISTHA 22, 1942

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

वाणिज्य विभाग

(व्यापार उपचार महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 जून, 2020

मामला सं. (ओआई) 08/2019

अंतिम जांच परिणाम

विषय: ईरान, मलेशिया, सिंगापुर, चीनी ताइपेई, यूएई और यूएसए से पोलिस्ट्रीन के आयातों के संबंध में पाटनरोधी शुल्क जांच – अंतिम जांच परिणाम

फा.सं.6/10/2019-डीजीटीआर.- क. पृष्ठभूमि

समय-समय पर यथासंशोधित सीमा प्रशुल्क अधिनियम 1975 (इसके पश्चात “अधिनियम” के रूप में भी संदर्भित) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमा प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, आंकलन और संकलन तथा क्षति के निर्धारण के लिए) नियमावली, 1995 (इसके पश्चात “नियमावली के रूप में भी संदर्भित) के संबंध में:

1. मै. इनियस स्टाइरोलुसन इंडिया लिमिटेड (आईएसआईएल) तथा सुप्रीम पेट्रोकेम लिमिटेड (एसपीएल) (इसके पश्चात आवेदक के रूप में भी संदर्भित) ने निर्दिष्ट प्राधिकारी (इसके पश्चात “प्राधिकारी” के रूप में भी संदर्भित) के

समक्ष ईरान, मलेशिया, सिंगापुर, चीनी ताइपेई, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) (इसके पश्चात् “संबद्ध देश के रूप में भी संदर्भित”) से “विस्तार किए जाने योग्य पोलिस्ट्रीन को छोड़कर सभी प्रकार के पोलिस्ट्रीन” (इसके पश्चात् “संबद्ध वस्तु” अथवा पीयूसी के रूप में भी संदर्भित) के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के लिए समय समय पर यथासंशोधित सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (इसके पश्चात् “अधिनियम” के रूप में भी संदर्भित) और समय समय पर यथासंशोधित सीमा प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, आकीलन और संग्रहण तथा क्षति के निर्धारण के लिए) नियमावली, 1995 (इसके पश्चात् “नियमावली” के रूप में भी संदर्भित) के अनुसार एक आवेदन दायर किया है।

2. प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रथमदृष्टया साक्ष्य के आधार पर भारत के राजपत्र में प्रकाशित दिनांक 10 जुलाई, 2019 की अधिसूचना सं. 6/10/2019-डीजीटीआर संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने के लिए तथा पाटनरोधी शुल्क की राशि जिसे अगर लगाया गया तो वह घरेलू उद्योग को कथित क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा, की सिफारिश करने के लिए उपर्युक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार संबद्ध जांच की शुरुआत करते हुए जारी किया।

#### ख. प्रक्रिया

3. प्राधिकारी द्वारा संबद्ध जांच के संबंध में यहां नीचे निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया गया है:

- i. उपर्युक्त नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी को संबद्ध देशों से “विस्तार किए जाने योग्य पोलिस्ट्रीन को छोड़कर सभी प्रकार के पोलिस्ट्रीन” के पाटन का आरोप लगाते हुए घरेलू उद्योग की ओर से आवेदकों से एक लिखित आवेदन प्राप्त हुआ।
- ii. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों की सरकार को भारत में इसके दूतावासों के माध्यम से उपर्युक्त नियम 5 के उप नियम (5) के अनुसार इस जांच को शुरू करने के लिए कार्यवाही करने के पूर्व पाटनरोधी आवेदन के प्राप्त होने के बारे में अधिसूचित किया।
- iii. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित दिनांक 10 जुलाई, 2019 की अधिसूचना जारी की।
- iv. प्राधिकारी द्वारा सार्वजनिक सूचना की एक प्रति संबद्ध वस्तुओं के सभी ज्ञात निर्यातकों, संबद्ध देशों की सरकारों को, भारत में उनके दूतावासों के माध्यम से और सभी हितबद्ध पक्षकारों को इस नियमावली के नियम 6 (2) के अनुसार संबद्ध जांच आरंभ करने के बारे में अग्रेषित किया गया था।
- v. प्राधिकारी ने ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों और संबद्ध देशों की सरकारों को उनके दूतावासों के माध्यम से तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों जिन्होंने उपर्युक्त नियमावली के नियम 6 (3) के अनुसार लिखित रूप में इस कारण से अनुरोध किया, को इस आवेदन के अगोपनीय पाठ की एक प्रति उपलब्ध कराई। इस आवेदन के अगोपनीय पाठ की एक प्रति सार्वजनिक फाइल में भी उपलब्ध कराई गई थी और उसे जहां कहीं भी अनुरोध किया गया, अन्य हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराया गया था।
- vi. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों में ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए सार्वजनिक नोटिस की एक प्रति अग्रेषित की और उन्हें जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना में यथा-निर्धारित समय सीमा के भीतर निर्धारित रूप में और तरीके से प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत करने के लिए तथा इस नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार लिखित रूप में अपने दृष्टिकोण से अवगत कराने का अवसर दिया। प्राधिकारी ने इस नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार संगत सूचना प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को प्रश्नावली का उत्तर भेजा।

क. मै. तख्त-ए-जमशिद पार्स असालोउवेह फार्मास्युटिकल्स कंपनी, ईरान

ख. मै. तबरीज पेट्रोकेमिकल्स कं., ईरान

- ग. मै. मोहेबेस्पर ईदे गोस्टर पेट्रोकेमिकल, ईरान
- घ. मै. पेट्रोकेमिकल्स कमर्शियल कंपनी, ईरान
- ड. मै. एम.जी. पोलीमर्स एफजेडसी, यूएई
- च. मै. टोटल, यूएसए
- छ. मै. अमेरिका स्टाइरीनिक्स, यूएसए
- ज. मै. पेट्रोकेमिकल्स (एम) एसडीएन बीएचडी, मलेशिया
- झ. मै. डेनका सिंगापुर प्रा.लि.,सिंगापुर
- य. मै. टीपीएससी एशिया प्रा.लि. सिंगापुर
- ट. मै. काओफु केमिकल कार्पो., चाइनीज ताइपेई
- ठ. मै. ताइता केमिकल कं. लि., चाइनीज ताइपेई
- vii. संबद्ध देशों की सरकारों से भारत में उनके दूतावासों के माध्यम से यह अनुरोध किया गया था कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए अपने देशों के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें। ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति अलग-अलग संबद्ध देशों के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों के नाम और पते के साथ संबद्ध देशों के दूतावास/उच्चायोग को भी भेजी गई थी।
- viii. इस अधिसूचना के उत्तर में निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्यातक की प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत कर जवाब दिया।
- क. मै. तख्त-ए-जमशिद पार्स असालोउवेह पेट्रोकेमिकल्स कंपनी(टीजेपीएपीसी), ईरान
- ख. फोर्मोसा केमिकल्स एंड फाइबर कार्पो.(एफसीएफसी),चाइनीज ताइपेई
- ग. पेट्रोकेमिकल्स (एम) एसडीएन बीएचडी,मलेशिया
- घ. ईस्टर्न ट्रेडिंग इंटरनेशनल एफजेडई, यूएई
- ड. गोल्डन इंटरनेशनल एफजेडई, यूएई
- च. मिलेनियम ट्रेडिंग (एफजेडई), यूएई
- ix. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध व्यक्तियों के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं/प्रयोक्ता संघों (जिनके नाम और पते प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए थे) को आयातक की प्रश्नावली के साथ-साथ पाटनरोधी जांच की शुरुआत करते हुए सार्वजनिक नोटिस की एक प्रति अग्रेषित की और उन्हें सलाह दी कि वे नियम 6(4) के अनुसार प्राधिकारी द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर लिखित रूप में अपने दृष्टिकोण से अवगत कराएं।
- i. 21 सेंचुरी पॉलीमर्स
- ii. ए रॉयल टच (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड
- iii. एसीई एक्सट्रूशन प्रा. लि.
- iv. एडवेट इंटरप्राइजेज
- v. एकेजे इंडिया
- vi. बीबी स्टाइरो एक्सट्रूशन प्रा. लि.
- vii. ड्रीम प्लास्ट इंडिया प्रा. लि.

- viii. इलाईट इंडस्ट्रीज
- ix. एस्सेल किचनवेयर लि.
- x. एक्सीलेंट पोलीवाइनिल प्रा. लि.
- xi. फार्मुलेटेड पोलिमर्स लि.
- xii. जी एम पोलीप्लास्ट प्रा. लि.
- xiii. जीएम पेंस इंटरनेशनल प्रा. लि.
- xiv. गौरीशंकर पालिमर्स
- xv. ग्रोथ प्रोस्पेक्ट्स
- xvi. गुजरात पिकर्स इंडस्ट्रीज लि.
- xvii. गुरुकृपा प्लास्टिक्स
- xviii. ईशा प्लास्ट इम्पेक्स प्रा. लि.
- xix. लेजर सेविंग (इंडिया) प्रा. लि.
- xx. मेनेटी इंडिया प्रा. लि.
- xxi. मेहता प्लास्टिक
- xxii. एमजी पोलिप्लास्ट इंडस्ट्रीज प्रा. लि.
- xxiii. पेनासोनिक इंडिया प्रा. लि.
- xxiv. परफेक्ट पोलिमर्स
- xxv. आरकेजी पोलिप्लास्ट प्रा. लि.
- xxvi. सेबिक इनोवेटिव प्लास्टिक्स इंडिया (प्रा.)
- xxvii. समसंग इंडिया इलैक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लि.
- xxviii. श्री तिरुपति इंडस्ट्रीज
- xxix. सिगमा प्लास्टोकेम प्रा. लि.
- xxx. सुनील पोलिमर्स
- xxxi. सुपरमेक्स पर्सनल केयर प्रा. लि.
- xxxii. सुरजा प्लास्टिक्स
- xxxiii. तारसंस प्रॉडक्ट्स प्रा. लि.
- xxxiv. वैभव इंटरनेशनल प्रा. लि.
- xxxv. विशेष पॉलिइम्पेक्स प्रा. लि.
- xxxvi. विटेनिया मल्टीट्रेडिंग प्रा. लि.
- x. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात संघों को संचालन हेतु तथा इस नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना उपलब्ध कराने की मांग करते हुए आयातक की प्रश्नावली भेजी।
  - क) एसोचेम
  - ख) फिक्की
  - ग) सीआईआई
- xi. उपर्युक्त के उत्तर में निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ताओं ने उपर्युक्त मामले में अपने अनुरोध/अपना आवेदन प्रस्तुत किए हैं:
  - क) ग्रोथ प्रोस्पेक्ट्स
  - ख) गुरुकृपा प्लास्टिक्स
  - ग) एमजी पोलिप्लास्ट प्रा. लि.
  - घ) सुरजा प्लास्टिक्स

- xii. प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए खुली रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में इन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्य का अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराया।
- xiii. वाणिज्यिक सूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएण्डएस) को क्षति की अवधि के लिए संबद्ध वस्तुओं के आयातों का लेन-देन वार ब्यौरा उपलब्ध कराने के लिए अनुरोध किया गया था। प्राधिकारी ने लेन-देन की उचित जांच के बाद मात्रा की गणना और आयात का मूल्य तथा अपेक्षित विश्लेषण हेतु डीजीसीआईएण्डएस आंकड़ों पर विश्वास किया है। प्राधिकारी ने डीजी-सिस्टम, केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) से जांच की अवधि के लिए आंकड़े भी प्राप्त किए ताकि संभव सीमा तक दायर किए गए उत्तरों का वैधकरण करने के लिए उल्लिखित निर्यातकों से निर्यात की मात्रा का सह-संबंध स्थापित किया जा सके।
- xiv. उत्पादन की आदर्शतम लागत के आधार पर क्षति रहित कीमत(एनआईपी) और सामान्य रूप से स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) और इस नियमावली के अनुबंध-III के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तुओं का निर्माण करने और उसकी बिक्री करने की लागत का निर्धारण इस बात का पता लगाने के लिए किया गया है कि क्या पाटन-मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।
- xv. वर्तमान जांच के उद्देश्य से जांच की अवधि(पीओआई) 1 जनवरी, 2018 से 31 दिसंबर, 2018 (12 महीने) है। हालांकि क्षति की जांच की अवधि में पिछले तीन वर्षों अर्थात् अप्रैल, 2015 से मार्च, 2016, अप्रैल, 2016 से मार्च, 2017, अप्रैल, 2017 से मार्च, 2018 और जांच की अवधि के आंकड़े शामिल हैं।
- xvi. आवेदकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों से उस सीमा तक अतिरिक्त सूचना मांगी गई थी, जिस सीमा तक उसे आवश्यक समझा गया। घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों का मौके पर सत्यापन वर्तमान जांच के उद्देश्य से उस सीमा तक किया गया था जिस सीमा तक उसे आवश्यक माना गया।
- xvii. इस नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार, प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को 18 अक्तूबर, 2019 को संपन्न सुनवाई में मौखिक रूप से अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत करने के लिए अवसर भी दिए। तदनंतर, एक दूसरी सुनवाई 7 जनवरी, 2011 को 2006 की सिविल अपील संख्या 949 में ऑटोमोटिव टायर मैनुफैक्चर्स एसोसिएशन(एटीएमए) बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के फैसले के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी के बदलाव को देखते हुए दिनांक 12 दिसंबर, 2019 को आयोजित की गई थी। सभी पक्षकारों जिन्होंने मौखिक सुनवाई में भाग लिया था और अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत किया था, से अनुरोध किया था कि वे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए अपने दृष्टिकोणों को लिखित अनुरोध के रूप में प्रस्तुत करें। इन पक्षकारों को यह भी सलाह दी गई थी कि ये विरोधी पक्षकारों द्वारा किए गए लिखित अनुरोधों को संकलित करें और उन्हें उसके बाद अपने प्रत्युत्तर प्रस्तुत करने के लिए अवसर दिया गया था। इस जांच की अवधि के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों को प्राधिकारी द्वारा जहां भी संगत पाया गया, इस प्रकटन विवरण में समाधान किया गया है।
- xviii. उपर्युक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार इस जांच के आवश्यक तथ्यों का प्रकटन दिनांक 6 अप्रैल, 2020 के प्रकटन विवरण के माध्यम से ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को किया गया था और कोविड-19 के कारण वर्तमान स्थिति पर विचार करते हुए, सभी हितबद्ध पक्षकारों को पर्याप्त समय दिया गया था ताकि वे प्रकटन विवरण के संबंध में टिप्पणियां प्रस्तुत करने में सक्षम हो सकें। उसके संबंध में प्राप्त टिप्पणियों जिसे प्राधिकारी द्वारा संगत माना गया था, का समाधान इन अंतिम जांच परिणामों में किया गया है। प्रकटन पश्चात अनुरोधों की जांच उस सीमा तक इन अंतिम जांच-परिणामों में किया जा रहा है जिस सीमा तक उसे संगत माना गया है।

- xix. जहां कहीं भी किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच की अवधि के दौरान आवश्यक सूचना तक पहुंच दिए जाने से इंकार किया है अथवा अन्य प्रकार से उपलब्ध नहीं कराया है या इस जांच में पर्याप्त रूप से बाधा पहुंचाई है, प्राधिकारी ने ऐसे पक्षकारों को असहयोगी माना है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर दृष्टिकोणों/टिप्पणियों को रिकॉर्ड किया है।
- xx. इन अंतिम जांच परिणामों में “\*\*\*” किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना और इस नियमावली के अंतर्गत इस प्राधिकारी द्वारा विचार की गई सूचना अद्यतक है।
- xxi. संबद्ध जांच के लिए प्राधिकारी द्वारा लिया गया विनिमय दर 1 यूएस डॉलर=69.25 रुपए है।

#### ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

4. विचाराधीन उत्पाद जैसा कि वर्तमान जांच के उद्देश्य से जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना में परिभाषित किया गया है “विस्तार किए जाने योग्य पोलिस्ट्रीन को छोड़कर सभी प्रकार का पोलिस्ट्रीन” है। पोलिस्ट्रीन एक विविध थर्मोप्लास्टिक पॉलीमर है जिसका उपयोग विभिन्न उपभोक्ता उत्पादों का निर्माण करने के लिए किया जाता है। पोलिस्ट्रीन को विभिन्न आकारों में ढाला जा सकता है, शीट बनाने के लिए बाहर निकाला जा सकता है और उस पर फोम लगाया जा सकता है। प्रमुख अनुप्रयोगों में ये उपस्कर जैसे रेफ्रिजरेटर और एयरकंडीशनर, लेखन सामग्री, घरेलू वस्तुओं, बाहर निकाला हुआ इन्सुलेशन फोम, इलैक्ट्रिकल हौजिंग्स, खिलौने और फूड पैकेजिंग शामिल हैं।

#### ग.1 घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

5. निम्नलिखित अनुरोध घरेलू उद्योग द्वारा विचाराधीन उत्पाद के संबंध में किए गए थे:

- क. विचाराधीन उत्पाद “विस्तार किए जाने योग्य पोलिस्ट्रीन को छोड़कर सभी प्रकार का पोलिस्ट्रीन” बाहर में है। संबद्ध वस्तु मुख्य रूप से दो प्रकारों में उपलब्ध है अर्थात् सामान्य उद्देश्य का पालिस्ट्रीन (जीपीपीएस) और अत्यधिक प्रभाव वाला पोलिस्ट्रीन (एचआईपीएस) हैं। जीपीपीएस एक स्पष्ट, क्रिस्टल और पारदर्शी पॉलीमर है जिसमें उत्कृष्ट प्रकाश पारसेन गुण, निम्न धुंधलापन और ढाले जाने की क्षमता होती है। जीपीपीएस का उपयोग लेखन सामग्री संबंधी उत्पादों, बीट्स, कंगन, टीओपी डिस्प्ले के लिए पारदर्शी शीट, चिकित्सीय उपकरणों, इन्सुलेशन के लिए बाहर निकला हुआ फोम और फूड पैकेजिंग के लिए फोम बनाने के लिए उपयोग किया जाता है। एचआईपीएस रबड़ संशोधित पोलिस्ट्रीन है जो पारदर्शी नहीं होता है और उसमें अच्छे प्रभाव की ताकत, लचीलापन और ग्लॉस और पर्यावरणीय दबाव क्रैक अवरोधी गुण होता है।
- ख. संबद्ध वस्तुओं का मुख्य रूप से उपयोग उपकरणों जैसे रेफ्रिजरेटर और एयरकंडीशनर, लेखन-सामग्री, घरेलू वस्तुओं, बाहर निकाला हुआ इन्सुलेशन फोम, इलैक्ट्रिकल हाउजिंग, खिलौने और फूड पैकेजिंग के लिए होता है। संबद्ध उत्पादों का वर्गीकरण अध्याय 39-“प्लास्टिक और उससे बनी वस्तुओं” के अंतर्गत किया गया है। छह अंक के स्तर पर, इन वस्तुओं का वर्गीकरण 390319 पर होता है। घरेलू उद्योग के अनुसार, उनके द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं और संबद्ध देशों से आयात की गई वस्तुओं में कोई अंतर नहीं होता है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं और संबद्ध देशों से आयात किए गए संबद्ध वस्तुओं की तुलना भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, निर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, वस्तुओं के कार्यों और प्रयोगों, उत्पाद विनिर्देशन, वितरण और बाजार एवं प्रशुल्क वर्गीकरण जैसे विशेषताओं के मामले में की जा सकती है।
- ग. घरेलू उद्योग का उद्देश्य कभी भी उन उत्पादों को शामिल करने का नहीं था जिनका न तो उनके द्वारा उपयोग किया जाता है अथवा न ही उनका उत्पाद श्रेणी के स्थान पर उपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि सभी हितबद्ध पक्षकारों को इन श्रेणियों जिन्हें वे बाहर करना चाहते हैं, के तकनीकी विनिर्देशन उपलब्ध कराने के लिए मौखिक सुनवाई के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी के विशिष्ट अनुदेशों के बावजूद, किसी भी हितबद्ध पक्षकारों ने अपने लिखित अनुरोध में कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया था।

- घ. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि उन्होंने बहुत अधिक सटीक तरीके से विचाराधीन उत्पाद को परिभाषित किया है और सभी ब्यौरे उपलब्ध कराए हैं। इस कारण से उत्पाद के क्षेत्र के बारे में हितबद्ध पक्षकारों का यह तर्क सही नहीं है।
- ङ. घरेलू उद्योग ने 3 के बराबर अथवा उससे अधिक तथा 3 से नीचे विस्कोसिटी वाले मेल्ट फ्लो सूचकांक के पीयूसी का उत्पादन किया है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने संबद्ध वस्तुओं के सभी श्रेणियों का उत्पादन किया है और वे उन संबद्ध वस्तुओं जिनकी अपेक्षा प्रयोक्ता उद्योग द्वारा की गई है, के किसी ग्रेड अथवा प्रकार का उत्पादन करने में सक्षम है।
- च. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि विचाराधीन उत्पाद का अनियमित, लम्प और ग्रेन्युल का आयात विचाराधीन उत्पाद की समान वस्तु है और इस कारण से उसे बाहर नहीं किया जा सकता है। इसके अलावा, इस प्रकार के आयातों के ग्राहक और इस प्रकार के आयातों का अंतिम उपयोग भी एक जैसा है और इसका उपयोग एक दूसरे के स्थान पर किया जा सकता है।
- छ. किसी भी हितबद्ध पक्षकारों ने इन उत्पादों का तकनीकी विनिर्देश से संबंधित साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है जिन्हें उनके अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी के विशिष्ट अनुदेशों के बावजूद लिखित रूप में विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से बाहर किया जाना चाहिए। उसको देखते हुए, घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से अनुरोध किया है कि वे उत्पाद क्षेत्र में बाहर किए जाने के अनुरोध को अस्वीकार कर दें।

## ग.2 उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया अनुरोध

6. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने विचाराधीन उत्पाद के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
  - क. घरेलू उद्योग द्वारा परिभाषित इस उत्पाद की परिभाषा स्पष्ट नहीं है और इसे सही तरीके परिभाषित किए जाने की आवश्यकता है।
  - ख. घरेलू उद्योग 3 के बराबर अथवा उससे अधिक मेल्ट फ्लो इंडेक्स वाले पोलिस्ट्रीन का उत्पादन/बिक्री करता है। हालांकि इन आयातों में वे पोलिस्ट्रीन भी शामिल है जिनकी विस्कोसिटी 3 से कम है। इस आयात के लिए कोई समान वस्तु नहीं है और इसे क्षेत्र से अवश्य बाहर किया जाना चाहिए।
  - ग. अनियमित आकारों के खंडों, लम्स, ग्रेन्युल को बाहर किए जाने की आवश्यकता है क्योंकि घरेलू उद्योग इसकी आपूर्ति नहीं कर रहा है और उनकी कीमत सामान्य संबद्ध वस्तुओं से कम है। इसके अलावा, उन्होंने तर्क दिया है कि उपर्युक्त मदों के आयातों के कारण, यूएसए से आयात कम कीमत पर हो रहे हैं।

## ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

7. जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना के अनुसार वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद “विस्तार किए जाने योग्य पोलिस्ट्रीन को छोड़कर सभी प्रकार का पोलिस्ट्रीन” है। संबद्ध वस्तुओं का वर्गीकरण अध्याय 39 “प्लास्टिक और उससे बना हुआ सामान” के अंतर्गत किया गया है। छह अंक के स्तर पर, इन वस्तुओं का वर्गीकरण 390319 पर किया गया है।
8. पोलिस्ट्रीन एक विविध थर्मोप्लास्टिक पॉलीमर है जिसका उपयोग विभिन्न उपभोक्ता उत्पादों का निर्माण करने के लिए किया जाता है। पोलिस्ट्रीन को विभिन्न आकारों में ढाला जा सकता है, शीट बनाने के लिए बाहर निकाला जा सकता है और उस पर फोम लगाया जा सकता है। प्रमुख अनुप्रयोगों में ये उपस्कर जैसे रेफ्रिजरेटर और एयरकंडीशनर, लेखन सामग्री, घरेलू वस्तुओं, बाहर निकाला हुआ इन्सुलेशन फोम, इलैक्ट्रिकल हौजिन्स, खिलौने और फूड पैकेजिंग शामिल हैं।
9. विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से कुछ उत्पादों को बाहर करने के संबंध में, यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने इस तथ्य को दर्शाते हुए बीजक प्रस्तुत किए हैं कि उन्होंने 3 के बराबर अथवा उससे अधिक तथा 3 से कम विस्कोसिटी वाले उत्पादों का मेल्ट फ्लो इंडेक्स का उत्पादन किया है और उसकी बिक्री की है। इसके अलावा यह नोट किया जाता है कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने बाहर किए जाने के लिए अपने अनुरोध की पुष्टि करने हेतु कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है।

10. हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क के संबंध में कि यूएसए से आयात कम कीमत पर हो रहे हैं यह नोट किया जाता है कि प्रमुख कच्चा माल अर्थात् स्टाइरीन मोनोमर की कीमत अन्य संबद्ध देशों की तुलना में यूएसए में कम है। इस कारण से यूएसए से कम कीमत पर आयात के बारे में हितबद्ध पक्षकारों की आशंका पर इस विश्लेषण में उपयुक्त रूप से विचार किया गया है।
11. संबद्ध वस्तु मुख्य रूप से दो प्रकारों में उपलब्ध है अर्थात् सामान्य उद्देश्य का पालिस्ट्रीन (जीपीपीएस) और अत्यधिक प्रभाव वाला पोलिस्ट्रीन (एचआईपीएस) हैं। जीपीपीएस एक स्पष्ट, क्रिस्टल और पारदर्शी पॉलीमर है जिसमें उत्कृष्ट प्रकाश पारसन गुण, निम्न धुंधलापन और ढाले जाने की क्षमता होती है। जीपीपीएस का उपयोग लेखन सामग्री संबंधी उत्पादों, बीट्स, कंगन, टीओपी डिस्प्ले के लिए पारदर्शी शीट, चिकित्सीय उपकरणों, इन्सुलेशन के लिए बाहर निकला हुआ फोम और फूड पैकेजिंग के लिए फोम बनाने के लिए उपयोग किया जाता है। एचआईपीएस रबड़ संशोधित पोलिस्ट्रीन है जो पारदर्शी नहीं होता है और उसमें अच्छे प्रभाव की ताकत, लचीलापन और ग्लॉस और पर्यावरणीय दबाव क्रैक अवरोधी गुण होता है।
12. कुछ ग्रेडों को बाहर किए जाने के संबंध में, यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने जांच की अवधि के दौरान अपनी आपूर्ति का साक्ष्य उपलब्ध कराया है। इसके अलावा यह नोट किया जाता है कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने इस प्रकार के श्रेणियों की आपूर्ति न किए जाने के लिए आवश्यक तकनीकी विनिर्देश अथवा कोई अन्य निष्कर्ष से संबंधित साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है। इसके अलावा घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि वे प्रयोक्ता उद्योग की आवश्यकताओं के अनुसार संबद्ध वस्तुओं की सभी श्रेणियों का उत्पादन कर रहा है और उत्पादन करने में सक्षम है। उसको देखते हुए, प्राधिकारी इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद के विशिष्ट ग्रेडों/प्रकारों को बाहर करने के दावे में कोई दम नहीं है।
13. समान वस्तु के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में निम्नानुसार व्यवस्था है:-  

*“समान वस्तु” से ऐसी वस्तु अभिप्रेत है जो भारत में पाटने के कारण जांच के अंतर्गत वस्तु के सभी प्रकार से समरूप या समान है अथवा ऐसी वस्तु के न होने पर अन्य वस्तु जोकि यद्यपि सभी प्रकार से समनुरूप नहीं है परंतु जांचाधीन वस्तुओं के अत्यधिक सदृश विशेषताएं रखती हैं।*
14. रिकॉर्ड पर उपलब्ध सूचना पर विचार करने के बाद, प्राधिकारी का यह मत है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं की तुलना उन वस्तुओं की रासायनिक विशेषताएं, कार्य एवं उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशन, वितरण एवं विपणन और प्रशुल्क वर्गीकरण के मामले में विचाराधीन उत्पाद से की जा सकती है। ये दोनों तकनीकी रूप से और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। इस प्रकार से प्राधिकारी का यह मत है कि आवेदकों/घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु इस नियमावली के अनुसार संबद्ध देशों से आयात किए गए विचाराधीन उत्पाद की समान वस्तु है। ये दोनों तकनीकी रूप से और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ता इन दोनों का उपयोग एक दूसरे के स्थान पर कर रहे हैं।
15. इस प्रकार से प्राधिकारी यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु इस नियमावली के कार्य क्षेत्र और नियम 2(घ) के आशय से संबद्ध देशों से आयात किए गए विचाराधीन उत्पाद की समान वस्तु हैं।

#### घ. घरेलू उद्योग का क्षेत्र एवं स्थिति

##### घ.1 घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

16. घरेलू उद्योग द्वारा किया गया अनुरोध नीचे दिए गए अनुसार है:

- i. यह आवेदन मै. इनियस स्टाइरोलुसन इंडिया लिमिटेड (आईएसआईएल) और सुप्रीम पेट्रोकेम लिमिटेड (एसपीएल) द्वारा संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के लिए दिया गया है। आवेदक भारत में संबद्ध वस्तुओं का प्रमुख उत्पादक है और इस कारण से इस नियमावली की परिधि के भीतर घरेलू उद्योग होने का स्पष्ट आधार है।
- ii. आवेदकों ने जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देशों में से किसी भी देश से संबद्ध वस्तुओं का आयात नहीं किया है। आवेदक संबद्ध देशों में विचाराधीन उत्पाद के किसी निर्यातक अथवा आयातक से संबंधित (या तो प्रत्यक्ष



रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से) भी नहीं हैं। इस प्रकार से, आवेदक इस नियमावली के नियम 2(ख) के अंतर्गत पात्र घरेलू उद्योग हैं।

### **घ.2 उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया अनुरोध**

17. अन्य हितबद्ध पक्षकारों में से किसी भी पक्षकार ने घरेलू उद्योग के आधार के संबंध में कोई अनुरोध नहीं किया है।

### **घ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच**

18. पाटन रोधी नियमावली का नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:-

*“घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में “घरेलू उद्योग” पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।*

19. वर्तमान मामले में आवेदन आईएसआईएल और एसपीएल द्वारा दायर किया गया है जो घरेलू बाजार में वाणिज्यिक मात्रा में उत्पाद का उत्पादन करने और आपूर्ति करने जैसे घरेलू उत्पाद के प्रमुख उत्पादक हैं। उन्होंने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के मामले में जांच के लिए विस्तृत सूचना उपलब्ध कराई है।
20. यह नोट किया जाता है कि दो आवेदकों का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन का लगभग 66 प्रतिशत होता है। इसके अलावा एकमात्र अन्य भारतीय उत्पादक ने संबद्ध देशों से संबद्ध आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के लिए जांच का विरोध भी किया है। आवेदकों ने यह भी प्रमाणित किया है कि वे न तो निर्यातकों अथवा आयातकों से संबंधित हैं और न ही संबद्ध वस्तुओं का उन्होंने आयात किया है। तदनुसार प्राधिकारी यह मानते हैं कि आवेदकों ने इस नियमावली के नियम 5(3) के अंतर्गत आधार की आवश्यकता को पूरा किया है और वह इस नियमावली के नियम 2(ख) के संबंध में “घरेलू उद्योग” (डीआई) है।

### **ड. गोपनीयता से संबंधित मुद्दे**

#### **ड.1 घरेलू उद्योग द्वारा किया गया अनुरोध**

21. घरेलू उद्योग द्वारा निर्यातकों/आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों की गोपनीयता संबंधी दावे के संबंध में किए गए विभिन्न अनुरोध नीचे दिए गए हैं:
- हितबद्ध पक्षकारों के इन अनुरोधों के संबंध में कि घरेलू उद्योग ने लागत फार्मेट के मिश्रित फार्मेट-एच उपलब्ध नहीं कराया है, घरेलू उद्योग द्वारा यह अनुरोध किया गया है कि उन्होंने मौजूदा व्यापार नोटिस के अनुसार सभी प्रपत्र उपलब्ध कराए हैं। इसके अलावा, अगोपनीय पाठ तब दिया जाना अपेक्षित होता है जब इस प्रकार की सूचना सारांश किए जाने योग्य हो। लागत प्रपत्र के संबंध में यह डीजीटीआर की स्थापित कार्यपद्धति रही है कि लागत प्रपत्र गोपनीय प्रकृति के हों और उसका सारांश नहीं किया जा सके। तदनुसार, गोपनीयता के संबंध में व्यापार सूचना में भी लागत प्रपत्र के अगोपनीय पाठ को प्रस्तुत करने की परिकल्पना नहीं है।
  - घरेलू उद्योग द्वारा यह भी अनुरोध किया गया है कि उन्होंने संबंधित व्यापार नोटिस के अनुसार सभी सूचना उपलब्ध करा दी है। इसके अलावा, उन्होंने घरेलू उद्योग की स्थिति के संबंध में अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत करने के लिए अन्य हितबद्ध पक्षकारों को समर्थ बनाने हेतु मिश्रित प्रोफोर्मा-4 का अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराया है। घरेलू उद्योग ने आगे यह अनुरोध किया है कि प्रपत्र-एच नई लेखांकन प्रपत्रों का हिस्सा है और इस कारण से वह गोपनीय प्रकृति का है। इसके अलावा यह भी अनुरोध किया जाता है कि घरेलू उद्योग में केवल व्यापार संवेदनशील सूचना को गोपनीयता के रूप में होने का दावा किया है जो प्राधिकारी की कार्य-पद्धति के अनुसार है। इसके विपरीत, किसी भी उत्पादक/निर्यातक और आयातक ने अपने उत्तर का उचित अगोपनीय पाठ उपलब्ध नहीं कराया था।

- iii. प्रतिभागी निर्यातक भारतीय कानून के अंतर्गत अपने दायित्व को निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर का सार्थक सारांश उपलब्ध नहीं कराकर पूरा करने में असफल रहे हैं। घरेलू उद्योग ने कथाकथित सहयोगी निर्यातकों के उत्तरों को अस्वीकार करने का भी अनुरोध किया है क्योंकि उन्होंने भारत में अपने संबंधित पक्षकार के बारे में सूचना उपलब्ध नहीं कराई है।

### **ड.2 उत्पादकों/निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया अनुरोध**

22. वर्तमान जांच की प्रक्रिया के दौरान गोपनीयता के संबंध में इन उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोधों और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए अनुरोध नीचे दिए गए अनुसार हैं:

- i. इस आवेदन में अत्यधिक गोपनीयता है। यह आवेदन मात्रा से संबंधित सूचना के संबंध में भी बिल्कुल कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराती है।
- ii. प्राधिकारी ने दिनांक 1 फरवरी, 2018 की व्यापार नोटिस संख्या 2018 का 2 के माध्यम से घरेलू आवेदकों के लिए क्षति संबंधी आंकड़े प्रस्तुत करने हेतु संशोधित और नए प्रपत्रों का निर्धारण किया और यह उक्त व्यापार नोटिस में अस्पष्ट अनुदेशों के अनुसार उक्त प्रपत्र में क्षति संबंधी आंकड़े उपलब्ध कराने के लिए पाटनरोधी शुल्कों की मांग करते हुए घरेलू उद्योग (डीआई) के लिए आवश्यक है। आवेदकों ने घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित प्रपत्र-एच मिश्रित में क्षति संबंधी मानदंड उपलब्ध नहीं कराए हैं। इस मामले की शुरुआत निर्धारित प्रपत्र-एच में सूचना के न होने की स्थिति में नहीं की जानी चाहिए थी और नियम 8 के अंतर्गत परिकल्पित समुचितता की जांच भी वर्तमान मामले में विद्वेषपूर्ण लगती है क्योंकि इस मामले की शुरुआत संपूर्ण रूप में घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित प्रपत्र-एच में क्षति संबंधी आंकड़े सुनिश्चित किए बिना की गई थी।
- iii. इसके अलावा आरंभिक भंडार, अंतिम भंडार, निवेश, निबल पूंजी और विस्तार के लिए पूंजी निवेश से संबंधित आंकड़े प्रोफार्मा iv-क में उपलब्ध नहीं कराए गए हैं।
- iii. यह भी अनुरोध किया गया है कि इस याचिका का अगोपनीय पाठ इस नियमावली के नियम 7 और प्राधिकारी द्वारा दिनांक 9 दिसंबर, 2013 को जारी किए गए व्यापार नोटिस सं. 1/2013 में निर्धारित मानदंडों को पूरा करने में असफल है।
- iv. घरेलू उद्योग ने अपनी गोपनीयता का दावा किया है और अपूर्ण याचिका दायर की है। इस याचिका के खण्ड-vi (लागत संबंधी सूचना) के उत्तर में, घरेलू उद्योग ने बिल्कुल ही कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई है। घरेलू उद्योग ने इस याचिका के भाग-vi में उठाए गए सभी प्रश्नों "अनुबंध 12/13/14 के रूप में संलग्न" का उत्तर दिया है लेकिन इन प्रपत्रों के अगोपनीय पाठ में कुछ भी उपलब्ध नहीं कराया गया है। प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वे अपने दावे के लिए उचित औचित्य दर्शाएं लेकिन वे ऐसा नहीं कर सके हैं। केवल यह बयान देना कि "व्यापार से संबंधित सूचना और इस कारण से गोपनीय के रूप में दावा किया गया है" पर्याप्त नहीं है, उन्हें इसे गोपनीयता का दावा करने के लिए उपयुक्त कारण उपलब्ध कराना चाहिए।

### **ड.3. प्राधिकारी द्वारा जांच**

23. आवेदक एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीयता के संबंध में जांच की अवधि के दौरान किये गये विभिन्न अनुरोधों की जांच और उसका समाधान प्राधिकारी द्वारा संगत मानी गई सीमा तक नीचे दिये गये अनुसार किया गया है :
24. प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार निरीक्षण के लिए विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किये गये साक्ष्यों का अगोपनीय पाठ वाले सार्वजनिक फाइल के माध्यम से सभी हितबद्ध पक्षकारों को विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना का अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराया।
25. सूचना की गोपनीयता के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के नियम-7 में निम्नानुसार व्यवस्था है:-  

"7 (1) नियम 6 के उपनियमों (2), (3) और (7), नियम 12 के उपनियम (2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट

प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।

(3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसकी सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना पर ध्यान नहीं दे सकते हैं।

26. सूचना की गोपनीयता के संबंध में तर्कों के बारे में यह नोट किया जाता है कि गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई थी। संतुष्ट होने पर, प्राधिकारी ने जहां भी आवश्यक हुआ गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया है और इस प्रकार की सूचना को गोपनीय और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकटन की गई सूचना माना गया है। जहां भी संभव हुआ गोपनीय आधार पर सूचना उपलब्ध कराने वाले पक्षकारों को निदेश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय पाठ उपलब्ध करायें। प्राधिकारी ने सार्वजनिक याचिका के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किये गये साक्ष्य का अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराया। घरेलू उद्योग के आयातों, कार्यनिष्पादन संबंधी मानदंडों और क्षति संबंधी मानदंडों से संबंधित सूचना सार्वजनिक फाइल में उपलब्ध कराई गई है। व्यापार संवेदनशील सूचना को कार्य पद्धति के अनुसार गोपनीय रखा गया है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कोई भी सूचना जो सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध है, को गोपनीय के रूप में नहीं माना जा सकता है।

## च. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

### च. 1. सामान्य मूल्य

#### च. 1.1. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया अनुरोध

27. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किये गये हैं :
- I. सामान्य मूल्य और पाटन मार्जिन का निर्धारण संबद्ध देशों से निर्यातकों/ उत्पादकों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर किया जाना चाहिए।
  - II. घरेलू उद्योग द्वारा सामान्य मूल्य के संबंध में लगाये गये अनुमान को स्वीकार नहीं किया जा सकता है क्योंकि इस प्रकार का अनुमान संबद्ध देशों में वास्तविक स्थितियों के कारण प्रतिनिधिमूलक नहीं होगी।
  - III. घरेलू उद्योग ने निर्यात कीमत में कटौतियों को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत किया था और उसका उपयोग किसी गणना के लिए नहीं किया जाना चाहिए।
  - IV. फोरमोसा केमिकल्स और फाइबर कोर्पो. ने अनुरोध किया है कि वे चीनी ताइपेई में अपनी संबंधित कंपनी, जो चीनी ताइपेई में संबंधित कंपनी द्वारा गुप्त रूप से खपत की गई है का \*\*\* प्रतिशत की मामूली मात्रा की बिक्री कर रहा है। संबंधित कंपनी मैसर्स नान या प्लास्टिक कोरपोरेशन ने इस तथ्य का उल्लेख करते हुए एक पत्र भी प्रस्तुत किया है कि उन्होंने डाउनस्ट्रीम इंजीनियरिंग प्लास्टिक के उत्पादन के लिए उक्त संबद्ध वस्तु की खपत की है। इस कारण से, संबंधित पक्षकारों से पुनः बिक्री कीमत की आपूर्ति नहीं करने का कोई प्रश्न नहीं है। इसके अलावा, निर्यातक द्वारा यह भी अनुरोध किया जाता है कि भारत में उनका कार्यालय जैसा कि घरेलू उद्योग द्वारा दावा किया गया है, जांच की अवधि के दौरान कार्यरत नहीं रहा है।

**च. 1.2. घरेलू उद्योग द्वारा किया गया अनुरोध**

28. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किया है :

- I. घरेलू उद्योग ने जांच की शुरुआत की उद्देश्य से उनके पास उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के आधार पर संबद्ध देशों में सामान्य मूल्य का प्रस्ताव किया है। इसके अलावा, सार्थक सूचना भी उत्तर के अगोपनीय पाठ में उपलब्ध कराया गया था।
- II. घरेलू उद्योग ने संबद्ध देशों के लिए निर्यात कीमत की गणना करने के लिए डी जी सी आई एंड एस से लिये गये आयात संबंधी आंकड़ों पर विश्वास किया है। इसके अलावा, निर्यात कीमत में दावा किये गये समायोजनों अर्थात् समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, कमीशन, अतर्देशीय भाड़ा खर्च, पोत संबंधी खर्च और बैंक प्रभारों से संबंधित आंकड़े कारखानागत निर्यात कीमत तय करने के लिए बैंकअप दस्तावेजों द्वारा पूर्ण रूप से समर्थित हैं और उसे उपयुक्त रूप से अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट किया गया है।
- III. उत्पादकों/ निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत किया गया प्रश्नावली का उत्तर पूर्णरूप से त्रुटिपूर्ण है और उसे नवीनतम व्यापार नोटिस के संबंध में प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- IV. घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से यह भी अनुरोध किया है कि वे संबद्ध वस्तुओं के वास्तविक पहुंच मूल्य का पता लगाने के लिए आयातों के आंकड़ों की छानबीन करे क्योंकि इसका यह विश्वास है कि संबद्ध देशों से निर्यातक बिक्री पश्चात छूट दे रहे हैं।
- V. घरेलू उद्योग ने निर्यातकों और आयातकों द्वारा दिये गये उत्तरों के सही होने की जांच करने के लिए पद्धति एवं आंकड़ा प्रबंधन महानिदेशालय (डी जी सिस्टम) से आयात संबंधी आंकड़े मंगाने का अनुरोध किया है। घरेलू उद्योग ने निर्यातक द्वारा इन उत्तरों का भी अस्वीकार करने का अनुरोध किया है यदि उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़े वाणिज्यिक सूचना एवं सांख्यिकीय महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) से प्राप्त आंकड़ों से मेल नहीं खाते हों।
- VI. फोरमोसा केमिकल्स और फाइबर कोर्पो. (इसके पश्चात एफ सी एफ सी के रूप में संदर्भित) की ओर से किसी अनुरोध को तब तक रिकार्ड पर नहीं लिया जा सकता है जब तक उचित अधिकरण रिकार्ड पर न हो। इसके अलावा, यह तर्क दिया जाता है कि एफ सी एफ सी ने भारत में अपनी संबंधित कंपनी की सूचना उपलब्ध नहीं कराई है। उसको देखते हुए, घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से यह अनुरोध किया है कि एफ सी एफ सी की ओर से किये गये अनुरोध को रिकार्ड पर नहीं लिया जाना चाहिए। यह भी अनुरोध किया जाता है कि चूंकि स्थानीय बिक्री में शामिल एफ सी एफ सी के संबंधित पक्षकार ने इस जांच में भाग नहीं लिया है। इस कारण से एफ सी एफ सी के उत्तर को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए।
- VII. मलेशिया के उत्पादक के उत्तर को स्वीकार नहीं किया जा सकता है क्योंकि उन्होंने अपूर्ण उत्तर प्रस्तुत किया है। इसके अलावा, यह अनुरोध किया जाता है कि उनसे संबंधित निर्यातक ने इस जांच में भाग नहीं लिया है। उनके संबंधित निर्यातक के अपूर्ण उत्तरों और गैर-भागीदारी को देखते हुए घरेलू उद्योग ने उनके उत्तर को अस्वीकार करने का अनुरोध किया।

**च. 1.3. प्राधिकारी द्वारा जांच**

29. धारा 9क(1)(ग) के अधीन, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है:

- (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया के समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- (ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो, अथवा

(ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उदगम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत:

परंतु यदि उक्त वस्तु का आयात उदगम वाले देश से भिन्न किसी देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश से होकर केवल स्थानांतरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में नहीं होता है अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उदगम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

30. घरेलू उद्योग के इस अनुरोध के संबंध में की एफ सी एफ सी ने चीनी ताइपेई में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री में शामिल अपने संबंधित पक्षकार के पूर्ण उत्तर को उपलब्ध नहीं कराया है, यह नोट किया जाता है कि यह बिक्री कुल घरेलू बिक्री का मामूली \*\*\* प्रतिशत है और इस कारण से यह सामान्य मूल्य के निर्धारण पर वास्तव में कोई प्रभाव नहीं डालता है। किसी भी मामले में, एफ सी एफ सी ने अपने उत्तर में प्रस्तुत किया है कि उनके संबंधित पक्षकार ने चीनी ताइपेई में गुप्त खपत के लिए इस मामूली मात्रा का उपयोग किया है और इस कारण से इस प्रकार की मामूली मात्रा की इस बिक्री के लिए कोई पुनः बिक्री कीमत उपलब्ध नहीं है। यह भी नोट किया जाता है कि संबंधित कंपनी मैसर्स नान या प्लास्टिक कोरपोरेशन ने इस बात की भी पुष्टि की है कि उन्होंने डाउनस्ट्रीम इंजीनियरिंग प्लास्टिक के उत्पादन के लिए उक्त संबद्ध वस्तुओं की खपत की है।
31. घरेलू उद्योग के इस अनुरोध के संबंध में की एफ सी एफ सी का भारत में एक संबंधित पक्षकार कार्यालय है, इसके अलावा प्राधिकारी द्वारा उपलब्ध सूचना से यह नोट किया जाता है कि एफ सी एफ सी का जांच की अवधि के दौरान भारत में कोई कार्यालय कार्यरत नहीं है।
32. मलेशिया के उत्पादक द्वारा प्रस्तुत किये गये अपूर्ण उत्तर के संबंध में यह नोट किया जाता है कि मलेशिया के उत्पादक ने पूर्ण उत्तर प्रस्तुत करने के लिए दो बार समय विस्तार दिये जाने के बाद भी निर्धारित प्रपत्र के अनुसार पूर्ण उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। इसके अलावा, यह नोट किया जाता है कि उनके संबंधित निर्यातक ने भी निर्यातक की प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है और इस कारण से इसका उत्तर अलग अलग पाटन मार्जिन दिये जाने के लिए स्वीकार नहीं किया गया है।
33. प्राधिकारी ने जांच की प्रक्रिया के दौरान संबद्ध देशों के सहयोगी उत्पादकों और उनके निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना जिसकी जांच और सत्यापन प्राधिकारी द्वारा बाद में किया गया था, से सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का विश्लेषण और निर्धारण किया है।
34. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी और उसमें उन्हें निर्धारित रूप में और तरीके से सूचना उपलब्ध कराने की सलाह दी गई। निम्नलिखित उत्पादकों/ निर्यातकों ने निर्धारित प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है :

- क. तख्त-ए-जमशीद पर्स एसालोयेह पेट्रोकेमिकल्स कं., (टी जे पी ए पी सी), इरान (उत्पादक एवं निर्यातक)
- ख. इस्टर्न ट्रेडिंग इंटरनेशनल एफ जेड ई, यू ए ई (निर्यातक)
- ग. गोल्डन इंटरनेशनल एफ जेड ई, यू ए ई (निर्यातक)
- घ. मिलेनियम ट्रेडिंग (एफ जेड ई), यू ए ई (निर्यातक)
- ङ. फोरमोसा केमिकल्स एंड फाइबर कोरपोरेशन (एफ सी एफ सी), चीनी ताइपेई (उत्पादक एवं निर्यातक)
- च. पेट्रोकेमिकल्स (एम) एसडीएन बीएचडी, मलेशिया (उत्पादक – ऊपर में दिये गये कारणों से प्राधिकारी द्वारा असहयोगी के रूप में माना गया)

**च. 1.3.1. इरान****च. 1.3.1.1. मैसर्स तख्त-ए-जमशीद पर्स एसालोयेह पेट्रोकेमिकल्स कं., (टी जे पी ए पी सी), इरान के मामले में सामान्य मूल्य**

35. ईरान के उत्पादक अर्थात् टी जे पी ए पी सी द्वारा प्रस्तुत किये गये निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर से यह नोट किया जाता है कि उन्होंने तीन संबंधित निर्यातकों अर्थात् गोल्डन इंटरनेशनल एफ जेड ई, यू ए ई (निर्यातक), मिलेनियम ट्रेडिंग (एफ जेड ई), यू ए ई (निर्यातक) और इस्टर्न ट्रेडिंग इंटरनेशनल एफ जेड ई, यू ए ई (निर्यातक) के माध्यम से भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। उत्तर से यह भी नोट किया गया है कि जांच की अवधि के दौरान, कंपनी ने विभिन्न असंबंधित पक्षकारों को घरेलू बाजार में \*\*\* मी. ट. बिक्री की है। सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के उद्देश्य से, प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत के संदर्भ में लाभ कमाने वाली घरेलू बिक्री से संबंधित लेन-देन का निर्धारण करने के लिए व्यापार परीक्षण की सामान्य प्रक्रिया अपनाई। यदि लाभ कमाने वाला लेन-देन 80 प्रतिशत से अधिक हो तब प्राधिकारी सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए घरेलू बाजार में सभी लेन-देन पर विचार करते हैं। जहां लाभप्रद लेन-देन 80 प्रतिशत से कम हो, वहां केवल लाभप्रद घरेलू बिक्री पर सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए विचार किया जाता है। व्यापार परीक्षण की सामान्य प्रक्रिया के आधार पर सभी लाभप्रद घरेलू बिक्री पर विचार सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए किया गया है क्योंकि लाभप्रद बिक्री मात्रा की मामले में 80 प्रतिशत से कम थी। तदनुसार तख्त-ए-जमशीद पर्स एसालोयेह पेट्रोकेमिकल्स कं. के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है और उसका उल्लेख नीचे दिये गये पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है :

**च. 1.3.1.2. मैसर्स तख्त-ए-जमशीद पर्स एसालोयेह पेट्रोकेमिकल्स कं., (टी जे पी ए पी सी), इरान (उत्पादक) द्वारा गोल्डन इंटरनेशनल एफ जेड ई, यू ए ई (निर्यातक), इस्टर्न ट्रेडिंग इंटरनेशनल एफ जेड ई, यू ए ई और मिलेनियम ट्रेडिंग (एफ जेड ई), यू ए ई (निर्यातक) के मामले में सामान्य मूल्य**

36. तख्त-ए-जमशीद पर्स एसालोयेह पेट्रोकेमिकल्स कं., इरान (उत्पादक) (इसके पश्चात् "टी जे पी ए पी सी" के रूप में संदर्भित) द्वारा उत्पादित \*\*\* मी. ट. बिक्री की संबद्ध वस्तुओं का निर्यात भारत को तीन संबंधित निर्यातकों अर्थात् गोल्डन इंटरनेशनल एफ जेड ई, यू ए ई (इसके पश्चात् "गोल्डन" के रूप में भी संदर्भित) (निर्यात किया गया \*\*\* मी. ट.), मिलेनियम ट्रेडिंग (एफ जेड ई), यू ए ई (इसके पश्चात् "मिलेनियम" के रूप में भी संदर्भित) (निर्यात किया गया \*\*\* मी. ट.) और इस्टर्न ट्रेडिंग इंटरनेशनल एफ जेड ई, यू ए ई (निर्यातक) (इसके पश्चात् "स्टण्ड" के रूप में भी संदर्भित) (निर्यात किया गया \*\*\* मी. ट.) के माध्यम से भारत को निर्यात किया गया था। अभी तीन संबंधित निर्यातकों ने निर्यातक की प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है। संबंधित निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत किया गया उत्तर संबंधित उत्पादक द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और भारत को निर्यातित संबद्ध वस्तु का 70 प्रतिशत से अधिक को दर्शाता है।
37. मैसर्स गोल्डन इंटरनेशनल एफ जेड ई, यू ए ई के निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर में, कंपनी ने यह घोषणा की थी कि जांच की अवधि के दौरान, भारत को कुल \*\*\* मी. ट. निर्यात बिक्री में से, \*\*\* मी. ट. (\*\*\*) प्रतिशत) का निर्यात प्रत्यक्ष रूप से भारत को मैसर्स गोल्डन द्वारा किया गया था और \*\*\* मी. ट. (\*\*\*) प्रतिशत) का निर्यात अप्रत्यक्ष रूप से भारत को इसके अलावा, असंबंधित व्यापारियों के माध्यम से किया गया था और ये असंबंधित व्यापारियों ने उक्त \*\*\* मी. ट. मात्रा की अपेक्षित आवश्यक सूचना वाले उनके संबंधित निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। प्राधिकारी ने उत्पादक के लिए निर्यात कीमत की गणना करते समय मैसर्स गोल्डन द्वारा भारत को प्रत्यक्ष रूप से जहाज पर भेजी गई मात्रा (\*\*\*) मी. ट.) का \*\*\* प्रतिशत के लिए निर्यातक मैसर्स गोल्डन के सत्यापित वास्तविक आंकड़ों पर विचार किया है जिसके लिए उत्तरों की पूर्ण श्रृंखला प्राधिकारी के पास प्रस्तुत की गई है। इसके अलावा, अपने निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर में निर्यातक मैसर्स गोल्डन ने भाड़ा, कंटेनर शुल्क, कमीशन और विविध खर्चों के कारण समायोजन का दावा किया है और उसे आवश्यक सत्यापन के पश्चात् स्वीकार कर लिया गया है।

38. निर्यात कीमत के निर्धारण के संबंध में, प्राधिकारी इस अधिनियम की धारा 9क की उपधारा (1) और उपधारा 6क की व्याख्या (ख) में निहित प्रावधानों को नोट करते हैं जिसे नीचे दिये गये अनुसार नोट करते हैं।

*“(1) व्याख्या (ख) “किसी वस्तु के संबंध में “निर्यात कीमत” का अभिप्राय निर्यात देश अथवा प्रक्षेत्र से निर्यात की गई वस्तु की कीमत से है और उन मामलों में जहां कोई निर्यात कीमत नहीं है अथवा जहां निर्यात कीमत निर्यातक और आयातक अथवा तृतीय पक्षकार के बीच एसोसिएशन अथवा प्रतिपूरक व्यवस्था के कारण अविश्वसनीय है, निर्यात कीमत को उस कीमत के आधार पर तय किया जा सकता है जिस पर आयात की गई वस्तु को सर्वप्रथम एक स्वतंत्र क्रेता को फिर से बेचा गया हो अथवा यदि उस वस्तु को किसी स्वतंत्र क्रेता को फिर से नहीं बेचा गया हो अथवा ऐसे उचित आधार पर देश का निर्धारण उपधारा (6) के अंतर्गत बनायी गई नियमावली के अनुसार किया जा सकता है, पर आयात किये गये अनुसार इस शर्त पर नहीं बेचा गया हो।*

*(6क) बशर्ते की जहां कोई निर्यातक अथवा उत्पादक इस प्रकार का रिकार्ड अथवा सूचना उपलब्ध नहीं करा पाता है, वहां ऐसे निर्यातक अथवा उत्पादक के लिए पाटन के मार्जिन का निर्धारण उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया जायेगा।”*

इसके अलावा, इस नियमावली के नियम 6(8) में इस संबंध में निम्नलिखित प्रावधान है :

*“(8) उस मामले में जहां कोई हितवद्ध पक्षकार उचित अवधि के भीतर आवश्यक सूचना दिये जाने से इंकार करता है अथवा अन्य प्रकार से उपलब्ध नहीं कराता है अथवा इस जांच में पर्याप्त रूप से बाधा उत्पन्न करता है, तब निर्दिष्ट प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम को रिकार्ड कर सकते हैं और केंद्र सरकार को इस प्रकार की सिफारिशें कर सकते हैं जिसे यह ऐसी परिस्थितियों में उचित समझता हो।”*

39. उपर्युक्त प्रावधान को देखते हुए, मात्रा (\*\*\* मी. ट.) का \*\*\* प्रतिशत की निर्यात कीमत जिसके लिए जरूरी आवश्यक सूचना वाले उत्तरों की पूर्ण श्रृंखला प्राधिकारी को प्रस्तुत नहीं की गई है, के संबंध में, इस मात्रा की निर्यात कीमत की गणना इस नियमावली के नियम 6(8) और इस अधिनियम की धारा 9क (6क) के संबंध में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर की गई है। प्राधिकारी ने मात्रा (\*\*\* मी. ट.) की \*\*\* प्रतिशत जिसका निर्यात मैसर्स गोल्डन, यू ए ई द्वारा किया गया था और उत्पादन मैसर्स टी जे पी ए पी सी, इरान द्वारा किया गया था, के संबंध में निवल निर्यात कीमत और पहुंच मूल्य का निर्धारण करने के लिए उपलब्ध तथ्यों का उपयोग किया है।
40. तदनुसार, मैसर्स टी जे पी ए पी सी, इरान (उत्पादक) के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण प्रत्यक्ष निर्यात की भारित औसत निर्यात कीमत, जिसके लिए भारत को निर्यात के लिए श्रृंखला में पूर्ण सूचना उपलब्ध कराई गई है और भारत को अप्रत्यक्ष निर्यात जिसके लिए सूचना की पूर्ण श्रृंखला उपलब्ध नहीं कराई गई है, के आधार पर निर्धारण किया गया है। इस प्रकार से निर्धारित निर्यात कीमत का उपयोग उत्पादन मैसर्स टी जे पी ए पी सी की भारित निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए किया गया है।
41. मैसर्स इस्टर्न ट्रेडिंग इंटरनेशनल एफ जेड ई ने अपने निर्यात की प्रश्नावली के उत्तर में यह घोषणा की है कि जांच की अवधि के दौरान, मात्रा का \*\*\* प्रतिशत \*\*\* मी. ट. को जहाज से भारत को प्रत्यक्ष रूप से भेजा गया था। प्राधिकारी ने निर्यातक के सत्यापित आंकड़ों के आधार पर निर्यात कीमत की गणना की है। निर्यातक ने भाड़ा, कन्टेनर शुल्क, कमीशन और विविध खर्चों के कारण समायोजन का दावा किया है और उसे आवश्यक सत्यापन के पश्चात स्वीकार किया गया है। इस प्रकार से निर्धारित निर्यात कीमत का उपयोग उत्पादक मैसर्स टी जे पी ए पी सी की भारित निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए किया गया है।
42. निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर में, मैसर्स मिलेनियम ट्रेडिंग (एफ जेड ई), यू ए ई ने यह घोषणा की है कि जांच की अवधि के दौरान, मात्रा का \*\*\* प्रतिशत \*\*\* मी. ट. को जहाज से भारत को प्रत्यक्ष रूप से भेजा गया था। प्राधिकारी ने निर्यातक के सत्यापित आंकड़ों के आधार पर निर्यात कीमत की गणना की है।

निर्यातक ने भाड़ा, कन्टेनर शुल्क, कमीशन और विविध खर्चों के कारण समायोजन का दावा किया है और उसे आवश्यक सत्यापन के पश्चात स्वीकार किया गया है। इस प्रकार से निर्धारित निर्यात कीमत का उपयोग उत्पादक मैसर्स टी जे पी ए पी सी की भारित निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए किया गया है।

#### **च. 1.3.1.3. इरान से अन्य उत्पादकों के मामले में सामान्य मूल्य**

43. यह नोट किया जाता है कि इरान के किसी अन्य उत्पादक/ निर्यातक ने वर्तमान जांच में सहयोग नहीं किया है। असहयोग को देखते हुए प्राधिकारी ने उपलब्ध सर्वोत्तम तथ्यों के आधार पर अन्य उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है जिसकी गणना और उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

#### **च. 1.3.1.4. इरान के अन्य उत्पादकों की निर्यात कीमत**

44. यह नोट किया जाता है कि इरान के किसी अन्य उत्पादक/ निर्यातक ने वर्तमान जांच में सहयोग नहीं किया है। असहयोग को देखते हुए प्राधिकारी ने उपलब्ध सर्वोत्तम तथ्यों के आधार पर अन्य उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण किया है जिसका उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

#### **च. 1.3.2. चीनी ताइपेई**

##### **च. 1.3.2.1. मैसर्स फोरमोसा केमिकल्स एंड फाइबर कोपो. (एफ सी एफ सी), चीनी ताइपेई के मामले में सामान्य मूल्य**

45. चीनी ताइपेई के सहयोगी उत्पादक और निर्यातक अर्थात् एफ सी एफ सी द्वारा प्रस्तुत किये गये आंकड़ों से, यह नोट किया जाता है कि उन्होंने भारत को प्रत्यक्ष रूप से संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। प्रश्नावली के उत्तर की जांच की गई है और यह नोट किया जाता है कि प्रतिवादी ने अनिवार्य परीक्षणों के लिए उचित लागत के साथ संबंधित परिशिष्ट में संबद्ध वस्तुओं का घरेलू बिक्री से संबंधित कीमत के ब्यौरे उपलब्ध कराये हैं। यह नोट किया जाता है कि मैसर्स फोरमोसा केमिकल्स और फाइबर कोपो., चीनी ताइपेई ने जांच की अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं का \*\*\* मी. ट. का निर्यात \*\*\* यू एस डॉलर के सी आई एफ मूल्य पर निर्यात किया है। सामान्य मूल्य के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू बाजार में \*\*\* मी. ट. की बिक्री \*\*\* यू एस डॉलर प्रति मी. ट. की कीमत पर बेची गई है। सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के उद्देश्य से, प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत के संदर्भ में लाभ कमाने वाली घरेलू बिक्री से संबंधित लेन-देन का निर्धारण करने के लिए व्यापार परीक्षण की सामान्य प्रक्रिया अपनाई। यदि लाभ कमाने वाला लेन-देन 80 प्रतिशत से अधिक हो तब प्राधिकारी सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए घरेलू बाजार में सभी लेन-देन पर विचार करते हैं। जहां लाभप्रद लेन-देन 80 प्रतिशत से कम हो, वहां केवल लाभप्रद घरेलू बिक्री पर विचार सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए किया जाता है। व्यापार परीक्षण की सामान्य प्रक्रिया के आधार पर सभी लाभप्रद घरेलू बिक्री पर विचार सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए किया गया है क्योंकि लाभप्रद बिक्री मात्रा की मामले में 80 प्रतिशत से कम थी। एफ सी एफ सी द्वारा दावा किये गये समायोजनों का सत्यापन किया गया है और उसे उस सीमा तक स्वीकार किया गया है जिस सीमा तक उसे सही पाया गया। इस प्रकार से निर्धारित एफ सी एफ सी के सामान्य मूल्य का उल्लेख नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

##### **च. 1.3.2.2. मैसर्स फोरमोसा केमिकल्स एंड फाइबर कोपो. (एफ सी एफ सी), चीनी ताइपेई के मामले में निर्यात कीमत**

46. निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर में कंपनी ने यह उल्लेख किया है कि जांच की अवधि के दौरान उन्होंने \*\*\* मी. ट. का सीधे निर्यात किया है। इन आंकड़ों की जांच डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों के साथ की गई थी और उसे सही पाया गया था। नमूना बीजकों की जांच की गई है और उनके द्वारा प्रस्तुत किये गये आंकड़ों को स्वीकार किया गया है। प्राधिकारी ने आवश्यक सत्यापन के पश्चात अतर्देशीय भाड़े, समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, ऋण लागत, पैकिंग शुल्क, कमीशन, ब्रोरेज और पोर्ट चार्जेज आदि के कारण निर्यातक द्वारा दावा किये गये अनुसार समायोजनों को स्वीकार किया है। तदनुसार, निर्धारित निर्यात कीमत नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में उपलब्ध है।



**च. 1.3.3. मलेशिया सिंगापुर, यू ए ई एवं यू एस ए****च. 1.3.3.1. मलेशिया, सिंगापुर, यू ए ई और यू एस ए के सभी उत्पादकों एवं निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य**

47. यह नोट किया जाता है कि मलेशिया, सिंगापुर, यू ए ई और यू एस ए के किसी उत्पादक से इस संबद्ध जांच में कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है। असहयोग को देखते हुए प्राधिकारी ने इस नियमावली के नियम 6(8) और इस अधिनियम धारा 9क (6क) के संबंध में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर इन चार संबद्ध देशों में सभी उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। मलेशिया, सिंगापुर और यू एस ए के उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए, प्रमुख कच्चा माल अर्थात् स्टायरेन मोनोमर की कीमत पर उपलब्ध तथ्यों के आधार पर वर्ल्ड ट्रेड एटलस से लिये गये उनके अलग अलग देशों में कीमत तथा अन्य परिवर्तन लागतों के आधार पर किया गया है। इसके अलावा, वर्ल्ड ट्रेड एटलस में यू ए ई के आंकड़े नहीं होने के कारण, यू ए ई के उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण इरान के सहयोगी उत्पादक और निर्यातक के आंकड़ों से उपलब्ध सूचना के आधार पर किया गया है। इस प्रकार से निर्धारित/ विचारित इन चार देशों के लिए संरचित सामान्य मूल्य का उल्लेख नीचे पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

**च. 1.3.3.2. मलेशिया, सिंगापुर, यू ए ई एवं यू एस ए के सभी उत्पादकों एवं निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत**

48. क्योंकि मलेशिया, सिंगापुर, यू ए ई और यू एस ए के किसी उत्पादक/ निर्यातक से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है अतः इन देशों के सभी उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए निर्यात कीमतों का निर्धारण रिकार्ड पर उपलब्ध सूचना के आधार पर किया गया है। प्राधिकारी ने कारखानागत स्तर पर निवल निर्यात कीमत का निर्धारण करने के उद्देश्य से घरेलू उद्योग द्वारा दावा किये गये अनुसार समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, पोर्ट खर्च, अतर्देशीय भाड़े, बैंक शुल्क और ऋण लागत के कारण समायोजन किया है। तदनुसार, मलेशिया, सिंगापुर, यू ए ई और यू एस ए के संबद्ध वस्तुओं के सभी उत्पादकों के मामले में कारखानागत स्तर पर निवल निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है और उसका उल्लेख नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

**च. 1.3.4. पाटन मार्जिन****च. 1.3.4.1. संबंधित उत्पादकों और निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन**

49. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध जांच में, इरान के सहयोगी उत्पादक संबंधित निर्यातकों के माध्यम से आपूर्ति कर रहे हैं और वह संबंधित कंपनियों का एक समूह बनाते हैं। प्राधिकारी की यह सतत् कार्यपद्धति रही है कि वह संबंधित निर्यातक उत्पादकों और निर्यातकों के मामले में पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए एकमात्र कंपनी के रूप में माने और इस प्रकार उनके लिए एकमात्र पाटन मार्जिन स्थापित करें। यह विशेषकर इस कारण से हुआ है कि अलग अलग पाटन मार्जिन की गणना से पाटनरोधी उपायों की प्रवंचना को प्रोत्साहन मिल सकता है और इस प्रकार से न्यूनतम अलग अलग पाटन मार्जिन के साथ कंपनी के माध्यम से भारत को अपने निर्यात करने के लिए संबंधित निर्यातक उत्पादकों को समर्थ बनाकर उन्हें अप्रभावी बना देता है।
50. उपर्युक्त के अनुसार इरान के सहयोगी उत्पादक अर्थात् टी जे पी ए पी सी और यू ए ई के उनके सहयोगी निर्यातकों को एकमात्र कंपनी के रूप में माना गया है और एकमात्र पाटन मार्जिन का कारण उसे बताया गया है, जिसकी गणना सहयोगी संबंधी उत्पादक और निर्यातक के पाटन मार्जिन की भारित औसत के आधार पर किया गया था।

**च. 1.3.4.2. पाटन मार्जिन का निर्धारण**

51. संबद्ध वस्तुओं के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण संबद्ध वस्तुओं के लिए कारखानागत स्तर पर सामान्य मूल्य और निवल निर्यात कीमत की तुलना पर करते हुए की गई है। प्राधिकारी ने दोनों श्रेणीवार (जी पी पी एस और एच आई पी एस के लिए पृथक रूप से) पाटन मार्जिन का निर्धारण किया है और पी यू सी के लिए उसे संपूर्ण रूप में समेकित किया है तथा उसे नीचे तालिका में दिया गया है :

देश	उत्पादक	पोलिस्ट्रेन का ग्रेड	भारत को निर्यात	सामान्य मूल्य/ सी एन वी	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन
			मी. ट.	प्रति मी. ट. अमरीकी डॉलर	प्रति मी. ट. अमरीकी डॉलर	प्रति मी. ट. अमरीकी डॉलर	%
ईरान	तख्त-ए- जमशीद पर्स एसालोयेह पैट्रोकेमिकल कं.	जी पी पी एस	***	***	***	***	***
		एच आई पी एस	-	-	-	-	-
		भारित औसत	***	***	***	***	***
		रेंज %					60 - 80
	अन्य उत्पादक एवं निर्यातक	जी पी पी एस	-	-	-	-	-
		एच आई पी एस	***	***	***	***	***
		भारित औसत	***	***	***	***	***
		रेंज %					60 - 80
चीनी ताइपेइ	फोरमोसा केमिकल्स एंड फाइबर कोरपो.	जी पी पी एस	***	***	***	***	***
		एच आई पी एस	***	***	***	***	***
		भारित औसत	***	***	***	***	***
		रेंज %					0 - 20
	अन्य उत्पादक एवं निर्यातक	जी पी पी एस	***	***	***	***	***
		एच आई पी एस	***	***	***	***	***
		भारित औसत	***	***	***	***	***
		रेंज %					20 - 40
यू ए ई	सभी उत्पादक एवं निर्यातक	जी पी पी एस	***	***	***	***	***
		एच आई पी एस	***	***	***	***	***
		भारित औसत	***	***	***	***	***
		रेंज %					40 - 60
मलेशिया	सभी उत्पादक एवं निर्यातक	जी पी पी एस	***	***	***	***	***
		एच आई पी एस	***	***	***	***	***
		भारित औसत	***	***	***	***	***
		रेंज %					0 - 20
सिंगापुर	सभी उत्पादक एवं निर्यातक	जी पी पी एस	***	***	***	***	***
		एच आई पी एस	***	***	***	***	***

देश	उत्पादक	पोलिस्ट्रेन का ग्रेड	भारत को नियात	सामान्य मूल्य/ सी एन वी	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन
			मी. ट.	प्रति मी. ट. अमरीकी डॉलर	प्रति मी. ट. अमरीकी डॉलर	प्रति मी. ट. अमरीकी डॉलर	%
		भारित औसत	***	***	***	***	***
		रेंज %					20 - 40
यू एस ए	सभी उत्पादक एवं निर्यातक	जी पी पी एस	***	***	***	***	***
		एच आई पी एस	***	***	***	***	***
		भारित औसत	***	***	***	***	***
		रेंज %					40 - 60

### छ. क्षति के आकलन के लिए पद्धति और क्षति एवं कारणात्मक संबंध की जांच

#### छ. 1 घरेलू उद्योग द्वारा किया गया अनुरोध

52. घरेलू उद्योग द्वारा वर्तमान जांच की अवधि के दौरान किया गया क्षति संबंधित अनुरोध तथा प्राधिकारी द्वारा संगत माना गया अनुरोध निम्नलिखित है :

- I. संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयात ने जांच की अवधि में बहुत अधिक वृद्धि के साथ पिछले कुछ वर्षों में वृद्धि दर्शायी है। आयातों ने भी भारत में उत्पादन और खपत की तुलना में वृद्धि दर्शायी है।
- II. संबद्ध देशों का मांग में बाजार हिस्सा जांच की अवधि में अधिक हो गया है। संबद्ध देशों ने न केवल घरेलू उद्योग का हिस्सा ले लिया है बल्कि कम समय में अन्य देशों का भी हिस्सा ले लिया है। घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में कमी आई है।
- III. विदेशी उत्पादकों द्वारा कीमतों में कमी के साथ, भारतीय उत्पादक को उपलब्ध एकमात्र विकल्प या तो अपनी कीमतों को आयात कीमतों में हुए परिवर्तनों के अनुरूप करना है अथवा आर्डर को खो देना है और इस कारण से क्षति की जांच की समग्र अवधि के दौरान बाजार हिस्से में कमी आई।
- IV. घरेलू उद्योग की कीमते उन कीमते जिन्हें घरेलू बाजार में निर्यातकों द्वारा दिया जा रहा है के प्रभाव को दर्शाता है। घरेलू उद्योग ने दृढ़तापूर्वक यह तर्क भी दिया है कि निर्यातक भारतीय ग्राहकों को बिक्री पश्चात छूट दे रहे हैं ताकि उन्हें अधिक आकर्षक ऑफर दिया जा सके। घरेलू उद्योग ने आयातक को उनके विदेशी आपूर्तिकर्ताओं के साथ अपनी संविदाओं के बारे में तथा वास्तविक आयात कीमत का पता लगाने के लिए भुगतान का प्राप्ति के साथ अपने ग्राहकों के साथ भी वास्तविक सूचना उपलब्ध कराने का आग्रह किया है।
- V. कम कीमत पर बिक्री, कीमत में कटौती सकारात्मक और पर्याप्त है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग को कीमत न्यूनीकरण के कारण हानि हो रही है क्योंकि वे उचित शर्तों पर अपनी कीमतों को बढ़ाने में सक्षम नहीं हैं।
- VI. घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन में लाभ के मामले में तेजी से गिरावट आई है। वास्तव में, घरेलू उद्योग की लाभप्रद स्थिति हानि में परिणत हो गई है और निवेश पर लाभ एवं नकद लाभ की भी वही प्रवृत्ति रही है।
- VII. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट का कारण संबद्ध देशों से अलाभप्रद कीमतों पर आयात की मात्रा में बहुत अधिक वृद्धि है।

- VIII. बिक्री कीमत में वृद्धि उत्पादन की लागत में वृद्धि की तुलना में कम थी और इस प्रकार से पाटित आयातों से घरेलू उद्योग पर कीमत न्यूनीकरण का प्रभाव बन रहा है।
- IX. घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटन के संबंध में वास्तविक क्षति हुई है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग को वर्तमान स्थिति के जारी रहने की स्थिति में सतत क्षति का खतरा उत्पन्न हो गया है।
- X. हितबद्ध पक्षकारों के इन अनुरोधों के संबंध में की यू एस ए से आयात अन्य देशों की तुलना में कमतर कीमत पर हो रहा है। घरेलू उद्योग द्वारा यह अनुरोध किया जाता है कि यू एस ए से आयात किये गये उत्पाद उनके साथ प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इसके अलावा, संचयी आकलन की शर्तें भी पूर्णरूप से पूरी की गई हैं।

## **छ. 2 उत्पादकों/ निर्यातकों/ आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया अनुरोध**

53. उत्पादकों/ निर्यातकों/ आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा वर्तमान जांच की अवधि के दौरान किया गया क्षति संबंधी अनुरोध और प्राधिकारी द्वारा संगत माना गया अनुरोध नीचे दिया गया है।
- I. इस नियमावली के अनुबंध-II के संबंध में, एक से अधिक देश से आयातों के संचयी आकलन को तभी अनुमति दी जा सकती है जब यह प्रतिस्पर्धा की स्थिति को देखते हुए उपयुक्त हो। वैसी ही स्थिति के शर्त का प्रावधान जी ए टी टी का अनुच्छेद VI, 1994 में दिया गया है। उसको देखते हुए, आयातकों ने अनुरोध किया कि यू एस ए से आयात किये गये उत्पाद समान नहीं हैं और इस कारण से संचयी आकलन की अनुमति तब तक नहीं दी जानी चाहिए जब तक यू एस ए से आयात किये गये उत्पादों पर विचार नहीं किया जाता है।
  - II. भारतीय उद्योग का बाजार हिस्सा पहले से ही देश की कुल मांग का 90 प्रतिशत से अधिक है और घरेलू उद्योग केवल प्रभावी स्थिति बनाने का प्रयास कर रहा है। वे समूह के रूप में कार्य कर रहे हैं और वर्ष के दौरान कुछ समयों में वे विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन, आपूर्ति और बिक्री पर नियंत्रण करते हैं और उसके द्वारा कृत्रिम अभाव बनाते हैं और उसकी कीमते बनाये रखते हैं।
  - III. घरेलू उद्योग के लिए प्रमुख कच्चा माल अर्थात् स्टायरन मोनोमर के आयात पर सीमा शुल्क की दर पहले से ही शून्य है और उसके साथ ही एशियाई देशों और कोरिया से उस पर पूरी शुल्क मिली हुई है। अन्य देशों का भी केवल 2.5 प्रतिशत की शुल्क की प्रभावी दर है। चूंकि घरेलू उद्योग द्वारा पहले से ही शुल्क संरक्षण का लाभ लिया जा रहा है अतः आगे संरक्षण दिये जाने का कोई औचित्य नहीं है।
  - IV. घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हो रही है क्योंकि उसका तुलनपत्र बहुत अधिक लाभ दर्शा रहा है।
  - V. आवेदक को कथित क्षति यदि कोई हो, के लिए वास्तविक कारण संबद्ध वस्तुओं का पाटन नहीं है बल्कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध और प्रमुख कच्चे माल की कीमतों में परिवर्तन है। इस सत्य को वार्षिक रिपोर्ट में भी स्वीकार किया गया है।
  - VI. संबद्ध देशों से आयातों का घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा है।
  - VII. क्षति का दावा फॉर्म पर विचार किये बिना पी यू सी के आयातों पर आधारित है जबकि घरेलू उद्योग पी यू सी की बिक्री केवल ग्रेनूलर रूप में करता है। यह तथ्य इस प्रकार के मर्दों की कमतर पहुंच मूल्य से भी स्पष्ट है। इस कारण से क्षति संबंधी विश्लेषण पी यू सी का केवल ग्रेनूलर रूप में किया जाना चाहिए था और न कि लंप और अन्य गैर ग्रेनूलर रूप में, और इस कारण से उसे बाहर रखा जाना चाहिए था।
  - VIII. यह कि कीमत में कोई कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत दबाव और न्यूनीकरण नहीं हुआ है और इस कारण से संबद्ध देशों से आयातों के कारण किसी क्षति के संबंध में घरेलू उद्योग के दावे को अस्वीकार किया जाना चाहिए।
  - IX. घरेलू उद्योग की घरेलू मांग को पूरा करने में असमर्थता के फलस्वरूप खपत में वृद्धि को पूरा करने के लिए आयातों में वृद्धि हुई है।

**छ. 3 प्राधिकारी द्वारा जांच**

54. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को क्षति के संबंध में सभी हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों और जवाबी तर्कों को नोट किया है। प्राधिकारी द्वारा इस प्रकार से किये गये क्षति संबंधी विश्लेषण को इसके बाद हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये विभिन्न अनुरोधों का समाधान करता है।

**I. संचयी आकलन**

55. इस नियमावली के अनुबंध II के पैरा (iii) में यह उपबंध है कि यदि एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के हुए आयात के साथ-साथ पाटनरोधी जांच की जा रही है तो उस स्थिति में ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण करेंगे जब वह यह निर्धारित करें कि:-

- क. प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पुष्टिकृत पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से हुए आयात की मात्रा समान वस्तु के आयात की मात्रा की 3 प्रतिशत से कम है वहां संचयी रूप से आयात समान वस्तु के आयात के साथ सबसे अधिक बनता है; तथा
- ख. आयातित वस्तु एवं समान घरेलू वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के मद्देनजर आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है।

56. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि :

- क. संबद्ध वस्तुओं को संबद्ध देशों से भारत में पाटित किया जा रहा है। संबद्ध देशों में से प्रत्येक देश से पाटन का मार्जिन इस नियमावली के अंतर्गत निर्धारित न्यूनतम सीमाओं से अधिक है।
- ख. संबद्ध देशों में से प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा अलग अलग रूप में आयात की कुल मात्रा का 3 प्रतिशत से अधिक है।
- ग. आयात की मात्रा का संचयी प्रभाव उपयुक्त है क्योंकि संबद्ध देशों से निर्यात न केवल प्रत्यक्ष रूप से उनमें से प्रत्येक द्वारा पेशकश की जा रही समान वस्तुओं के साथ प्रतिस्पर्धा करता है बल्कि भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा पेशकश की जा रही समान वस्तुओं से भी प्रतिस्पर्धा करता है। यह नोट किया जाता है कि उपभोक्ता जो घरेलू उद्योग से खरीद कर रहे हैं संबद्ध देशों में से आयात भी कर रहे हैं।

57. इस नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iii) के संबंध में संचयी आकलन के मुद्दे के बारे में, यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से आयात अनुबंध-II के पैरा (iii) के मानदंड को पूर्णरूप से पूरा करता है। इस कारण से संचयी आकलन के बारे में अन्य हितबद्ध पक्षकारों का तर्क सही नहीं है।

58. उपर्युक्त को देखते हुए प्राधिकारी घरेलू उद्योग पर संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के प्रभावों का संचयी रूप से आकलन करना उपयुक्त मानते हैं।

59. घरेलू उद्योग का भारतीय आयातकों को इन निर्यातकों द्वारा दिये जा रहे बिक्री पश्चात छूट के बारे में तर्क के संबंध में, यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने अपने दावे को आगे सिद्ध करने के लिए कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है। इसके अलावा, प्राधिकारी ने जांच की प्रक्रिया के दौरान इस प्रकार की छूट का कोई सत्यापन योग्य अथवा विश्वसनीय साक्ष्य भी नहीं पाया है।

60. हितबद्ध पक्षकारों के घरेलू उद्योग की प्रभावी स्थिति के बारे में तथा यह कि वे समूह में कार्य कर रहे हैं, के संबंध में दिये गये तर्कों के बारे में यह नोट किया जाता है कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने अपने दावे की पुष्टि करने के लिए कोई साक्ष्य अथवा सूचना उपलब्ध नहीं कराई है।

61. इस तथ्य के संबंध में भी घरेलू उद्योग को क्षति, यदि कोई हो सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध के कारण हुआ है, रिकार्ड से यह नोट किया जाता है कि जांच की अवधि के दौरान सभी राज्यों पर सिंगल यूज प्लास्टिक पर कोई पूर्ण प्रतिबंध नहीं है और सिंगल यूज प्लास्टिक उत्पाद पर कोई पूर्ण प्रतिबंध का आयातों पर भी एक जैसा

- प्रभाव पड़ सकता है। इस कारण से कथित प्रतिबंध का संबद्ध वस्तुओं के पाटन और घरेलू उद्योग को क्षति के साथ कोई संबंध नहीं है।
62. रियायती दरों पर कच्चे माल के आयातों के संबंध में घरेलू उद्योग को लाभ के संबंध में, यह नोट किया जाता है कि क्षति के विश्लेषण और एन आई पी की गणना में उस पर विधिवत विचार किया गया है। इस कारण से, अन्य हितबद्ध पक्षकारों के तर्क पर उपयुक्त रूप से विचार किया गया है।
63. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता के संबंध में यह नोट किया जाता है कि आवेदक बहु-उत्पाद कंपनियां हैं और विचाराधीन उत्पाद की लाभप्रदता के साथ इन कंपनियों की लाभप्रदता की तुलना करना सही नहीं है और यह इस विषय पर उपलब्ध अधिकार क्षेत्र के अनुरूप भी नहीं है। इसके अलावा, प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वे घरेलू समान उत्पाद के संबंध में घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन और न कि पूर्णरूप से कंपनी के लिए कार्यनिष्पादन की जांच करें। तदनुसार, प्राधिकारी ने इस जांच के लिए भी आंकड़ों का विश्लेषण किया है। इस कारण से इस कंपनी की कुल लाभप्रदता के आधार पर अन्य हितबद्ध पक्षकारों का तर्क सही नहीं है।
64. कीमत में कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत दबाव और न्यूनीकरण नहीं होने के मुद्दे के संबंध में यह नोट किया जाता है कि क्षति का विश्लेषण करते समय बाद के पैराओं में इसका समाधान किया जाता है।
65. इस नियमावली के अनुबंध-11 के साथ पठित नियम 11 में यह प्रावधान है कि क्षति के निर्धारण में “... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इस प्रकार के आयातों का परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए...” घरेलू उद्योग की क्षति को दर्शाने वाले कारकों की जांच शामिल होगी। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय, इस बात की जांच करना आवश्यक माना गया है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है अथवा यह कि क्या इस प्रकार के आयातों के प्रभाव से अन्यथा कीमतों का बहुत अधिक मात्रा में ह्रास होता अथवा कीमत में वृद्धि रुक जाती जो अन्यथा बहुत अधिक मात्रा में हुई होती। भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए, इस उद्योग की हालत पर प्रभाव डालने वाले सूचकांकों जैसे उत्पादन, क्षमता, उपयोग, बिक्री की मात्रा, भण्डार, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन का आकार और मार्जिन आदि पर विचार इस नियमावली के अनुबंध-11 के अनुसार किया गया है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग और घरेलू उद्योग पर क्षति संबंधी निर्यातकों/आयातकों / व्यापारियों/ प्रयोक्ताओं के विभिन्न अनुरोधों को नोट किया है और रिकार्ड पर उपलब्ध तथ्यों तथा लागू कानूनों पर विचार करते हुए उसका विश्लेषण किया है। प्राधिकारी द्वारा इसके आद किये गये क्षति संबंधी विश्लेषण वास्तव में इन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये विभिन्न अनुरोधों का समाधान करता है।

## II. पाटित आयातों का मात्रा संबंधी प्रभाव

### i. मांग की आकलन

66. वर्तमान जांच के उद्देश्य से, संबद्ध वस्तुओं की मांग अथवा स्पष्ट खपत को इन आवेदकों की घरेलू बिक्री तथा सभी स्रोतों से आयातों से योग के रूप में परिभाषित किया गया है। इस प्रकार से आकलित मांग नीचे तालिका में दी गई है।

विवरण	यू ओ एम	2015-16	2016-17	2017-18	जून 18 से दिसं. 18 (जांच की अवधि)
ईरान से आयात	मी. ट.	450	886	6267	6440
जी पी पी एस	मी. ट.	292	795	5873	6350
एच आई पी एस	मी. ट.	158	91	394	90

विवरण	यू ओ एम	2015-16	2016-17	2017-18	जून 18 से दिसं. 18 (जांच की अवधि)
यू ए ई से आयात	मी. ट.	1162	2417	2639	11630
जी पी पी एस	मी. ट.	1094	1808	2538	11351
एच आई पी एस	मी. ट.	68	609	101	279
यू एस ए से आयात	मी. ट.	322	1780	3550	3501
जी पी पी एस	मी. ट.	322	1780	3138	3077
एच आई पी एस	मी. ट.	0	0	412	424
मलेशिया से आयात	मी. ट.	1889	2891	3652	1903
जी पी पी एस	मी. ट.	202	526	667	204
एच आई पी एस	मी. ट.	1687	2365	2985	1699
सिंगापुर से आयात	मी. ट.	5915	6315	4922	2974
जी पी पी एस	मी. ट.	4530	4142	3728	2159
एच आई पी एस	मी. ट.	1385	2173	1194	815
चीनी ताइपेई से आयात	मी. ट.	7177	5941	5558	3589
जी पी पी एस	मी. ट.	5991	2962	3612	2461
एच आई पी एस	मी. ट.	1186	2979	1947	1128
संबद्ध देशों से आयात	मी. ट.	16915	20230	26588	30037
अन्य देशों से आयात	मी. ट.	4975	3768	3102	2175
कुल आयात	मी. ट.	21891	23998	29690	32212
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	87	93	89
अन्य घरेलू उत्पादकों की बिक्री	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	115	116	113
कुल घरेलू बिक्री	मी. ट.	235225	224343	234021	225475
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	95	99	96
मांग	मी. ट.	257116	248341	263711	257687
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	103	100

67. उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तुओं की मांग में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में वृद्धि हुई।

**ii. आयात की मात्रा और संबद्ध देशों से आयातों का हिस्सा**

68. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वह इस तथ्य पर विचार करें कि क्या पाटित आयातों में स्वतंत्र रूप में अथवा भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में बहुत अधिक वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा का विश्लेषण नीचे दिये गये अनुसार किया गया है -

विवरण	यू ओ एम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
संबद्ध देशों से आयात	मी. ट.	16915	20230	26588	30037
अन्य देशों से आयात	मी. ट.	4975	3768	3102	2175
कुल आयात	मी. ट.	21891	23998	29690	32212
कुल उत्पादक	मी. ट.	***	***	***	***
निम्नलिखित की तुलना में संबद्ध देशों से आयात					
उत्पादक	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	130	182	213
खपत	%	7%	8%	10%	12%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	110	137	177
कुल आयात	%	77%	84%	90%	93%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	109	116	121

69. उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि -

- क. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों में क्षति की अवधि के दौरान स्वतंत्र रूप में बहुत अधिक वृद्धि हुई है।
- ख. संबद्ध देशों से आयातों में भारत में कुल आयात और खपत की तुलना में बहुत अधिक वृद्धि हुई है।

**iii. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत संबंधी प्रभाव**

70. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में इस बात विश्लेषण किया जाना अपेक्षित है कि क्या भारत में समान उत्पादों की कीमत की तुलना में पाटित आयातों के द्वारा कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है अथवा क्या इस प्रकार के आयातों का प्रभाव अन्य प्रकार से कम हुआ होता अथवा कीमत में वृद्धि रूक जाती, जो अन्य प्रकार से सामान्य प्रक्रिया के दौरान हुई होती। संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की जांच, कीमत में कटौती, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण, यदि कोई हो के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के उद्देश्य से घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत, निवल बिक्री प्राप्ति (एन एस आर) और क्षतिरहित कीमत (एन आई पी) की तुलना संबद्ध देशों से आयातों की पहुंच लागत से की गई है।

**क. कीमत कटौती**

71. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों की आयातों से कटौती हो रही है, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली से (जीपीपीएस और एचपीपीएस दोनों के लिए, तथा विचाराधीन उत्पाद के लिए समेकित) आयातों की पहुँच कीमत की तुलना निम्नलिखित रूप में की है:



**संबद्ध देश: ईरान**

विवरण	यूओएम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
<b>जीपीपीएस</b>					
पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	97,473	86,907	97,686	99,759
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	89	100	102
घरेलू बिक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	108	117	127
कीमत कटौती	रु./मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	% रेंज	(20) - 0	0 - 20	(20) - 0	0 - 20
<b>एचआईपीएस</b>					
पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	83,493	92,217	74,964	112,547
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	110	90	135
घरेलू बिक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	109	117	126
कीमत कटौती	रु./मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	% रेंज	0 - 20	0 - 20	20-40	0 - 20
<b>विचाराधीन उत्पाद के लिए समेकित</b>					
पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	92,564	87,452	96,257	99,937
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	94	104	108
घरेलू बिक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	106	115	124
कीमत कटौती	रु./मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	% रेंज	(20) - 0	0 - 20	0 - 20	0 - 20

**संबद्ध देश: संयुक्त अरब अमीरात**

विवरण	यूओएम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
<b>जीपीपीएस</b>					
पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	79,229	82,434	98,153	107,317
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	104	124	135
घरेलू बिक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***

प्रवृत्ति	सूचकांक	100	108	117	127
कीमत कटौती	रु./मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	% रेंज	0 - 20	0 - 20	(20) - 0	(20) - 0
<b>एचआईपीएस</b>					
पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	77,170	94,742	86,115	100,777
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	123	112	131
घरेलू बिक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	109	117	126
कीमत कटौती	रु./मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	% रेंज	0 - 20	0 - 20	20-40	0 - 20
<b>विचाराधीन उत्पाद के लिए समेकित</b>					
पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	79,109	85,535	97,692	107,160
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	108	123	135
घरेलू बिक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	110	117	127
कीमत कटौती	रु./मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	% रेंज	0-20	0-20	0-20	(20) - 0

**संबद्ध देश: संयुक्त राज्य अमेरिका**

विवरण	यूओएम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
<b>जीपीपीएस</b>					
पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	61,516	75,852	78,753	81,248
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	123	128	132
घरेलू बिक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	108	117	127
कीमत कटौती	रु./मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	% रेंज	20-40	0-20	20-40	20-40

एचआईपीएस					
पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	-	-	70,134	73,102
प्रवृत्ति	सूचकांक	-	-	100	104
घरेलू बिक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	-	-	100	108
कीमत कटौती	रु./मी. टन	-	-	***	***
कीमत कटौती	%	-	-	***	***
कीमत कटौती	% रेंज	-	-	40-60	40-60
विचाराधीन उत्पाद के लिए समेकित					
पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	61,516	75,852	77,753	80,261
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	123	126	130
घरेलू बिक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	108	118	128
कीमत कटौती	रु./मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	% रेंज	20-40	0-20	20-40	20-40

## संबद्ध देश: मलेशिया

विवरण	यूओएम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
जीपीपीएस					
पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	64,442	75,330	82,173	84,898
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	117	128	132
घरेलू बिक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	108	117	127
कीमत कटौती	रु./मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	% रेंज	20-40	0-20	0-20	20-40
एचआईपीएस					
पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	95,364	99,837	111,724	117,133
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	105	117	123
घरेलू बिक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***

प्रवृत्ति	सूचकांक	100	109	117	126
कीमत कटौती	रु./मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	% रेंज	(20) - 0	(20) - 0	(20) - 0	(20) - 0
<b>विचाराधीन उत्पाद के लिए समेकित</b>					
आयात मात्रा	मी. टन	1,889	2,891	3,652	1,903
पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	92,057	95,378	106,327	113,678
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	104	116	123
घरेलू विक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	109	116	126
कीमत कटौती	रु./मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	% रेंज	(20) - 0	0-20	(20) - 0	(20) - 0

**संबद्ध देश: सिंगापुर**

विवरण	यूओएम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
<b>जीपीपीएस</b>					
पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	87,201	90,463	98,369	110,546
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	104	113	127
घरेलू विक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	108	117	127
कीमत कटौती	रु./मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	% रेंज	(20) - 0	(20) - 0	(20) - 0	(20) - 0
<b>एचआईपीएस</b>					
पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	89,536	100,468	108,463	114,036
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	112	121	127
घरेलू विक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	109	117	126
कीमत कटौती	रु./मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***

कीमत कटौती	% रेंज	0-20	(20) - 0	(20) - 0	(20) - 0
<b>विचाराधीन उत्पाद के लिए समेकित</b>					
पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	87,748	93,906	100,818	111,502
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	107	115	127
घरेलू विक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	110	117	127
कीमत कटौती	रु./मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	% रेंज	(20) - 0	(20) - 0	(20) - 0	(20) - 0

**संबद्ध देश: चीनी ताइपेई**

विवरण	यूओएम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
<b>जीपीपीएस</b>					
पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	84,502	90,081	96,408	105,930
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	107	114	125
घरेलू विक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	108	117	127
कीमत कटौती	रु./मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	% रेंज	(20) - 0	0 - 20	0 - 20	(20) - 0
<b>एचआईपीएस</b>					
पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	98,787	85,470	94,452	116,006
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	87	96	117
घरेलू विक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	109	117	126
कीमत कटौती	रु./मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	% रेंज	(20) - 0	0 - 20	0 - 20	(20) - 0
<b>विचाराधीन उत्पाद के लिए समेकित</b>					
पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	86,863	87,769	95,723	109,097
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	101	110	126

घरेलू बिक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	108	117	130
कीमत कटौती	रु./मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	% रेंज	(20) - 0	0-20	0-20	(20) - 0

**समग्र रूप में संबद्ध देश**

विवरण	यूओएम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
<b>जीपीपीएस</b>					
पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	84,433	86,135	94,073	1,02,270
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	102	111	121
घरेलू बिक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	108	117	127
कीमत कटौती	रु./मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	% रेंज	(20) - 0	0 - 20	0 - 20	0 - 20
<b>एचआईपीएस</b>					
पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	93,769	94,424	1,01,526	1,10,946
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	101	108	118
घरेलू बिक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	109	117	126
कीमत कटौती	रु./मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	% रेंज	(20) - 0	0 - 20	0 - 20	0 - 20
<b>समेकित/विचाराधीन उत्पाद</b>					
पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	86,908	89,502	96,044	1,03,551
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	103	111	119
घरेलू बिक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	110	117	126
कीमत कटौती	रु./मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	% रेंज	(20) - 0	0-20	0-20	0-20

**टिप्पणी:** ईरान को छोड़कर सभी संबद्ध देशों की आयात मात्रा और पहुँच मूल्य डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों के अनुसार है। तथापि, ईरान के उत्तरदाता एवं सहयोगी निर्यातक द्वारा सूचित किए गए अनुसार, जीपीपीएस आयात मात्रा डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों में सूचित की गई मात्रा से अधिक है। अतः ईरान के उत्तरदाता एवं सहयोगी निर्यातक द्वारा सूचित और विधिवत सत्यापित जीपीपीएस आयात मात्रा ईरान की आयात मात्रा और पहुँच मूल्य परिकलन के लिए मानी गई है।

72. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों के पहुँच मूल्य जांच की अवधि के दौरान और दो वर्ष पूर्व घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम है। यह भी नोट किया जाता है कि पाटित आयातों के प्रभाव के संचयी मूल्यांकन के भाग के रूप में जांच की अवधि के दौरान समग्र रूप से संबद्ध देशों से कीमत कटौती सकारात्मक है।

**ख. कीमत न्यूनीकरण एवं ह्रास**

73. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या संबद्ध देशों से आयात घरेलू कीमतों का ह्रास अथवा न्यूनीकरण कर रहे हैं और क्या इन आयातों का प्रभाव कीमतों का काफी मात्रा तक न्यूनीकरण करना अथवा कीमत वृद्धि रोकना है जो अन्यथा सामान्य प्रक्रिया में हुई होती, प्राधिकारी ने क्षति की अवधि में लागतों और कीमतों में परिवर्तनों पर निम्नलिखित रूप में विचार किया:

विवरण	यूओएम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
<b>विचाराधीन उत्पाद के लिए समेकित</b>					
ईरान से पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	92,564	87,452	96,257	99,937
संयुक्त अरब अमीरात से पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	79,109	85,535	97,692	1,07,160
संयुक्त राज्य अमेरिका से पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	61,516	75,852	77,752	80,261
मलेशिया से पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	92,058	95,378	1,06,328	1,13,677
सिंगापुर से पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	87,747	93,906	1,00,818	1,11,503
चीनी तैपई से पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	86,862	87,769	95,723	1,09,096
संबद्ध देशों से पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	86,922	89,510	96,592	1,03,551
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	103	111	119
घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	109	117	125
बिक्री की लागत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	103	116	131

74. उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से आयातों का पहुँच मूल्य जांच की अवधि में और दो वर्ष पूर्व घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम थी। चूंकि, घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत पूरी क्षति अवधि के दौरान निरंतर बढ़ी है, अतः घरेलू उद्योग के लिए कोई कीमत ह्रास नहीं है। तथापि, चूंकि संबद्ध सामानों की बिक्री कीमत संबद्ध सामानों की बिक्री लागत के अनुपात में नहीं बढ़ी है, अतः घरेलू उद्योग के सामने संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों की कम आयात कीमतों के कारण कीमत न्यूनीकरण की समस्या आ रही है।

**ग. कम कीमत पर बिक्री**

75. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई कम कीमत पर बिक्री, यदि कोई है, की जांच की है। यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के आयातों का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से काफी कम है जिसके परिणामस्वरूप कम कीमत पर बिक्री हो रही है।

विवरण	यूओएम	समग्र रूप में संबद्ध देश	ईरान	संयुक्त अरब अमीरात	संयुक्त राज्य अमेरिका	मलेशिया	सिंगापुर	चीनी तैपई
<b>जीपीपीएस</b>								
पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	102,270	99,759	107,317	81,248	84,898	110,546	105,930
एनआईपी	रु./मी. टन	***	***	***	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	रु./मी. टन	***	***	***	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	%	***	***	***	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	% रेंज	0 - 20	0 - 20	0 - 20	20-40	20-40	0 - 20	0 - 20
<b>एचआईपीएस</b>								
पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	110,946	112,547	100,777	73,102	117,133	114,036	116,006
एनआईपी	रु./मी. टन	***	***	***	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	रु./मी. टन	***	***	***	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	%	***	***	***	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	% रेंज	0 - 20	0-20	0 - 20	60-80	0 - 20	0 - 20	0 - 20
<b>विचाराधीन उत्पाद के लिए समेकित</b>								
पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	103,551	99,937	107,160	80,261	113,678	111,502	109,096
एनआईपी	रु./मी. टन	***	***	***	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	रु./मी. टन	***	***	***	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	%	***	***	***	***	***	***	***



विवरण	यूओएम	समग्र रूप में संबद्ध देश	ईरान	संयुक्त अरब अमीरात	संयुक्त राज्य अमेरिका	मलेशिया	सिंगापुर	चीनी तैपई
कम कीमत पर बिक्री	% रेंज	0 - 20	0 - 20	0 - 20	40-60	0 - 20	0 - 20	0 - 20

*टिप्पणी: ईरान को छोड़कर सभी संबद्ध देशों की आयात मात्रा और पहुँच मूल्य डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों के अनुसार है। तथापि, ईरान के उत्तरदाता एवं सहयोगी निर्यातक द्वारा सूचित किए गए अनुसार, जीपीपीएस आयात मात्रा डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों में सूचित की गई मात्रा से अधिक है। अतः ईरान के उत्तरदाता एवं सहयोगी निर्यातक द्वारा सूचित और विधिवत सत्यापित जीपीपीएस आयात मात्रा ईरान की आयात मात्रा और पहुँच मूल्य परिकलन के लिए मानी गई है।*

#### iv. घरेलू उद्योग के आर्थिक मानदंड

76. नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में समान उत्पाद के घरेलू उत्पादकों पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। इस प्रकार के उत्पादों का घरेलू उत्पादकों पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में, नियमावली में आगे यह प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक कारकों और तत्वों जिनका घरेलू उद्योग की हालत पर प्रभाव पड़ता हो, जिसमें बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक और संभावित गिरावट; वे कारक जो घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा पर प्रभाव डालते हों; नकदी प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, विकास, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव का वस्तुपरक और निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होना चाहिए। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मानदंडों पर यहां नीचे चर्चा की गई है:

#### क. बिक्री मात्रा और मूल्य:

77. घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा और मूल्य नीचे तालिका में दी गयी है:

विवरण	यूओएम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
बिक्री मात्रा	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	87	93	89
बिक्री मूल्य	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	95	109	113
बिक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	109	117	128

78. उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में काफी कम हुई है।

#### ख. उत्पादन और क्षमता उपयोग:

79. उत्पादन और क्षमता उपयोग का ब्यौरा नीचे तालिका में दिया गया है:

विवरण	यूओएम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
क्षमता	मी. टन	362000	362000	362000	362000
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	100	100	100
उत्पादन	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	92	86	83
क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	91	86	83

80. उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग में घरेलू मांग की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता है। तथापि, क्षमता उपयोग जांच की अवधि के दौरान काफी नीचे गिरा है।

#### ग. बाजार हिस्सा

81. घरेलू उद्योग के आयातों, घरेलू बिक्री और बाजार हिस्सों का ब्यौरा नीचे दिए अनुसार है:

विवरण	यूओएम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
संबद्ध देशों से आयात	मी. टन	16915	20230	26588	30037
अन्य देशों से आयात	मी. टन	4975	3768	3102	2175
कुल आयात	मी. टन	21891	23998	29690	32212
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी. टन	***	***	***	***
अन्य घरेलू उत्पादकों की बिक्री	मी. टन	***	***	***	***
कुल घरेलू बिक्री	मी. टन	235225	224343	234021	225475
<b>मांग</b>	<b>मी. टन</b>	<b>257116</b>	<b>248341</b>	<b>263711</b>	<b>257687</b>
मांग में हिस्सा					
संबद्ध देशों से आयात	%	6.58%	8.15%	10.08%	11.66%
अन्य देशों से आयात	%	1.93%	1.52%	1.18%	0.84%
कुल आयात	%	8.51%	9.66%	11.26%	12.50%
घरेलू बिक्री	%	91.49%	90.34%	88.74%	87.50%

82. उपर्युक्त से यह नोट किया जाता है कि:

क. संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के आयात पूर्व वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में बढ़े हैं।

ख. घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान उसी अवधि में स्थिर मांग के बावजूद कम हुआ है। तथापि, उसी अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों का बाजार हिस्सा लगभग दोगुना हुआ है।

#### घ. उत्पादकता

83. घरेलू उद्योग की उत्पादकता नीचे तालिका में दी गई है:

विवरण	यूनिट	2014-15	2015-16	2016-17	जांच की अवधि
उत्पादन	मी. टन	***	***	***	***
उत्पादन	सूचकांक	100	92	86	83
कर्मचारी	सं.	***	***	***	***
कर्मचारी	सूचकांक	100	96	93	87
उत्पादकता/कर्मचारी	मी. टन/सं.	***	***	***	***
उत्पादकता/कर्मचारी	सूचकांक	100	95	93	96
उत्पादकता/दिन	मी. टन/सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	92	86	83

84. उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि प्रति कर्मचारी कुल उत्पादन के संदर्भ में उत्पादकता में उत्पादन में तुलनात्मक रूप से अधिक गिरावट (100 से 83 सूचकांक) की तुलना में कम तर कार्यदल लगाने (100 से 87 सूचकांक) के कारण आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में आंशिक गिरावट आई है। घरेलू उद्योग की उत्पादकता में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है।

#### ड. मालसूची:

85. संबद्ध सामानों की मालसूची नीचे तालिका में दर्शाई गई है:

विवरण	यूओएम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
औसत मालसूची	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	153	140	93

86. उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि मालसूची जांच की अवधि के दौरान गिरावट को छोड़कर, क्षति की अवधि के दौरान निरंतर बढ़ी है।

#### च. रोजगार एवं मजदूरी

87. रोजगार एवं मजदूरी के संबंध में स्थिति नीचे तालिका में दी गई है:

विवरण	यूओएम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
कर्मचारी	सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	96	93	87
मजदूरी	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	102	108	105
मजदूरी/कर्मचारी	रु./वार्षिक	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	105	116	121

88. उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि कर्मचारियों की संख्या पूर्व वर्षों की तुलना में जांच की अवधि के दौरान काफी कम हुई है। तथापि, कर्मचारियों को दी गई मजदूरी बढ़ी है, यद्यपि प्रदत्त मजदूरी में यह वृद्धि सामान्य रूप में देश में मजदूरी में वृद्धि के अनुरूप रही है।

#### छ. लाभप्रदता

89. घरेलू उद्योग के लाभ, निवेश पर आय एवं नकद प्रवाह की नीचे दिए अनुसार जांच की गई है:

विवरण	यूओएम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
बिक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	109	117	128
बिक्री कीमत की लागत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	103	116	131
लाभ एवं हानि	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	235	141	30
लाभ एवं हानि	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	269	153	33
नकद लाभ	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	202	124	45
नियोजित पूंजी	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	149	150	126
पीबीआईटी	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	210	132	36
नियोजित पूंजी पर आय (आरओसीई)	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	141	88	28

90. जैसा कि ऊपर नोट किया गया है, पाटित और कम कीमत के आयातों के कारण घरेलू उद्योग का निष्पादन जांच की अवधि में प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुआ है। यह अनिवार्य रूप से कम कीमतों पर आने वाले संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण है जिसके कारण घरेलू उद्योग आयातों की कम कीमतों से मेल खाने के लिए अपनी कीमतें कम करने के लिए मजबूर हुआ है। घरेलू उद्योग पर इस कीमत दबाव ने घरेलू उद्योग की लाभप्रदता प्रतिकूल रूप से प्रभावित की है जो जांच की अवधि के दौरान काफी कम हुई है। नियोजित पूंजी पर आय भी आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान काफी कम हुई है।

#### ज. वृद्धि

91. आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में बिक्री और उत्पादन के संदर्भ में घरेलू उद्योग की वृद्धि नकारात्मक थी। इसी प्रकार, लाभ, नकद लाभ तथा निवेश पर आय जांच की अवधि के दौरान मांग में कोई वृद्धि न होने के बावजूद आधार वर्ष के दौरान उपयुक्त रूप से लाभप्रद स्थिति से काफी कम हुई। घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि वे संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण उसे हासिल करने में सक्षम नहीं थे।

**झ. पाटन मार्जिन की मात्रा**

92. पाटन मार्जिन की मात्रा उस सीमा तक एक संकेतक है जहां तक पाटित आयात घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा सकते हैं। आंकड़े यह दर्शाते हैं कि संबद्ध देशों के विरुद्ध निर्धारित पाटन मार्जिन न्यूनतम से अधिक तथा काफी है।

**ञ. पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता**

93. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के निष्पादन का काफी ह्रास हुआ है और विचाराधीन उत्पाद का पाटन घरेलू उद्योग की पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर सकता है।

**ट. घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक**

94. जांच यह दर्शाती है कि संबद्ध सामानों के लिए भारत में मांग घरेलू उद्योग की वृद्धि के लिए सीमित करने वाला कारक नहीं है। संबद्ध देशों से आयात कीमतें, घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को सीधे ही प्रभावित कर रही हैं, यह भी नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से कम है। इसके अतिरिक्त, संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों की पहुँच कीमतों ने घरेलू उद्योग की कीमतों का न्यूनीकरण किया है। संबद्ध देशों को छोड़कर अन्य देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयात नगण्य हैं और घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचाने के लिए दावा नहीं किए गए हैं। इस उद्योग में उत्पाद के लिए मांग में गिरावट नहीं आई है और इसीलिए घरेलू उद्योग के सामने आई कीमत न्यूनीकरण के लिए उत्तरदायी कारक नहीं हो सकता। इस प्रकार, घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला मुख्य कारक संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों की पहुँच कीमतें हैं।

**छ.4 वास्तविक क्षति संबंधी निष्कर्ष**

95. आयातों के मात्रात्मक और कीमत प्रभावों सहित क्षति के विभिन्न मानदंडों की जांच यह दर्शाती है कि क्षति जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के आयातों की मात्रा में पूर्ण दृष्टि से तथा देश में कुल आयातों, घरेलू उत्पादन और कुल मांग के संबंध में वृद्धि हुई है। कीमत प्रभाव के संबंध में, यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के आयात घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत की कटौती कर रहे हैं। घरेलू उद्योग को भी संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के पाटित आयातों के कारण कीमत न्यूनीकरण हुआ है क्योंकि संबद्ध सामानों की बिक्री कीमत क्षति की अवधि के दौरान संबद्ध सामानों की बिक्री लागत में वृद्धि के अनुरूप नहीं बढ़ी है। घरेलू उद्योग पर मात्रात्मक प्रभाव और कीमत प्रभाव के संबंध में यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री, उत्पादन और क्षमता उपयोग प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुए हैं। इसके अतिरिक्त, यह भी नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के पाटित आयातों के कारण प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुई है।

**छ.5 क्षति मार्जिन की मात्रा**

96. प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध-III के साथ पठित नियमावली में उल्लिखित सिद्धांतों के आधार पर घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत (एनआईपी) निर्धारित की है। घरेलू समान उत्पाद की एनआईपी जांच की अवधि के लिए निर्माण लागत तथा बिक्री लागत से संबंधित सत्यापित सूचना/आंकड़ों को अपनाकर निर्धारित की गई है। घरेलू उद्योग की एनआईपी नियमावली के अनुबंध-3 के अनुसार निकाली गई है। एनआईपी निर्धारित करने के लिए क्षति की अवधि में घरेलू उद्योग द्वारा कच्ची सामग्री के सर्वोत्तम उपयोग को माना गया है। यही व्यवहार यूरिलिटियों के साथ किया गया। क्षति की अवधि में उत्पादन क्षमता के सर्वोत्तम उपयोग पर विचार किया गया है। एनआईपी के प्रयोजन के लिए जांच की अवधि में उत्पादन सर्वोत्तम क्षमता उपयोग पर विचार करके परिकलित किया गया है और वही उत्पादन प्रति यूनिट निर्धारित लागत निकालने के लिए माना गया है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि कोई असाधारण अथवा अनावर्ती व्यय उत्पादन लागत में न लगाए जाएं। विचाराधीन उत्पाद के लिए नियोजित औसत पूंजी (अर्थात् औसत निवल अचल परिसंपत्तियां एवं औसत कार्यशील पूंजी) पर उपयुक्त आय (कर पूर्व 22 प्रतिशत की दर से) अनुबंध-3 में निर्धारित किए गए अनुसार क्षति रहित कीमत निकालने के लिए व्याज, कारपोरेट कर तथा लाभ की वसूली के लिए अनुमति दी गई थी और प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांचों में निरंतर अपनाई जा रही है। इस प्रकार निर्धारित क्षति रहित कीमत की तुलना क्षति मार्जिन निर्धारित करने के लिए संबद्ध देशों से उसी स्तर पर संबंधित उत्पाद के आयातों की पहुँच कीमतों के साथ की गई है। क्षति मार्जिन का परिकलन ग्रेड-वार (अर्थात् जीपीपीएस और एचआईपीएस

के लिए अलग-अलग) और उसी के भारित औसत (प्रत्येक सहयोगी उत्पादक/निर्यातक से संबंधित निर्यात मात्राओं अथवा दोनों ग्रेडों के प्रत्येक देश से उन मात्राओं पर विचार करके) की गई है और यह निम्नलिखित है:

देश	उत्पादक	पॉलीस्ट्रीन का ग्रेड	भारत को निर्यात	क्षति रहित कीमत	पहुँच मूल्य	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन %
			मी. टन	अमेरिकी डॉलर/मी. टन	अमेरिकी डॉलर/मी. टन	अमेरिकी डॉलर/मी. टन	और रेंज %
ईरान	तख्त-ए-जमशिद पार्स अस्सालोएक पेट्रोकेमिकल कंपनी	जीपीपीएस	***	***	***	***	***
		एचआईपीएस	—	—	—	—	—
		भारित औसत	***	***	***	***	***
		रेंज %					0 - 20
	अन्य उत्पादक और निर्यातक	जीपीपीएस	-	-	-	-	-
		एचआईपीएस	***	***	***	***	***
		भारित औसत	***	***	***	***	***
		रेंज %					20 - 40
चीनी तैपई	फोरमोसा केमिकल्स एंड फाइबर कारपो.	जीपीपीएस	***	***	***	***	***
		एचआईपीएस	***	***	***	***	***
		भारित औसत	***	***	***	***	***
		रेंज %					0 - 20
	अन्य उत्पादक और निर्यातक	जीपीपीएस	***	***	***	***	***
		एचआईपीएस	***	***	***	***	***
		भारित औसत	***	***	***	***	***
		रेंज %					20 - 40
संयुक्त अरब अमीरात	सभी उत्पादक और निर्यातक	जीपीपीएस	***	***	***	***	***
		एचआईपीएस	***	***	***	***	***
		भारित औसत	***	***	***	***	***
		रेंज %					0 - 20
मलेशिया	सभी उत्पादक और निर्यातक	जीपीपीएस	***	***	***	***	***
		एचआईपीएस	***	***	***	***	***
		भारित औसत	***	***	***	***	***
		रेंज %					0 - 20

देश	उत्पादक	पॉलीस्ट्रीन का ग्रेड	भारत को निर्यात	क्षति रहित कीमत	पहुँच मूल्य	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन %
सिंगापुर	सभी उत्पादक और निर्यातक	जीपीपीएस	***	***	***	***	***
		एचआईपीएस	***	***	***	***	***
		भारित औसत	***	***	***	***	***
		रेंज %					0 - 20
संयुक्त राज्य अमेरिका	सभी उत्पादक और निर्यातक	जीपीपीएस	***	***	***	***	***
		एचआईपीएस	***	***	***	***	***
		भारित औसत	***	***	***	***	***
		रेंज %					40 - 60

## छ.5 गैर-आरोपण विश्लेषण

97. नियमावली के अनुसार, प्राधिकारी के लिए अन्य बातों के साथ-साथ पाटित आयातों को छोड़कर किसी अन्य कारक की जांच करना अपेक्षित है जो साथ-साथ घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा रहे हैं और इन अन्य कारकों के कारण क्षति पाटित आयातों के कारण नहीं होनी चाहिए। इस संबंध में, जो कारक संगत हो सकते हैं, उनमें अन्य बातों के साथ-साथ पाटित कीमतों पर न बेचे गए आयातों की मात्रा तथा कीमतें, मांग में संकुचन, खपत के पैटर्न में परिवर्तन, व्यापार प्रतिबंधात्मक परिपाटियाँ, विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्द्धा, प्रौद्योगिकी में विकास तथा निर्यात निष्पादन और घरेलू उद्योग की उत्पादकता शामिल हैं। नीचे यह जांच की गई है कि क्या पाटित आयातों को छोड़कर किन्हीं अन्य ज्ञात कारकों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है।

### i. तीसरे देशों से आयातों की मात्रा और कीमत

98. संबद्ध देशों को छोड़कर अन्य देशों से आयात मात्रात्मक दृष्टि से इतने अधिक नहीं हैं कि वे घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा सकें या क्षति पहुँचाने का खतरा पैदा कर सकें। यह नोट किया जाता है कि अन्य देशों से आयात जांच की अवधि के दौरान मात्रा में नगण्य हैं। इस प्रकार, यह नहीं कहा जा सकता कि अन्य देशों से आयात घरेलू उद्योग को यह क्षति पहुँचा रहे हैं।

### ii. निर्यात निष्पादन

99. यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी द्वारा जांच की गई घरेलू उद्योग की क्षति संबंधी सूचना उस सीमा तक अलग की जा सकती है जहां तक उसके घरेलू प्रचालनों के लिए ही है। अतः निर्यातों की मात्रा अथवा कीमत में किसी संभावित गिरावट से घरेलू उद्योग को यह क्षति नहीं हो सकती।

### iii. प्रौद्योगिकी में विकास

100. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने प्रौद्योगिकी में काफी परिवर्तन दर्शाने के लिए कोई ऐसा विश्वसनीय साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है कि जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती हो। यह भी नोट किया जाता है कि संबंधित उत्पाद के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी में कोई वास्तविक परिवर्तन नहीं हुआ है। अतः प्रौद्योगिकी में विकास घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचाने वाला कारक नहीं हो सकता।

### iv. कंपनी के अन्य उत्पादों का निष्पादन

101. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के विचाराधीन उत्पाद के संबंध में भी क्षति संबंधी सूचना पर विचार किया है। अतः घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित किए जा रहे और बेचे जा रहे अन्य उत्पादों के निष्पादन के प्रभाव को क्षति विश्लेषण से अलग कर दिया है। अतः घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित किए जा रहे और बेचे जा रहे अन्य उत्पादों का निष्पादन घरेलू उद्योग को इस प्रकार क्षति का संभावित कारण प्रतीत नहीं होता।

**v. व्यापार प्रतिबंधात्मक परिपाटियां और विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा**

102. संबद्ध सामानों का आयात किसी भी तरीके से प्रतिबंधित नहीं है और उनका देश में स्वतंत्र रूप से आयात किया जा सकता है। यह बताने के लिए किसी भी हितबद्ध पक्षकार द्वारा कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है कि विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा की शर्तों में कोई वास्तविक/महत्वपूर्ण परिवर्तन हुआ है। अतः, यह घरेलू उद्योग को इस प्रकार क्षति पहुँचाने का संभावित कारण प्रतीत नहीं होता।

**vi. घरेलू उद्योग की उत्पादकता**

103. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता की कुल मिलाकर उसी स्तर पर समान रही है और इसीलिए यह घरेलू उद्योग को इस प्रकार क्षति पहुँचाने का कारण संभावित कारण प्रतीत नहीं होता।

**vii. मांग में संकुचन और खपत के पैटर्न में परिवर्तन**

104. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध सामानों की मांग क्षति की अवधि के आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में कम नहीं हुई है। इस प्रकार, यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि घरेलू उद्योग को क्षति मांग में संकुचन के कारण नहीं हो सकती।

**छ.7 क्षति और कारणात्मक संपर्क के संबंध में प्राधिकारी द्वारा निष्कर्ष**

105. इस प्रकार यह नोट किया जाता है कि सूचीबद्ध अन्य ज्ञात कारक यह नहीं दर्शाते कि घरेलू उद्योग को इन अन्य कारकों के कारण क्षति हो सकती है। प्राधिकारी ने यह जांच की कि क्या उत्पाद के पाटन से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

- क. संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के आयात पूर्ण दृष्टि से और क्षति की पूरी अवधि में भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में बड़े हैं।
- ख. संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के पाटित आयातों में घरेलू उद्योग का काफी बाजार हिस्सा दिया है। वस्तुतः कुल मांग में घरेलू उद्योग का हिस्सा संबद्ध देशों से पाटित आयातों के बाजार हिस्से में 75 प्रतिशत वृद्धि के कारण 2015-16 से जांच की अवधि तक निरंतर कम हुआ है।
- ग. संबद्ध सामानों के लिए घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत क्षति जांच अवधि के दौरान बढ़ी है, परंतु संबद्ध सामानों की बिक्री कीमत संबद्ध सामानों की बिक्री लागत की वृद्धि के अनुपात में नहीं बढ़ी है। इस प्रकार, घरेलू उद्योग संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों की कम आयात कीमतों के कारण कीमत न्यूनीकरण झेल रहा है।
- घ. संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों से आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों की कटौती करते रहे हैं। परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग अपनी कीमतें कम करने के लिए मजबूर हुआ है। घरेलू उद्योग को हुआ कीमत न्यूनीकरण प्राथमिक रूप से देश में उत्पाद के पाटन के कारण है।
- ङ. संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में काफी वृद्धि के साथ कीमत न्यूनीकरण और कीमत कटौती के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के लाभ, नकद प्रवाह और निवेश पर आय में काफी ह्रास हुआ है।

106. अतः, प्राधिकारी निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति हुई है।

**ज. प्रकटन पश्चात अनुरोध****ज.1. प्रकटन विवरण के बाद घरेलू उद्योग के विचार**

107. प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र, घरेलू उद्योग के आधार, पाटन विश्लेषण के संबंध में प्रकटन विवरण में किए गए अपने प्रस्ताव तथा अंतिम जांच परिणाम में क्षति विश्लेषण की पुष्टि करें।
108. पर्याप्त साक्ष्य सहित विचाराधीन उत्पाद के कतिपय रूपों/किस्मों को हटाने के दावों को सिद्ध करने का दायित्व उसे हटाने का दावा करने वाले पक्षकार का होता है। विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से वांछित इन निकाली जाने वाले किस्मों के विस्तृत तकनीकी मानदंड वाला ऐसा कोई विश्वसनीय और वास्तविक साक्ष्य किसी भी हितबद्ध पक्षकार द्वारा नहीं रखा गया है जिससे प्राधिकारी को उस निष्कर्ष पर पहुँचने में सहायता मिले कि उपर्युक्त विचाराधीन उत्पाद के "रूप/प्रकार" समान वस्तु नहीं है और तकनीकी तथा वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय



नहीं हैं। इसके अतिरिक्त, संबद्ध जांच में विचाराधीन उत्पाद के विभिन्न रूप और आकार में तकनीकी गुणधर्मों या उत्पाद के अंतिम प्रयोग में कोई अंतर नहीं है।

109. संबद्ध सामानों की उनकी बिक्री के संबंध में एफसीएफसी का उनके संबद्ध पक्षकार के साथ पत्राचार घरेलू उद्योग को उपलब्ध कराया जाना चाहिए। किसी भी स्थिति में संबद्ध पक्षकार से उत्तर के अभाव में एफसीएफसी का उत्तर रद्द किया जाना चाहिए।

## ज.11. उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध

110. प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन का परिकलन करते समय उनके विरुद्ध प्रतिकूल तथ्यों का प्रयोग किया है जो कि अत्यधिक अनुचित और गैर-कानूनी है। यह भी अनुरोध किया जाता है कि केवल कुछ असंबद्ध पक्षकारों ने इस जांच में उत्तर दिया है जिन पर न तो किसी संबद्ध व्यापारी और न ही ईरान से किसी उत्पादक का कोई नियंत्रण है। अतः उपर्युक्त संदर्भ में प्रतिकूल तथ्यों का प्रयोग सहयोगी पक्षकारों को उनका कोई दोष न होने पर दंडित करना होगा।
111. मैसर्स गोल्डन इंटरनेशनल एफजेडई और टीजेपीएपीसी के लिए प्राधिकारी द्वारा माने गए प्रतिकूल तथ्य प्रकट नहीं किए गए हैं। यह भी अनुरोध किया जाता है कि इस प्रकार की सूचना से इंकार करना इस दृष्टिकोण की उपयुक्तता के संबंध में टिप्पणी करने का अवसर समाप्त करता है। उन्होंने प्राधिकारी से अनुरोध किया कि वे प्रतिकूल तथ्यों को अपनाने के इस पहलू पर पुनः विचार करें।
112. याचिका का अगोपनीय रूपांतर व्यापार सूचना द्वारा निर्धारित स्वरूप और तरीके में नहीं था। यह भी अनुरोध किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने याचिका के अगोपनीय रूपांतर में प्रपत्र-एच उपलब्ध नहीं कराया है।
113. निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा समय विस्तार प्रदान न करने में विफलता सहयोगी आयातकों द्वारा जांच में रक्षा के अधिकार का गंभीर पूर्वाग्रह है। उन्होंने यह भी अनुरोध किया है कि जांच प्रक्रिया में प्राधिकारी द्वारा निर्धारित अनिवार्य तथ्यों का उत्तर देने के लिए प्रकटन विवरण पक्षकारों को उपलब्ध प्रथम तथा एकमात्र अवसर होता है। अतः जांच प्रक्रिया में यह महत्वपूर्ण चरण है और हितबद्ध पक्षकारों को उपयुक्त अवसर प्रदान करने में विफलता प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों और उचित व्यवहार का उल्लंघन ही नहीं है बल्कि सांविधिक प्रावधानों के विरुद्ध भी है।
114. मैसर्स एलजी पॉलीमर्स इंडिया लि. (एलजी पॉलीमर्स), जो भारत में मांग का लगभग 1/3 की पूर्ति करता है, ने एक दुर्घटना के कारण अपने प्रचालन बंद कर दिये हैं जिसने भारत में उपलब्ध उत्पाद की आपूर्ति काफी कम कर दी है। याचिकाओं में मशीनों की रेटेड क्षमता दी गई है, तथापि वास्तविक उत्पादन क्षमता काफी कम है क्योंकि मशीनें रेटेड क्षमता के 80 प्रतिशत से अधिक प्रचालित नहीं हो सकतीं। इसके मद्देनजर, आयातकों ने प्राधिकारी से अनुरोध किया है कि वे संबद्ध सामानों पर कोई शुल्क न लगाएं। इन प्रयोक्ताओं ने यह भी अनुरोध किया है कि पॉलीस्ट्रीन में शीटों की 75 प्रतिशत से अधिक लागत होती है और इसीलिए शीटों की लागत पर पाटनरोधी शुल्क का प्रभाव काफी होगा। वे पॉलीस्ट्रीन और अन्य निचले स्तर के उत्पादों पर शुल्क लगाए जाने की स्थिति में शीटों के काफी आयात की उम्मीद करते हैं।
115. प्राधिकारी ने एमएफआई-3 से कम मेल्ट फ्लो इंडेक्स को अलग न करके उत्पाद क्षेत्र को गलत परिभाषित किया है। इसके अतिरिक्त, यह दर्शाने के लिए रिकार्ड में कोई साक्ष्य नहीं है कि घरेलू उद्योग एमएफआई-3 से कम के संबद्ध सामानों का उत्पादन कर रहा है। यह बात दोहराई गई है कि उत्पाद क्षेत्र और स्पष्ट है तथा समुचित रूप से परिभाषित नहीं किया गया है।
116. प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन गलत निर्धारित किया है क्योंकि प्राधिकारी ने संबद्ध सामानों के क्षेत्र से लम्प और अन्य रूपों को अलग नहीं किया है। कुछ आयातकों ने प्रकटन विवरण में प्रकट की गई पाटन मार्जिन रेंज के संबंध में आपत्ति उठाई है क्योंकि वह उससे अधिक है जिसका अपने आवेदन पत्र में घरेलू उद्योग द्वारा दावा किया गया है। यह भी तर्क दिया गया है कि डीजीटीआर उससे अधिक संरक्षण कैसे दे सकता है जिसका कि याचिका में दावा किया गया है।
117. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों को विश्व व्यापार एटलस (डब्ल्यूटीए) आंकड़े प्रकट नहीं किए हैं। चूंकि सामान्य मूल्य डब्ल्यूटीए आंकड़ों पर आधारित है, अतः वे हितबद्ध पक्षकारों को उनकी टिप्पणियों के लिए प्रकट किए जाने चाहिए थे। यह भी अनुरोध किया जाता है कि प्रकटन विवरण में प्राधिकारी द्वारा प्रयुक्त सामान्य मूल्य

आईसीआईएस एलओआर के सामान्य मूल्य से अधिक है जो प्रयोक्ताओं से कल्पना से परे है। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का परिकलन करते समय अत्यधिक लाभ जोड़ा है।

118. क्षति के संचयी मूल्यांकन से संबंधित मुद्दा आवश्यक नहीं है क्योंकि संयुक्त राज्य अमेरिका से आयातों का पहुँच मूल्य काफी कम है। इसके अतिरिक्त, संयुक्त राज्य अमेरिका से पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से अधिक है।
119. मलेशिया और ताइवान से आयातों का भारत में संबद्ध सामानों की मांग का नगण्य प्रतिशत है। यह भी अनुरोध किया जाता है कि कम मात्राओं के अलावा उनका पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से अधिक है। अतः इस दृष्टि से घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हो रही है।
120. घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हो रही है और यहां तक कि प्रकटन विवरण में प्राधिकारी की जांच के अनुसार घरेलू उद्योग के लाभ में स्वल्प गिरावट है। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग को क्षति और संबद्ध देशों से आयातों के बीच भी कोई कारणात्मक संपर्क नहीं है।
121. प्रमुख मैट्रिक्स पर आयातों के पहुँच मूल्य में संचलन और घरेलू उद्योग के निष्पादन के बीच स्पष्ट आंतरिक संबंध है। यह भी अनुरोध किया जाता है कि घरेलू उद्योग को जांच की अवधि के दौरान कोई क्षति नहीं हुई और इसीलिए इस मामले को रद्द किए जाने की आवश्यकता है।
122. प्राधिकारी को घरेलू उद्योग को क्षति सिद्ध करने के लिए जांच की अवधि के बाद की अवधि का भी विश्लेषण करना चाहिए। यह भी अनुरोध किया जाता है कि जांच की अवधि के बाद की अवधि में घरेलू उद्योग ने अच्छा लाभ कमाया है।
123. भारत में घरेलू उत्पादकों की प्रभावी स्थिति है और वे उत्पादक संघ में संबद्ध सामान बेचते हैं। कई बार, घरेलू उत्पादक संबद्ध सामानों की आपूर्ति प्रतिबंधित कर देते हैं। तथापि, प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण में इन अनुरोधों को नहीं लिया है।

### ज.III. प्रकटन पश्चात टिप्पणियों के संबंध में प्राधिकारी द्वारा जांच

124. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पक्षकारों द्वारा किए गए अधिकतर अनुरोध प्रकृति में पुनरावृत्ति के हैं और उनकी जांच कर दी गई है तथा प्रकटन विवरण में और वर्तमान जांच परिणाम के आगामी भागों में उन्हें हल कर दिया गया है। उपर्युक्त जांच परिणाम घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के उन सभी तर्कों से संबंधित है। तथापि, प्राधिकारी ने संगत सीमा तक इन अनुरोधों की तथा अन्यत्र हल न किए गए अनुरोधों की निम्नलिखित रूप में जांच की है।
125. जहां तक क्षति मानदंडों का संबंध है, प्राधिकारी ने क्षति और कारणात्मक संपर्क का मूल्यांकन तथा जांच करते समय संबंधित शीर्षों के तहत विश्लेषण किया है।
126. हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों के संबंध में कि प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण पर टिप्पणियां देने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया है, यह नोट किया जाता है कि प्रकटन 25 अप्रैल, 2020 तक टिप्पणियां देने के लिए अनुरोध करते हुए 06 अप्रैल, 2020 को जारी किया गया था। तथापि, कोविड-19 के कारण लॉकडाउन से विद्यमान कठिनाईयों को मानते हुए प्राधिकारी ने उन पक्षकारों को प्रकटन विवरण पर टिप्पणियां देने के लिए 1 जून तक का समय-समय पर विभिन्न समय विस्तार प्रदान किए जिन्होंने समय विस्तार के लिए अनुरोध किया था। वस्तुतः समय विस्तार का अनुरोध इस तथ्य के बावजूद दोनों आयातकों के लिए मंजूर किया गया था कि अन्य सभी हितबद्ध पक्षकारों ने 25 अप्रैल, 2020 तक अपनी टिप्पणियां दे दी थीं। इसके अतिरिक्त, यह भी नोट किया जाता है कि पाटनरोधी जांच एक समयबद्ध जांच है और इसमें विभिन्न मुद्दों की जांच अपेक्षित होती है जो कि एक समय लगने वाला कार्य है। इस तथ्य के बावजूद कि कोविड-19 की स्थिति में लॉकडाउन के कारण हितबद्ध पक्षकारों के सामने आई कठिनाई के मद्देनजर, टिप्पणियां करने के लिए सभी अनुरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों को पर्याप्त समय दिया गया था। तदनुसार, प्राधिकारी ने सुनिश्चित किया कि इस निमित्त किसी भी पक्षकार के प्रति कोई पूर्वाग्रह न हो।
127. जहां तक उस औद्योगिक दुर्घटना के मुद्दे का संबंध है, जो एलजी पॉलीमर्स में हुई, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह घटना जांच की अवधि के काफी बाद हुई है और इन जांचों के परिणाम पर उसका कोई प्रभाव नहीं है क्योंकि प्राधिकारी के लिए केवल जांच की अवधि से संबंधित तथ्यों तथा निष्पादन/क्षति मानदंडों का विश्लेषण करना अपेक्षित है। इसीलिए किसी भी दशा में आवेदक घरेलू उत्पादकों में भारतीय मांग को पूरा करने के लिए

पर्याप्त अनुपयुक्त क्षमता एवं मालसूची है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि उनके 80 प्रतिशत से 85 प्रतिशत तक का क्षमता उपयोग पर भी वे वर्तमान भारतीय मांग को पर्याप्त रूप से पूरा कर सकते हैं। प्राधिकारी दोहराते हैं कि आयातक/प्रयोक्ता किसी भी देश के उचित कीमत पर संबद्ध सामानों का आयात करने के लिए स्वतंत्र हैं क्योंकि पाटनरोधी शुल्कों का प्रयोजन आयात प्रतिबंधित करना नहीं है बल्कि भारतीय बाजार में उचित कीमतों पर एक उचित व्यापारिक क्षेत्र सृजित करना है।

128. जहां तक 3 एमएफआई से कम मेल्ट फ्लो इंडेक्स वाले और संबद्ध सामानों के विभिन्न आकारों के संबद्ध सामानों को हटाने के तर्क का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने सूचना के सत्यापन के दौरान 3 एमएफआई से कम मेल्ट फ्लो इंडेक्स का उनके द्वारा विनिर्मित और बेचे गए संबद्ध सामानों के बीचक उपलब्ध कराए हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अलग-अलग आकार होने से उत्पाद भिन्न नहीं हो जाते क्योंकि आकार को ध्यान में न रखते हुए उत्पाद का अंतिम प्रयोग अंततः समान है। घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि एमएफआई सहित उत्पाद से संबंधित तकनीकी सूचना उनकी वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। इसके विपरीत, यह नोट किया जाता है कि विरोधी हितबद्ध पक्षकार इसे हटाने के उनके तर्क को सिद्ध करने के लिए और विभिन्न आकारों के कारण संबद्ध सामानों में अंतर सिद्ध करने के लिए साक्ष्य देने में विफल रहे। इसके मद्देनजर, प्राधिकारी प्रकटन विवरण में उल्लिखित उत्पाद क्षेत्र की पुष्टि करते हैं।
129. जहां तक प्रकटन विवरण में सामान्य मूल्य, पाटन मार्जिन के गलत परिकलन और डब्ल्यूटीए आंकड़े प्रकट न करने के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के तर्क का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने उन संबद्ध देशों के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन करने के लिए प्रमुख कच्ची सामग्री अर्थात् स्टेयरीन मोनोमर की कीमत सिद्ध करने के लिए डब्ल्यूटीए आंकड़ों का प्रयोग किया है जहां से किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने जांच में भाग नहीं लिया है। यह भी नोट किया जाता है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में स्टेयरीन मोनोमर की कम कीमतों के संबंध में प्राधिकारी की टिप्पणी भी अन्य देशों की तुलना में डब्ल्यूटीए आंकड़ों की कीमत तुलना पर आधारित थी। यह भी नोट किया जाता है कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने इस संदर्भ में प्राधिकारी की सहायता नहीं की है और इसीलिए प्राधिकारी को नियम 6(8) के अनुसार कार्रवाई करनी है। हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क के संबंध में कि प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा अपने आवेदन पत्र में दावा किए गए पाटन मार्जिन की तुलना में पाटन मार्जिन गलत बढ़ाया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी ने अंतिम जांच परिणाम में जांच प्रक्रिया के दौरान सहयोगी निर्यातकों और घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराई गई सत्यापित सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन निकाला है। प्राधिकारी के लिए सही पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन का मूल्यांकन करना अपेक्षित है न कि आवेदन पत्र में किए गए दावे के अनुसार खुद ही प्रतिबंधित करना।
130. जहां तक देश में मांग की तुलना में मलेशिया और ताइवान से आयातों के कम हिस्से के मुद्दे का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी के लिए भारत में कुल आयातों के संबंध में संबद्ध देशों से आयातों की प्रतिशतता की जांच करना अपेक्षित है न कि मांग की। इसके अतिरिक्त, क्षति एवं कारणात्मक संपर्क से संबंधित मुद्दों को अंतिम जांच परिणाम के संगत भाग में उपयुक्त रूप से लिया गया है।
131. जहां तक निर्यातकों के इस अनुरोध का संबंध है कि प्राधिकारी अपने पाटन मार्जिन का परिकलन करते समय प्रतिकूल तथ्यों का प्रयोग नहीं कर सकते तथा उन प्रतिकूल तथ्यों को प्रकट न करने के उस दृष्टिकोण की उपयुक्तता पर टिप्पणी करने का उनका अवसर समाप्त हो जाता है, प्राधिकारी इस संबंध में निम्नलिखित प्रावधान नोट करते हैं:

(क) नियमावली के नियम 6(8) में निम्नलिखित प्रावधान है:

*ऐसे मामले में, जहां कोई हितबद्ध पक्षकार उसकी पहुँच आवश्यक सूचना तक न होने अथवा एक पर्याप्त अवधि के भीतर आवश्यक सूचना उपलब्ध न कराए अथवा जांच में काफी अड़चन डाले, वहां निर्दिष्ट प्राधिकारी उसके पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम रिकार्ड कर सकता है और केंद्र सरकार को ऐसी सिफारिश कर सकता है जो उन परिस्थितियों में उपयुक्त हो।*

(ख) पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 6.8 के अनुसरण में अनुबंध-2 के पैरा 7 में निम्नलिखित उल्लिखित है:

"..... तथापि, यह स्पष्ट है, यदि कोई हितबद्ध पक्षकार सहयोग नहीं करता, तथा इस प्रकार संगत सूचना प्राधिकारियों से रोकी जा रही है, तो ऐसी स्थिति वह परिणाम हो सकता है जो पक्षकार के लिए उससे कम अनुकूल होता है यदि पक्षकार ने सहयोग किया होता।"

132. निर्यात मात्रा के उस भाग के लिए जिसके लिए अपेक्षित सूचना वाले प्रतिक्रियाओं की पूर्ण श्रृंखला प्राधिकारी को उपलब्ध नहीं कराई गई है, ऐसे उत्पादकों/निर्यातकों के लिए व्यक्तिगत डंपिंग मार्जिन की गणना उपरोक्त प्रावधानों पर विचार करते हुए की गई है।
133. जहां तक आयातकों के इस अनुरोध का संबंध है कि भारतीय बाजार में उत्पादक संघ है और घरेलू उत्पादक संबद्ध सामानों की आपूर्ति प्रतिबंधित करते हैं क्योंकि वे प्रभावी स्थिति में होते हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस दावे के समर्थन में न तो रिकार्ड में इस संबंध में कोई साक्ष्य रखा गया है और न ही प्राधिकारी ने जांच प्रक्रिया के दौरान उसका कोई साक्ष्य पाया।
134. जहां तक घरेलू उद्योग द्वारा व्यापार सूचना के अनुसार अपने आवेदन पत्र के अगोपनीय रूपांतर में प्रपत्र-एच प्रस्तुत न करने के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि प्रपत्र-एच प्राधिकारी द्वारा शुरू किया गया नये लागत संबंधी प्रपत्र का भाग है और इसीलिए, प्रकृति में गोपनीय है।

#### झ. भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे

135. प्राधिकारी मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से भारत में उत्पाद के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं। तथापि, भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्द्धा पाटनरोधी उपाय लगाए जाने से कम नहीं होगी। इसके विपरीत, पाटनरोधी उपाय लगाए जाने से पाटन की परिपाटियों द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग की गिरावट रुकेगी और संबद्ध सामानों के ग्राहकों को व्यापक विकल्प की उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिलेगी।
136. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से किसी भी दशा में संबद्ध देशों से आयात प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसीलिए अंतिम प्रयोक्ता को उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी। अंतिम प्रयोक्ता अब भी आपूर्ति के दो या यहां तक कि उससे अधिक स्रोत बनाए रख सकता है। पाटनरोधी शुल्क का प्रयोजन सामान्य रूप में पाटन की अनुचित व्यापारिक परिपाटियों द्वारा घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली और उचित प्रतिस्पर्द्धा की स्थिति पुनः स्थापित की जा सके जो कि देश के सामान्य हित में है। अतः पाटनरोधी शुल्क लगाने से ग्राहकों को संबद्ध सामानों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

#### ञ. निष्कर्ष

137. उठाए गए तर्कों, दी गई सूचना और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों तथा इन अंतिम जांच परिणामों में रिकार्ड किए गए अनुसार प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए और उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:

- क. विचाराधीन उत्पाद का संबद्ध देशों से भारत को निर्यात उसके संबद्ध सामान्य मूल्य से कम पर किया गया है, जिससे इस प्रकार पाटन हो रहा है।
- ख. घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के पाटन के कारण वास्तविक क्षति हुई है।
- ग. वास्तविक क्षति संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हुई है।

#### ट. सिफारिश

138. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत की गई थी और सभी हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित की गई थी तथा निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संपर्क के पहलू पर सकारात्मक सूचना प्रदान करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। नियमावली में उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार, पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संपर्क के बारे में जांच शुरू करने और जांच करने पर तथा इन पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुए सकारात्मक पाटन मार्जिन तथा वास्तविक क्षति सिद्ध होने पर प्राधिकारी का यह मत है कि पाटन और क्षति को दूर करने के लिए निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने की आवश्यकता है। अतः प्राधिकारी नीचे वर्णित एवं तरीके में संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना आवश्यक समझते हैं एवं उसकी सिफारिश करते हैं।

139. नियमावली के नियम 17 (1) (बी) को नियम 4 (डी) के साथ पढ़े जाने पर, निहित प्रावधान के अनुसार, प्राधिकारी घरेलू उद्योग को क्षति समाप्त करने के लिए पाटन मार्जिन एवं क्षति मार्जिन से कमतर के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं। तदनुसार, केंद्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध सामानों के सभी आयातों पर नीचे दी गई शुल्क तालिका के कॉलम 7 में उल्लिखित राशि के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने की सिफारिश करते हैं।

### शुल्क तालिका

क्रम सं.	शीर्ष/उप-शीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	निर्यात का देश	उत्पादक	शुल्क राशि	मुद्रा	यूनिट
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	3903*	विस्तारयोग्य पॉलीस्ट्रीन को छोड़कर सभी प्रकार के पॉलीस्ट्रीन	ईरान	ईरान सहित कोई देश	तख्त-ए-जमशिद पार्स अस्सालॉएक पेट्रोकेमिकल कंपनी	183	अमेरिकी डॉलर	मी. टन
2.	-वही-	-वही-	ईरान	ईरान सहित कोई देश	क्रम सं. 1 के अलावा कोई उत्पादक	309	अमेरिकी डॉलर	मी. टन
3.	-वही-	-वही-	संबद्ध देशों के अलावा कोई देश**	ईरान	कोई अन्य	309	अमेरिकी डॉलर	मी. टन
4.	-वही-	-वही-	चीनी ताइपेई	चीनी ताइपेई सहित कोई देश	फोरमोसा केमिकल्स एंड फाइबर कारपो.	39	अमेरिकी डॉलर	मी. टन
5.	-वही-	-वही-	चीनी ताइपेई	चीनी ताइपेई सहित कोई देश	क्रम सं. 4 के अलावा कोई उत्पादक	296	अमेरिकी डॉलर	मी. टन
6.	-वही-	-वही-	संबद्ध देशों के अलावा कोई देश**	चीनी ताइपेई	कोई अन्य	296	अमेरिकी डॉलर	मी. टन
7.	-वही-	-वही-	संयुक्त अरब अमीरात	संयुक्त अरब अमीरात सहित कोई देश	कोई अन्य	78	अमेरिकी डॉलर	मी. टन
8.	-वही-	-वही-	संबद्ध देशों के अलावा कोई देश**	संयुक्त अरब अमीरात	कोई अन्य	78	अमेरिकी डॉलर	मी. टन
9.	-वही-	-वही-	संयुक्त राज्य अमेरिका	संयुक्त राज्य अमेरिका सहित कोई देश	कोई अन्य	474	अमेरिकी डॉलर	मी. टन
10.	-वही-	-वही-	संबद्ध देशों के अलावा कोई देश**	संयुक्त राज्य अमेरिका	कोई अन्य	474	अमेरिकी डॉलर	मी. टन

क्रम सं.	शीर्ष/उप-शीर्ष	वस्तुओं विवरण	का	मूल देश	निर्यात का देश	उत्पादक	शुल्क राशि	मुद्रा	यूनिट
1	2	3	4	5	6	7	8	9	
11.	-वही-	-वही-		मलेशिया	मलेशिया सहित कोई देश	कोई अन्य	54	अमेरिकी डॉलर	मी. टन
12.	-वही-	-वही-		संबद्ध देशों के अलावा कोई देश**	मलेशिया	कोई अन्य	54	अमेरिकी डॉलर	मी. टन
13.	-वही-	-वही-		सिंगापुर	सिंगापुर सहित कोई देश	कोई अन्य	35	अमेरिकी डॉलर	मी. टन
14.	-वही-	-वही-		संबद्ध देशों के अलावा कोई देश**	सिंगापुर	कोई अन्य	35	अमेरिकी डॉलर	मी. टन

\* सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और शुल्क का निर्धारण विचाराधीन उत्पाद के विवरण के अनुसार किया जाएगा। ऊपर उल्लिखित विचाराधीन उत्पाद उस समय भी उपर्युक्त पाटनरोधी शुल्क के अधीन होना चाहिए जब उसका आयात किसी अन्य एचएस कोड के तहत भी किया जाए।

\*\* संबद्ध देश ईरान, मलेशिया, सिंगापुर, चीनी ताइपेई, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) हैं।

#### ठ. आगे की प्रक्रिया

140. इस सिफारिश के कारण केंद्र सरकार के आदेशों के विरुद्ध कोई अपील अधिनियम के संगत प्रावधानों के अनुसार सीमा शुल्क उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय अधिकरण के समक्ष की जाएगी।

भूपिन्दर एस. भल्ला, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

### MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 12th June 2020

**CASE No. (OD) 08/2019**

#### FINAL FINDINGS

**Subject:** Anti-dumping duty investigation concerning imports of Polystyrene from Iran, Malaysia, Singapore, Chinese Taipei, UAE and USA – Final Findings.

#### F. No. 6/10/2019-DGTR.— A. BACKGROUND

Having regard to the Customs Tariff Act 1975, as amended from time to time (hereinafter also referred to as 'the Act') and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules 1995, as amended from time to time (hereinafter also referred to as 'the Rules') thereof;

1. M/s Ineos Styrolution India Limited (ISIL) and Supreme Petrochem Limited (SPL), (hereinafter also referred to as Applicants) have filed an application before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the "Authority") in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the "Act") and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of injury) Rules, 1995 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the "Rules") for imposition of Anti-dumping duty on imports of "Polystyrene

of all types except expandable Polystyrene" (hereinafter also referred to as the "subject goods" or PUC) from Iran, Malaysia, Singapore, Chinese Taipei, United Arab Emirates (UAE) and United States of America (USA) (hereinafter also referred to as the "subject countries").

2. The Authority, on the basis of prima facie evidence submitted by the applicant, issued a Notification No. 6/10/2019-DGTR dated 10<sup>th</sup> July, 2019, published in the Gazette of India, initiating the subject investigation in accordance with Rule 5 of the above Rules to determine existence, degree and effect of the alleged dumping of the subject goods, originating in or exported from subject countries, and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the alleged injury to the domestic industry.

## **B. PROCEDURE**

3. The procedure described herein below has been followed by the Authority with regard to the subject investigation:
  - i. The Authority, under the above Rules, received a written application from the Applicants on behalf of the Domestic Industry, alleging dumping of 'Polystyrene of all types except expandable Polystyrene' from the subject countries.
  - ii. The Authority notified the Government of the subject countries, through its embassies in India about the receipt of the anti-dumping application before proceeding to initiate the investigations in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra.
  - iii. The Authority issued a notification dated 10<sup>th</sup> July, 2019 published in the Gazette of India Extraordinary, initiating an anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods from subject countries.
  - iv. A copy of the public notice was forwarded by the Authority to all known exporters of the subject goods, the Governments of the subject countries through their embassies in India, and other interested parties about the initiation of the subject investigation in accordance with Rule 6(2) of the Rules.
  - v. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters, and to the Government of the subject countries, through its embassies and to other interested parties who made a request therefore in writing in accordance with Rule 6(3) of the Rules supra. A copy of the non-confidential version of the application was also made available in the public file and provided to other interested parties, wherever requested.
  - vi. The Authority forwarded a copy of the public notice initiating anti-dumping investigation to the known producers / exporters in the subject countries, and other interested parties and provided them an opportunity to file response to questionnaire in the form and manner prescribed within time limit as prescribed in the initiation notification or extended time limit, and make their views known in writing in accordance with the Rule 6(4) of the Rules. The Authority sent Exporter's Questionnaire to the following known producers/exporters to elicit relevant information in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
    - a. M/s Takht-e-Jamshid Pars Assalouyeh Petrochemicals Company, Iran.
    - b. M/s Tabriz Petrochemical Co., Iran
    - c. M/s Mohebbespar Eide Goster Petrochemical, Iran
    - d. M/s Petrochemical Commercial Company, Iran
    - e. M/s M.G. Polymers FZC, UAE
    - f. M/s Total, USA
    - g. M/s America Styrenics, USA
    - h. M/s Petrochemicals (M) Sdn. Bhd., Malaysia
    - i. M/s Denka Singapore Pte. Ltd., Singapore
    - j. M/s TPSC Asia Pte. Ltd., Singapore
    - k. M/s Kaofu Chemical Corp., Chinese Taipei
    - l. M/s Taita Chemical Co. Ltd., Chinese Taipei

- vii. The Governments of the subject countries, through their embassies in India were also requested to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the known producers/exporters was also sent to the Embassy/High Commission of subject countries along with the names and addresses of the known producers/ exporters from the respective subject countries.
- viii. In response to the notification, following producers/exporters responded by filing Exporter's Questionnaire responses.
- a. Takht-e-Jamshid Pars Assalouyeh Petrochemical company, (TJPAPC), Iran
  - b. Formosa Chemicals & Fibre Corp. (FCFC), Chinese Taipei
  - c. Petrochemicals (M) SDN BHD, Malaysia
  - d. Eastern Trading International FZE, UAE
  - e. Golden International FZE, UAE
  - f. Millennium Trading (FZE), UAE
- ix. The Authority forwarded a copy of the public notice initiating anti-dumping investigation along with Importer's Questionnaire to the following known importers/users/user associations (whose names and addresses were made available to the authority) of subject goods in India and advised them to make their views known in writing within the time limit prescribed by the Authority in accordance with the Rule 6(4):
- i. 21 Century Polymers
  - ii. A Royal Touch (India) Private Limited
  - iii. Ace Extrusions Pvt. Ltd.
  - iv. Advait Enterprises
  - v. AKJ India
  - vi. B B Styro Extrusion Pvt. Ltd.
  - vii. Dream Plast India Pvt. Ltd.
  - viii. Elite Industries
  - ix. Essel Kitchenware Ltd.
  - x. Excellent Polyvinyl Pvt. Ltd.
  - xi. Formulated Polymers Ltd
  - xii. G M Polyplast Pvt. Ltd
  - xiii. G.M. Pens International Pvt Ltd
  - xiv. Gourishanker Polymers
  - xv. Growth Prospects
  - xvi. Gujarat Pickers Industries Ltd.
  - xvii. Gurukrupa Plastics
  - xviii. Isha Plast Impex Pvt. Ltd.
  - xix. Laser Shaving (I) Pvt. Ltd.
  - xx. Mainetti India Pvt. Ltd.
  - xxi. Mehta Plastic
  - xxii. MG Polyplast Industries Pvt. Ltd.
  - xxiii. Panasonic India Pvt. Ltd.
  - xxiv. Perfect Polymers
  - xxv. RKG Polyplast Pvt. Ltd.



- xxvi. Sabic Innovative Plastics India (P)
- xxvii. Samsung India Electronics Private Ltd.
- xxviii. Shri Tirupati Industries
- xxix. Sigma Plastochem Pvt. Ltd.
- xxx. Sunil Polymers
- xxxi. Supermax Personal Care Pvt. Ltd.
- xxxii. Surja Plastics
- xxxiii. Tarsons Products Pvt. Ltd.
- xxxiv. Vaibhav International Pvt. Ltd.
- xxxv. Vishesh Polyimpex Pvt. Ltd.
- xxxvi. Witteneia Multitrading Pvt. Ltd.
- x. The Authority sent Importer's Questionnaire to the following known Associations of subject goods in India for circulation & calling necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
  - a). ASSOCHAM
  - b). FICCI
  - c). CII
- xi. In response to the above, following importers/users have filed their submissions/representations in the above matter:
  - a). Growth Prospects
  - b). Gurukrupa Plastics
  - c). M G Polyplast Pvt. Ltd.
  - d). Surja Plastics
- xii. The Authority made available non-confidential versions of the evidence presented by the interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6 (7).
- xiii. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to provide the transaction-wise details of imports of subject goods for the injury period. The Authority has relied upon the DGCI&S data for computation of the volume and value of imports and required analysis after due examination of the transactions. The Authority also obtained data from DG-Systems, Central Board of Indirect Taxes and Customs (CBIC) for POI to correlate quantum of exports from specified exporters to validate the responses filed, to the extent feasible.
- xiv. The Non-injurious Price (NIP) based on the optimum cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Rules has been worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.
- xv. The period of investigation (POI) for the purpose of present investigation is from 1<sup>st</sup> January 2018 to 31<sup>st</sup> December 2018 (12 months). However, the injury investigation period covers the data of previous three years, i.e. April 2015 to March 2016, April 2016 to March 2017, April 2017 to March 2018 and the POI.
- xvi. Further information was sought from the applicants and other interested parties to the extent deemed necessary. On the spot verification of the data provided by the domestic industry and other interested parties was carried out to the extent considered necessary for the purpose of the present investigation.
- xvii. In accordance with Rule 6(6) of the Rules, the Authority also provided opportunity to all interested parties to present their views orally in a hearing held on 18<sup>th</sup> October 2019. Subsequently, another oral hearing was held on 12<sup>th</sup> December 2019 in view of the change of the Designated Authority, as per the judgment of the Hon'ble Supreme Court in the matter of Automotive Tyre Manufacturers' Association (ATMA) vs. Designated Authority, in Civil Appeal No. 949 of 2006 on 7<sup>th</sup> January 2011. All the parties who attended and presented their views in the oral hearings were requested to file written submissions of their views expressed orally. The parties were also advised to collect written submissions made by the opposing parties and were provided an opportunity to submit their rejoinders thereafter. The submissions

made by the interested parties during the course of this investigation, wherever found relevant, have been addressed by the Authority, in this disclosure statement.

- xviii. In accordance with Rule 16 of the Rules Supra, the essential facts of the investigation were disclosed to the known interested parties vide disclosure statement dated 6<sup>th</sup> April 2020, and considering the present situation due to COVID-19, sufficient time to all interested parties was granted to enable them to provide comments on the disclosure statement. Comments received thereon, considered relevant by the Authority, have been addressed in these final findings. The post-disclosure submissions, to the extent considered relevant, are being examined in these Final Findings.
- xix. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded the views/observations on the basis of the facts available.
- xx. ‘\*\*\*’ in these Final Findings represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.
- xxi. The exchange rate adopted by the Authority for the subject investigation is 1 US\$ = Rs. 69.25

### **C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE**

- 4. The product under consideration as defined in the initiation notification for the purpose of present investigation is "Polystyrene of all types except expandable Polystyrene". Polystyrene is a versatile thermoplastic polymer used to manufacture various consumer products. Polystyrene can be moulded into various shapes, can be extruded to make sheets and can be foamed. The major applications include appliances such as refrigerators and air conditioners, stationery, household articles, extruded insulation foam, electrical housings, toys and food packaging.

#### **C.1. Submissions by the Domestic Industry**

- 5. Following submissions were made by the domestic industry with regards to the product under consideration:
  - a. The product under consideration is "Polystyrene of all types except expandable Polystyrene". The subject goods are mainly available in two types, viz., General Purpose Polystyrene (GPPS) and High Impact Polystyrene (HIPS). GPPS is a clear, crystal and transparent polymer which has excellent light transmission properties, low haze and mouldability. GPPS is used for making stationery products, beads, bangles, transparent sheets for POP displays, medical apparatus, extruded foam for insulation and foam for food packaging. HIPS is rubber modified Polystyrene which is opaque having good impact strength, flexibility, gloss and environmental stress crack resistance properties.
  - b. The subject goods are mainly used for appliances such as refrigerators and air conditioners, stationery, household articles, extruded insulation foam, electrical housings, toys and food packaging. The subject products are classified under chapter 39 - "Plastics and Articles thereof". At six-digit level, the goods are classified at 390319. According to the Domestic Industry, there is no difference in the subject goods produced by them and that imported from the subject countries. The subject goods produced by the domestic industry and the subject goods imported from subject countries are comparable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, distribution and market & tariff classification of the goods.
  - c. The Domestic Industry had never intended to cover those products which are neither produced by them nor substitute their product range. The Domestic Industry has further submitted that despite specific instructions of the Designated Authority during oral hearing to all interested parties to provide technical specification of the grades which they want exclusion, none of the interested parties had provided any evidence in their written submission.
  - d. The Domestic Industry has submitted that they have defined the product under consideration in most precise manner and provided all the details. Therefore, the contention of the interested parties about product scope is incorrect.
  - e. The Domestic Industry has produced PUC having Melt Flow Index equal to or greater than 3 and viscosity below 3. Moreover, the Domestic Industry has produced all the grades of the subject goods and they are capable of producing any grade / type of the subject goods, required by the user industry.

f. The Domestic Industry has submitted that the imports of PUC in irregular shapes, lumps, and granules are like article to the PUC and therefore, cannot be excluded. Further, the customers of such imports and even end use of such imports are same and interchangeable.

g. None of the interested parties have provided any evidence relating to technical specification of the products which according to them should be excluded from the scope of the product under consideration in writing, despite specific instructions of the Designated Authority. In view thereof, the Domestic Industry has requested the Authority to reject the request of exclusions in the product scope.

### **C.2. Submissions made by the producers/exporters/other interested parties**

6. The other interested parties have made the following submissions on the product under consideration.

- a. The product definition defined by the Domestic Industry is vague and needs to be properly defined.
- b. The Domestic Industry produces/ sells polystyrene having Melt Flow Index equal to or greater than 3. However, the imports also include those having viscosity below 3. There is no like article for this import and must be excluded from the scope.
- c. The blocks of irregular shapes, lumps, granules need to be excluded as Domestic Industry is not supplying these and they are priced lower than the normal subject goods. They have further contended that because of imports of above items, imports from USA are coming at low prices.

### **C.3. Examination by the Authority**

7. The product under consideration in the present investigation as per the initiation notification is "Polystyrene of all types except expandable Polystyrene". The subject products are classified under chapter 39 "Plastics and Articles Thereof". At six-digit level, the goods are classified at 390319.
8. Polystyrene is a versatile thermoplastic polymer used to manufacture various consumer products. Polystyrene can be moulded into various shapes, can be extruded to make sheets and can be foamed. The major applications include appliances such as refrigerators and air conditioners, stationery, household articles, extruded insulation foam, electrical housings, toys and food packaging.
9. As regards exclusion of certain products from the scope of the product under consideration, it is noted that Domestic Industry has submitted invoices indicating the fact that they have produced and sold Melt Flow Index equal to or greater than 3 and products having viscosity below 3. It is further noted that none of the interested parties have provided any evidence to substantiate their request for exclusion.
10. As regards the contention of the interested parties that imports from USA are coming at low prices, it is noted that the price of the main raw material i.e., Styrene Monomer is cheaper in USA in comparison to other subject countries. Therefore, the apprehension of the interested parties about low prices import from USA has been appropriately considered in the analysis.
11. The subject goods are mainly available in two types, viz., General Purpose Polystyrene (GPPS) and High Impact Polystyrene (HIPS). GPPS is a clear, crystal and transparent polymer which has excellent light transmission properties, low haze and mouldability. GPPS is used for making stationery products, beads and bangles, transparent sheets for POP displays, medical apparatus, extruded foam for insulation and foam for food packaging. HIPS is rubber modified Polystyrene, which is opaque having good impact strength, flexibility, gloss and environmental stress crack resistance properties.
12. As regards the exclusion of certain grades, it is noted that the Domestic Industry has provided the evidence of their supply during the POI. It is further noted that none of the interested parties provided the necessary technical specifications or any other conclusive evidence for non-supply of such grades. The Domestic Industry has further submitted that they are producing and capable of producing all the grades of subject goods as per the requirements of the user industry. In view thereof, the Authority confirms that there is no merit in the claim of exclusion of the specific grades / types of the product under consideration.
13. With regard to like article, Rule 2(d) of the Rules provides as under:

*"like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;*

14. After considering the information on record, the Authority is of the view that the subject goods produced by the domestic industry are comparable to the product under consideration in terms of chemical characteristics, functions & uses, product specifications, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. Thus, the Authority is of the view that subject goods produced by the Applicants/ Domestic Industry are like article to the product under consideration imported from subject countries in accordance with the Rules. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably.
15. Thus, the Authority holds that the subject goods produced by the Domestic Industry are like article to the product under consideration imported from subject countries within the scope and meaning of Rule 2(d) of the Rules.

#### **D. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY & STANDING**

##### **D.1. Submissions by the Domestic Industry**

16. The following submissions made by the Domestic Industry are as follows:

- i. The application has been filed by M/s Ineos Styrolution India Limited (ISIL) and Supreme Petrochem Limited (SPL) for imposition of anti-dumping duty on the subject goods from the subject countries. The Applicants are major producers of the subject goods in India and, therefore, have clear standing to constitute domestic industry within the ambit of the Rules.
- ii. Applicants have not imported the subject goods from any of the subject countries during the POI. Applicants are also not related (either directly or indirectly) to any exporter or importer of product under consideration in the subject countries. Thus, the applicants are eligible Domestic Industry under Rule 2(b) of the Rules.

##### **D.2. Submissions made by the producers/exporters/other interested parties**

17. None of the other interested parties have made submissions on the standing of the Domestic Industry.

##### **D.3. Examination by the Authority**

18. Rule 2 (b) of the Rules defines Domestic Industry as under:

*“domestic industry means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof; in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers.”*

19. The application in the present case has been filed by ISIL and SPL, who are major producers of domestic like product producing and supplying commercial quantities in the domestic market. They have provided detailed information for investigation in the matter of imposition of anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries.
20. It is noted that the production of the two applicants constitutes nearly 66% of the total Indian production. Moreover, the only other Indian producer has also not opposed the investigation for imposition of anti-dumping duties on the subject imports from subject countries. The Applicants have also certified that they are neither related to exporters or importers nor they have imported the subject goods. Accordingly, the Authority holds that the Applicants have satisfied the requirement of standing under Rule 5(3) of the Rules and constitute ‘Domestic Industry’ (DI) in terms of Rule 2(b) of the Rules.

#### **E. ISSUES RELATING TO CONFIDENTIALITY**

##### **E.1. Submissions by the Domestic Industry**

21. Various submissions made by the Domestic Industry with regard to confidentiality claims of the exporters/importers and other interested parties are as follows:
  - i. In relation to the submissions of the interested parties that the Domestic Industry has not provided combined Format-H of costing formats, it is submitted by the Domestic Industry that they have provided all the formats as per existing trade notice. Moreover, non-confidential version is required to be given when such information is amenable to summarization. As regards the costing formats, it is the established

practice of the DGTR that that the costing formats are by nature confidential and the same are not amenable to summarization. Accordingly, the Trade Notice on confidentiality also does not envisage submission of non-confidential version of the costing formats.

- ii. It is also submitted by the Domestic Industry that they have provided all the information as per the relevant Trade Notice. Moreover, they have provided the non-confidential version of the combined Proforma-IV to enable other interested parties to offer their comments on the status of the Domestic Industry. Domestic Industry has further submitted that Format H is part of new costing formats and therefore by nature confidential. It is further submitted that the Domestic Industry had only claimed business sensitive information as confidential, which is in accordance to the practice of the Authority. On the contrary, none of the producers / exporters and importers had provided the proper non-confidential version of their response.
- iii. The responding exporters have failed to fulfill their obligations under the Indian law by not providing the meaningful summary of the response to exporters' questionnaire. Domestic Industry has also requested to reject the responses of the so-called cooperative exporters as they have failed to provide the information about their related party in India.

### **E.2. Submissions made by the producers/exporters/other interested parties**

22. The various submissions made by the producers / exporters / importers / other interested parties during the course of the present investigation with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are as follows:
  - i. The application suffers from excessive confidentiality. The application provides absolutely no information with respect to volume related information also.
  - ii. The Authority vide Trade Notice No 2 of 2018 dated 1<sup>st</sup> February 2018 prescribed revised and new formats for submitting injury data for the domestic applicants and it is essential for the Domestic Industry (DI) seeking anti-dumping duties to provide injury data in the said format as per the unambiguous instructions in the said trade notice. The applicants have not provided injury parameters in the prescribed Format-H combined for the domestic industry. The case ought not to have been initiated in the absence of information in prescribed Format-H and accuracy and adequacy check envisaged under Rule 8 appears to be vitiated in the present case as the case was initiated without ensuring the injury data in the prescribed Format-H for the domestic industry as whole.
  - iii. Furthermore, in proforma IV-A data pertaining to opening stock, closing stock, investments, net worth, and capital investment for expansion have not been provided.
  - iv. It is also submitted that the non-confidential version of the petition fails to meet the standards laid down in Rule-7 of the Rules and Trade Notice No 1/2013 dated December 09, 2013 issued by the Authority.
  - v. The Domestic Industry has claimed excessive confidentiality and filed an incomplete petition. In response to Section-VI (Costing information) of the petition, the domestic industry has not furnished any information at all. The domestic industry has replied to all questions raised in Part-VI of the Petition "enclosed as Annexure 12/13/14" but nothing has been provided in non-confidential version of these formats. The applicant is required to show reasonable justification for its claim but has failed to do so. Merely giving a statement that "business information and hence claimed as confidential" is not enough, they should provide an appropriate reason for claiming it confidential.

### **E.3. Examination by the Authority**

23. Various submissions made by the Applicant as well as other interested parties during the course of the investigation with regard to confidentiality, to the extent considered relevant by the Authority, have been examined and addressed as follows:
24. The Authority made available non-confidential version of the information provided by various interested parties to all interested parties through the public file containing non-confidential version of evidences submitted by various interested parties for inspection as per Rule 6(7).
25. With regard to confidentiality of information Rule 7 of the Rules provides as follows:

*"7. Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules (2), (3) and (7) of rule 6, sub-rule (2) of rule 12, sub-rule (4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided*

*to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.*

*(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarisation is not possible.*

*(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorize its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.”*

26. As regards the contentions with regard to confidentiality of information, it is noted that information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidence submitted by various interested parties in the form of public file. The information related to imports, performance parameters and injury parameters of domestic industry has been made available in the public file. Business sensitive information has been kept confidential as per practice. The Authority notes that any information which is available in the public domain cannot be treated as confidential.

## **F. NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN**

### **F.1. Normal Value**

#### **F.1.1. Submissions by the Other Interested Parties**

27. The following submissions have been made by other interested parties:

- i. Determination of normal value and dumping margin should be based on the information provided by the exporters/producers from the subject countries.
- ii. Assumptions made by the Domestic Industry regarding normal value are not acceptable as such assumption would not be representative due to factual conditions in the subject countries.
- iii. The Domestic Industry had exaggerated the deductions in the export price and same should not be used for the any calculations whatsoever.
- iv. Formosa Chemicals & Fibre Corp. has submitted that they are selling meager quantity of \*\*\*% to their related entity in Chinese Taipei, which has been captively consumed by the latter in Chinese Taipei. The related entity M/s Nan Ya Plastics Corporation has also submitted a letter stating that they have consumed the said subject goods for production of downstream engineering plastics. Therefore, there is no question of non-supply of resale price from related parties. It is further submitted by the exporter that their office in India, as claimed by the Domestic Industry has not been operational during the POI.

#### **F.1.2. Submissions by the Domestic Industry**

28. The domestic industry has made the following submissions:

- i. The Domestic Industry has proposed normal value in the subject countries on the basis of best information available with them for the purpose of the initiation. Moreover, meaningful information was also provided in the non-confidential version of the response.
- ii. The Domestic Industry has relied upon import data procured from DGCI&S for computing export price for the subject countries. Further, the data pertaining to adjustments claimed in the export price i.e., ocean freight, marine insurance, commission, inland freight expenses, port expenses and bank charges to arrive

- at ex-factory export price are fully supported by backup documents and same have been appropriately disclosed to the other interested parties.
- iii. The questionnaire responses filed by producers/exporters are grossly deficient and not filed in terms of the latest trade notice.
  - iv. Domestic Industry has also requested the Authority to scrutinize the data of importers to find the real landed value of the subject goods, as it believes that exporters from subject countries are giving post sales discounts.
  - v. The Domestic industry has requested to call for import data from Directorate General of Systems & Data Management (DG systems) to cross-check the responses made by exporters and importers. Domestic industry has also requested to reject the responses of the exporter, if the data filed by producers / exporters does not match the data received from Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S).
  - vi. No submission on behalf of Formosa Chemicals & Fiber Corp. (hereinafter referred to as FCFC) can be taken on record unless proper authorization is on record. It is further argued that FCFC has not provided the information of their related entity in India. In view thereof, the Domestic Industry has requested the Authority that the submission made on behalf of FCFC should not be taken on record. It is also requested that since the related party of FCFC involved in local sales has not participated in the investigation, therefore response of FCFC should not be accepted.
  - vii. The response of producer from Malaysia cannot be accepted, as they have filed incomplete response. Further, it is submitted that their linked exporter has not participated in the investigation. In view of incomplete responses and non-participation of their linked exporter, Domestic Industry requested for rejection of their response.

### **F.1.3. Examination by the Authority**

29. Under Section 9A(1)(c) of the Act, normal value in relation to the article means:

- (i) *the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
- (ii) *When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either*
  - (a) *Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
  - (b) *the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);*

*Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.*

30. As regards the submissions of the Domestic Industry that FCFC has not provided complete response of their related party engaged in the sale of subject goods in Chinese Taipei, it is noted that these sales are a meagre \*\*\*% of the total domestic sales and therefore, does not materially affect the normal value determination. In any case, FCFC has, in their response, submitted that their related party has used this meagre quantity for captive consumption in Chinese Taipei and therefore, there is no resale price available for these sales of such meagre quantity. It is also noted the related entity M/s Nan Ya Plastics Corporation has also confirmed that they have consumed the said subject goods for production of downstream engineering plastics.

31. As regards the submission of the Domestic Industry that FCFC has a related party office in India, it is further noted by the Authority from the available information that FCFC has no operational office in India during the POI.
32. As regards the incomplete response filed by Producer from Malaysia, it is noted that the producer from Malaysia has not filed complete response as per prescribed format even after providing two extensions of time to file complete response. It is further noted that their linked exporter has also not filed the exporters' questionnaire response and therefore, its response has not been accepted for grant of individual dumping margins.
33. The Authority during the process of investigation has analysed and determined normal value, export price and dumping margin from the information submitted by cooperating producers from subject countries and their exporters, which were subsequently examined and verified by the Authority.
34. The Authority sent questionnaires to the known exporters from subject countries, advising them to provide information in the form and manner prescribed. Following producers/ exporters have filed the prescribed questionnaire responses:
  - a. Takht-e-Jamshid Pars Assalouyeh Petrochemical company, (TJPAPC), Iran (Producer and Exporter)
  - b. Eastern Trading International FZE, UAE (Exporter)
  - c. Golden International FZE, UAE (Exporter)
  - d. Millennium Trading (FZE), UAE (Exporter)
  - e. Formosa Chemicals & Fibre Corporation (FCFC), Chinese Taipei (Producer and Exporter)
  - f. Petrochemicals (M) SDN BHD, Malaysia (Producer - held to be non-cooperating by the Authority for the reasons given above)

#### **F.1.3.1. IRAN**

##### **F.1.3.1.1. Normal value in case of M/s Takht-e-Jamshid Pars Assalouyeh Petrochemical Company (TJPAPC), Iran**

35. From the exporters' questionnaire response filed by the producer from Iran i.e., TJPAPC, it is noted that they have exported the subject goods to India through three related exporters namely Golden International FZE, UAE (Exporter), Millennium Trading FZE, UAE, (Exporter), and Eastern Trading International FZE, UAE (Exporter). It is also noted from the response that during the POI, the company has sold \*\*\* MT in domestic market to various unrelated parties. In order to determine the normal value, the Authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to cost of production of subject goods. In case profit making transactions are more than 80% then the Authority considers all the transactions in the domestic market for the determination of the normal value. Where the profitable transactions are less than 80%, only profitable domestic sales are taken into consideration for the determination of normal value. Based on the ordinary course of trade test, all profitable domestic sales have been taken into account for determination of normal value, since the profitable sales were less than 80% by volume. Accordingly, normal value for M/s Takht-e-Jamshid Pars Assalouyeh Petrochemical Company has been determined and is mentioned in the dumping margin table below.

##### **F.1.3.1.2. Export price in case of M/s Takht-e-Jamshid Pars Assalouyeh Petrochemical Company, Iran(Producer) through Golden International FZE, UAE, (Exporter) Eastern Trading International FZE, UAE, and Millennium Trading (FZE), UAE.**

36. The subject goods of \*\*\* MT produced by Takht-e-Jamshid Pars Assalouyeh Petrochemical Company, Iran (Producer) (hereinafter referred to as "TJPAPC") were exported to India through three related exporters namely Golden International FZE, UAE(hereinafter referred to as "Golden") (\*\*\* MT exported), Millennium Trading FZE, UAE, (hereinafter also referred to as "Millennium") (\*\*\* MT exported), and Eastern Trading International FZE, UAE ( hereinafter also referred to as "Eastern") (\*\*\* MT exported). All three related exporters have filed the Exporter Questionnaire Responses. The responses filed by related exporters represent more than 70% of subject goods produced and exported to India by the concerned producer.



37. In the exporter's questionnaire response of M/s Golden International FZE, the company declared that during the POI, out of the total \*\*\* MT export sales to India, \*\*\* MT (\*\*\* %) was exported directly to India by M/s Golden and \*\*\* MT (\*\*\*%) was exported indirectly to India through further unrelated traders and these unrelated traders have not submitted their respective exporter questionnaire responses containing the requisite necessary information of the said \*\*\* MT quantity. The Authority while calculating the export price for the producer has considered verified actual data of the exporter M/s Golden for \*\*\*% of the quantity (\*\*\* MT) shipped directly to India by M/s Golden for which complete chain of responses has been submitted with the Authority. Further, the exporter M/s Golden in its EQR has claimed adjustment on account of freight, container charges, commission and misc. expenses and the same have been accepted after necessary verification.
38. With respect to the determination of export price, the Authority notes the provisions enshrined in Explanation (b) to sub-section (1) and subsection 6A of Section 9A of the Act which are as follows:

*“(1) Explanation (b) “export price”, in relation to an article, means the price of the article exported from the exporting country or territory and in cases where there is no export price or where the export price is unreliable because of association or a compensatory arrangement between the exporter and the importer or a third party, the export price may be constructed on the basis of the **price at which the imported articles are first resold to an independent buyer** or if the article is not resold to an independent buyer, or not resold in the condition as imported, on such reasonable basis as may be determined in accordance with the rules made under sub-section (6).*

...

...

*(6A) Provided that where an exporter or producer fails to provide such records or information, the margin of dumping for such exporter or producer shall be determined on the basis of facts available.”*

Further, Rule 6(8) of the Rules provides as under in this regard:

*“(8) In a case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the designated authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as it deems fit under such circumstances.”*

39. In view of the above provision, as regards the export price of \*\*\*% of the quantity (\*\*\* MT) for which complete chain of responses containing the requisite necessary information have not been submitted to the Authority, export price of this quantity has been calculated based on the facts available, in terms of Rule 6(8) of the Rules and in terms of Section 9A (6A) of the Act. The Authority has used the facts available for determination of net export price and landed value with respect to \*\*\*% of the quantity (\*\*\* MT) which was exported by M/s Golden, UAE and produced by M/s TJPAPC, Iran.
40. Accordingly, the export price for M/s TJPAPC, Iran (Producer) has been determined based on the weighted average export price of direct exports for which complete information in the chain for exports to India has been provided and indirect exports to India for which complete chain of information has not been provided. The export price so determined have been used for determining the weighted export price of the producer M/s TJPAPC.
41. M/s Eastern Trading International FZE, in their exporter's questionnaire response has declared that during the POI, \*\*\* MT being \*\*\*% of the quantity was shipped directly to India. The Authority has calculated export price based on the verified data of exporter. The exporter has claimed adjustment on account of freight, container charges, commission and misc. expenses and the same have been accepted after necessary verification. The export price so determined has been used for determining the weighted export price of the producer M/s TJPAPC.
42. In the exporter's questionnaire response, M/s Millennium Trading (FZE), UAE, declared that during the POI, \*\*\* MT being \*\*\*% of the quantity was shipped directly to India. The Authority has calculated export price based on the verified data of exporter. The exporter has claimed adjustment on account of freight, container charges, commission and misc. expenses and the same have been accepted after necessary verification. The export price so determined has been used for determining the weighted export price of the producer M/s TJPAPC.

**F.1.3.1.3. Normal value in case of other producers from Iran**

43. It is noted that no other producer/exporter from Iran has cooperated in the present investigation. In view of the non-cooperation, the Authority has determined the Normal Value for other producers/exporters based on best facts available, which is calculated and mentioned in the dumping margin table.

**F.1.3.1.4. Export price of other producers from Iran**

44. It is noted that no other producer/exporter from Iran has cooperated in the present investigation. In view of such non-cooperation, the Authority has determined export price for such other producers/exporters based on facts available, which is mentioned in the dumping margin table.

**F.1.3.2. CHINESE TAIPEI****F.1.3.2.1. Normal value in case of M/s Formosa Chemicals & Fibre Corp. (FCFC), Chinese Taipei**

45. From the data filed by the Cooperating producer and exporter from Chinese Taipei i.e., FCFC, it is noted that they have exported the subject goods directly to India. The questionnaire response has been examined and it is noted that the respondent has provided domestic sales price details of the subject goods in respective Appendix with proper costing data for mandatory tests. It is noted that M/s. Formosa Chemicals & Fibre Corp, Chinese Taipei has exported \*\*\* MT of subject goods to India during POI at a CIF value of US\$ \*\*\*. As regards normal value, the Authority notes that \*\*\*MT has been sold in the domestic market at a price of \*\*\* US\$/MT. In order to determine the normal value, the Authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to cost of production of subject goods. In case profit making transactions are more than 80% then the Authority considers all the transactions in the domestic market for the determination of the normal value. Where the profitable transactions are less than 80%, only profitable domestic sales are taken into consideration for the determination of normal value. Based on the ordinary course of trade test, profitable domestic sales have been taken into account for determination of normal value, since the profitable sales were less than 80% by volume. The adjustments claimed by FCFC have been verified and accepted to the extent found correct. The Normal Value of FCFC so determined is mentioned in the dumping margin table below.

**F.1.3.2.2. Export price in case of M/s Formosa Chemicals & Fibre Corp. (FCFC), Chinese Taipei**

46. In the exporter's questionnaire response, the Company stated that during the POI they directly exported \*\*\* MT. The data was cross checked with the DGCI&S data and found to be in order. The sample invoices have been checked and the data filed by them has been accepted. The Authority has accepted the adjustment as claimed by the exporter on account of inland freight, overseas freight, marine insurance, credit cost, packing charges, commission, brokerage and port charges etc. after necessary verification. Accordingly, the export price determined is provided in the dumping margin Table below.

**F.1.3.3. MALAYSIA, SINGAPORE, UAE and USA****F.1.3.3.1. Normal value for all producers and exporters from Malaysia, Singapore, UAE and USA**

47. It is noted that there is no response from any producer from Malaysia, Singapore, UAE and USA in this subject investigation. In view of the non-cooperation, the Authority has determined the Normal Value for all producers in these four subject countries based on facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules and in terms of Section 9A (6A) of the Act. For the determination of normal values for producers of Malaysia, Singapore and USA, the price of the major raw material i.e. Styrene Monomer has been considered based on the price in their respective countries as culled out from the World Trade Atlas, and the other conversion costs based on the facts available. Further, in the absence of data of UAE in World Trade Atlas, the normal value for producers of UAE has been determined based on information available from data of the cooperating producer and exporter from Iran. The constructed normal values for these four countries so determined/considered have been mentioned in the dumping margin table below.

**F.1.3.3.2. Export price for all producers and exporters from Malaysia, Singapore, UAE and USA**

48. Since there is no response from any producer/exporter from Malaysia, Singapore, UAE and USA, the export prices for all the producers/exporters from these countries have been determined on the basis of information available on record. The Authority has made adjustments on account of ocean freight, overseas insurance, port expenses, inland freight, bank charges and credit cost as claimed by the Domestic Industry in order to arrive at the net export price at ex-factory level. Accordingly, the net export price at ex-factory level in case

of all producers of subject goods from Malaysia, Singapore, UAE and USA has been determined and is as mentioned in the dumping margin table below.

#### **F.1.3.4. DUMPING MARGIN**

##### **F.1.3.4.1. Dumping margin for related producers and Exporters**

49. It is noted that in the subject investigation, cooperating producer from Iran is supplying through related exporters and form a group of related companies. It has been a consistent practice of the Authority to consider related exporting producers and exporters as one single entity for the determination of a dumping margin and thus to establish one single dumping margin for them. This is in particular because calculating individual dumping margins might encourage circumvention of anti-dumping measures, thus rendering them ineffective, by enabling related exporting producers to channel their exports to India through the company with the lowest individual dumping margin.

50. In accordance with the above, cooperating producer from Iran i.e. TJPAPC and their related exporters from UAE are regarded as one single entity and attributed one single dumping margin which was calculated on the basis of the weighted average of the dumping margins of the cooperating related producer and exporters.

##### **F.1.3.4.2. Determination of Dumping Margin**

51. The Dumping Margin for the subject goods has been determined by comparing normal value and net export price at ex-factory level for the subject goods. The Authority has determined the dumping margin both grade-wise (for GPPS and HIPS separately) and consolidated them for the PUC as a whole, and the same is given in the table below:

Country	Producer	Grade of Polystyrene	Exports to India	Normal Value/ CNV	Export Price	Dumping Margin	Dumping Margin
			MT	USD per MT	USD per MT	USD per MT	%
Iran	Takht-e-Jamshid Pars Assalouyeh Petrochemical company	GPPS	***	***	***	***	***
		HIPS	-	-	-	-	-
		Weighted Average	***	***	***	***	***
		Range %					60 – 80
	Other producers and exporters	GPPS	-	-	-	-	-
		HIPS	***	***	***	***	***
		Weighted Average	***	***	***	***	***
		Range %					60 – 80
Chinese Taipei	Formosa Chemicals & Fibre Corp.	GPPS	***	***	***	***	***
		HIPS	***	***	***	***	***
		Weighted Average	***	***	***	***	***
		Range %					0 – 20
	Other producers and exporters	GPPS	***	***	***	***	***
		HIPS	***	***	***	***	***
		Weighted Average	***	***	***	***	***
		Range %					20 – 40
UAE	All producers	GPPS	***	***	***	***	***

Country	Producer  and exporters	Grade of Polystyrene	Exports to India	Normal Value/ CNV	Export Price	Dumping Margin	Dumping Margin
			MT	USD per MT	USD per MT	USD per MT	%
		HIPS	***	***	***	***	***
		Weighted Average	***	***	***	***	***
		Range %					40 – 60
Malaysia	All producers and exporters	GPPS	***	***	***	***	***
		HIPS	***	***	***	***	***
		Weighted Average	***	***	***	***	***
		Range %					0 – 20
Singapore	All producers and exporters	GPPS	***	***	***	***	***
		HIPS	***	***	***	***	***
		Weighted Average	***	***	***	***	***
		Range %					20 – 40
USA	All producers and exporters	GPPS	***	***	***	***	***
		HIPS	***	***	***	***	***
		Weighted Average	***	***	***	***	***
		Range %					40 – 60

## **G. METHODOLOGY FOR INJURY ASSESSMENT AND EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK**

### **G.1 Submissions made by the Domestic Industry**

52. The following are the injury related submissions made by the domestic industry during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority:

- i. Imports of the product under consideration from the subject countries have shown increase over the years with a significant increase in POI. Imports have also shown increase in relation to production and consumption in India.
- ii. Market share of the subject countries in demand has become significant in POI. Subject countries have not only taken the share of Domestic Industry but also of other countries in a short span of time. Market share of the Domestic Industry has decreased in the POI as compared to the base year.
- iii. With reduction in the prices by the foreign producers, the only choice available to the Indian producer is to either realign their prices with the changes in the import prices or to lose orders and hence the market share reduced during the entire injury investigation period.
- iv. Domestic industry prices reflect the effect of the prices that are being offered by the exporters in the domestic market. The Domestic Industry also firmly has contended that exporters are giving post sales discount to Indian customers to make their offer more attractive to them. Domestic Industry has requested to insist upon the importer to provide factual information about their contracts with their foreign suppliers and also with their customers along with the payment receipts to ascertain the actual import price.
- v. The price underselling, price undercutting is positive and substantial. Further, the Domestic Industry is suffering from price depression as they are not able to increase its prices to reasonable terms.
- vi. Performance of the domestic industry has steeply deteriorated in terms of profits. In fact the profitable

situation of the Domestic Industry has turned into losses and return on investments and cash profits have also followed the same trend.

- vii. The decline in profitability of the domestic industry was due to significant increase in the import volume at non-remunerative prices from subject countries.
- viii. The increase in selling price was lower than the increase in cost of production and thus the dumped imports are creating price suppression effect on the domestic industry.
- ix. The domestic industry has suffered material injury in connection with dumping of subject goods from the subject countries. Further, the domestic industry is threatened with continued injury, should the present condition continue.
- x. In relation to the submissions of the interested parties that imports from USA are coming at lower price as compared to other countries, it is submitted by the Domestic Industry that imported product from USA are directly competing with them. Moreover, conditions of cumulative assessment are fully satisfied.

## **G.2 Submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties**

53. The following are the injury related submissions made by the producers/exporters/ importers/other interested parties during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority.

- i. In terms of Annexure-II to the Rules, cumulative assessment of imports from more than one country is permissible only when it is appropriate in light of conditions of competition. Similar position is also stipulated in there in Article VI of GATT, 1994. In view thereof, importers requested that imported products from USA are not similar, and therefore, cumulative assessment should not be permissible as long as imported products from USA are considered.
- ii. The Indian Industry market share is already more than 90% of the total demand of the country and the Domestic Industry is just trying to enjoy a dominant position. They are operating as cartel and at certain times of the year, they control the production, supply and sale of the PUC thereby creating artificial scarcity and maintaining high prices.
- iii. There is already NIL rate of customs duty on import the principal raw material for the Domestic Industry i.e. Styrene Monomer with full duty exemption from ASEAN countries and Korea. Other countries also have an effective rate of duty of mere 2.5%. Since there is already protection of duty enjoyed by the DI, further protection is not justified.
- iv. The Domestic Industry is not suffering any injury, as their balance sheet is showing significant profits.
- v. The real cause for the alleged injury, if any, to the applicant is not dumping of the subject goods but the ban on single-use plastic products and variation in the prices of the major raw material. This fact is also acknowledged in the Annual Reports.
- vi. The imports from the subject countries have no negative impact on the performance of the Domestic Industry.
- vii. The claim of injury is based on imports of PUC irrespective of forms whereas the DI only sells PUC in granular form. This fact is also clear from the lower landed value of such items. Hence injury analysis should have been done of PUC in granular form only and not for lumps and other non-granular forms and hence should have been excluded.
- viii. That there is no price undercutting, price underselling, price suppression and depression and therefore, the claim of the Domestic Industry of any injury on account of imports from subject countries should be rejected.
- ix. The inability of the domestic industry to meet the domestic demand has resulted in the increase in imports to fulfil the rise in consumption.

### G.3 Examination by the Authority

54. The Authority has taken note of the arguments and counter-arguments of the all the interested parties with regard to injury to the Domestic Industry. The injury analysis so made by the Authority hereunder addresses the various submissions made by the interested parties.

#### I. Cumulative assessment

55. Annexure-II para (iii) of the Rules provides that in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, the Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that:
- a. *The margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent (or more) of the import of like article or where the export of individual countries is less than three percent, the imports collectively account for more than seven percent of the import of like article, and*
  - b. *Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.*
56. The Authority notes that:
- a. The subject goods are being dumped into India from the subject countries. The margins of dumping from each of the subject countries are more than the de minimis limits prescribed under the Rules.
  - b. The volume of imports from each of the subject countries is individually more than 3% of the total volume of imports.
  - c. Cumulative assessment of the effects of import is appropriate as the exports from the subject countries not only directly compete with the like articles offered by each of them but also the like articles offered by the domestic industry in the Indian market. It is noted that the consumers who are buying from the domestic industry are also importing from amongst the subject countries.
57. As regards the issue of cumulative assessment in terms of para (iii) of the Annexure-II of the Rules, it is noted that the imports from subject countries fully satisfy the criteria of para (iii) of the Annexure-II. Therefore, the contention of the other interested parties about cumulative assessment are not correct.
58. In view of the above, the Authority considers it appropriate to cumulatively assess the effects of dumped imports of the subject goods from the subject countries on the domestic industry.
59. As regards the contention of the Domestic Industry about post-sales discount being given by the exporters to Indian importers, it is noted that the Domestic Industry has not provided any evidence to further substantiate its claim. Moreover, the Authority has also not found any verifiable and credible evidence of such discounts / rebates, during the course of the investigation.
60. As regards the contention of the interested parties about dominant position of the Domestic Industry and that they are operating in cartel, it is noted that none of the interested parties has provided any evidence or information to substantiate their claim.
61. As regards the fact that injury to domestic industry, if any, is on account of ban on single use plastics, it is noted from the records that during the POI, there is no blanket ban on single use plastic in all the states, and any blanket ban on single-use plastic products might have similar impact on the imports also. Therefore, the alleged ban has little relationship with dumping of subject goods, and injury to domestic industry.
62. With regard to the benefit to the Domestic Industry concerning imports of raw material at concessional rates, it is noted that the same has been duly considered in the injury analysis and in the calculation of NIP. Therefore, contention of the other interested parties has been appropriately taken into account.

63. As regards the profitability of the Domestic Industry, it is noted that the Applicants are multi-product companies and to compare profitability of the companies with profitability of the product under consideration is incorrect and also not in line with the jurisprudence available on this subject. Further, the Authority is required to examine the performance of the Domestic Industry in respect to domestic like product and not for the company as a whole. Accordingly, the Authority has analyzed the data for this investigation also. Therefore, the contention of the other interested parties based on total profitability of the company is not correct.
64. As regards the issues of no price undercutting, price underselling, price suppression and depression, it is noted that the same are addressed in the subsequent paragraphs while making injury analysis.
65. Rule 11 read with Annexure-II of the Rules provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....” In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure-II of the Rules. The Authority has taken note of various submissions of the domestic industry and the exporters / importers / traders / users on injury to the domestic industry and has analyzed the same considering the facts available on record and applicable laws. The injury analysis made by the Authority hereunder ipso facto addresses the various submissions made by the interested parties.

## II. Volume Effect of Dumped Imports

### i. Assessment of Demand

66. For the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the subject goods has been defined as the sum of domestic sales of the Applicants and imports from all sources. The demand so assessed is given in the table below:

Particulars	UoM	2015-16	2016-17	2017-18	Jan 18 to Dec 18 (POI)
Imports from Iran	MT	450	886	6267	6440
GPPS	MT	292	795	5873	6350
HIPS	MT	158	91	394	90
Imports from UAE	MT	1162	2417	2639	11630
GPPS	MT	1094	1808	2538	11351
HIPS	MT	68	609	101	279
Imports from USA	MT	322	1780	3550	3501
GPPS	MT	322	1780	3138	3077
HIPS	MT	0	0	412	424
Imports from Malaysia	MT	1889	2891	3652	1903
GPPS	MT	202	526	667	204
HIPS	MT	1687	2365	2985	1699
Imports from Singapore	MT	5915	6315	4922	2974
GPPS	MT	4530	4142	3728	2159
HIPS	MT	1385	2173	1194	815

Particulars	UoM	2015-16	2016-17	2017-18	Jan 18 to Dec 18 (POI)
Imports from Chinese Taipei	MT	7177	5941	5558	3589
GPPS	MT	5991	2962	3612	2461
HIPS	MT	1186	2979	1947	1128
Total Imports from Subject Countries	MT	16915	20230	26588	30037
Imports from Other Countries	MT	4975	3768	3102	2175
Total Imports	MT	21891	23998	29690	32212
Sales of Domestic Industry	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	87	93	89
Sales of Other Domestic Producers	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	115	116	113
Total Domestic Sales	MT	235225	224343	234021	225475
Trend	Indexed	100	95	99	96
Demand	MT	<b>257116</b>	<b>248341</b>	<b>263711</b>	<b>257687</b>
Trend	Indexed	100	97	103	100

67. It is noted from the above table that the demand of the subject goods has marginally increased in the POI as compared to the base year.

**ii. Imports volumes and share of the imports from subject countries**

68. With regard to the volume of dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. The volume of imports of the subject goods from the subject countries have been analyzed as under –

Particulars	UoM	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Imports from Subject Countries	MT	16915	20230	26588	30037
Imports from Other Countries	MT	4975	3768	3102	2175
Total Imports	MT	21891	23998	29690	32212
Total Production	MT	***	***	***	***
Imports from Subject countries in relation to					
Production	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	130	182	213
Consumption	%	7%	8%	10%	12%
Trend	Indexed	100	110	137	177
Total Imports	%	77%	84%	90%	93%
Trend	Indexed	100	109	116	121



69. From the above table, it is noted that-

- a. Imports of subject goods from the subject countries have increased significantly during the injury period in absolute terms.
- b. The imports from the subject countries have increased significantly in relation to total imports and consumption in India.

### iii. Price Effect of Dumped Imports on the Domestic Industry

70. With regard to the effect of the dumped imports on prices, it is required to be analyzed whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices or prevent price increases, which otherwise would have occurred in the normal course. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from the subject countries has been examined with reference to the price undercutting, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis, the cost of production, Net Sales Realization (NSR) and the Non-Injurious Price (NIP) of the Domestic industry have been compared with the landed cost of imports from subject countries.

#### a. Price Undercutting

71. In order to determine whether the imports are undercutting the prices of the domestic industry in the market, the Authority has compared landed price of imports with net sales realization of the domestic industry (both for GPPS and HPPS, and consolidated for the PUC) as below:

#### Subject Country: Iran

Particulars	UoM	2015-16	2016-17	2017-18	POI
<b>GPPS</b>					
Landed Value	Rs/MT	97,473	86,907	97,686	99,759
Trend	Indexed	100	89	100	102
Domestic Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	108	117	127
Price Undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	(20) - 0	0 - 20	(20) - 0	0 - 20
<b>HIPS</b>					
Landed Value	Rs/MT	83,493	92,217	74,964	112,547
Trend	Indexed	100	110	90	135
Domestic Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	109	117	126
Price Undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	0 - 20	0 - 20	20-40	0 - 20
<b>Consolidated for PUC</b>					
Landed Value	Rs/MT	92,564	87,452	96,257	99,937
Trend	Indexed	100	94	104	108
Domestic Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	106	115	124
Price Undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	(20) - 0	0 - 20	0 - 20	0 - 20

**Subject Country: UAE**

Particulars	UoM	2015-16	2016-17	2017-18	POI
<b>GPPS</b>					
Landed Value	Rs/MT	79,229	82,434	98,153	107,317
Trend	Indexed	100	104	124	135
Domestic Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	108	117	127
Price Undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	0 - 20	0 - 20	(20) - 0	(20) - 0
<b>HIPS</b>					
Landed Value	Rs/MT	77,170	94,742	86,115	100,777
Trend	Indexed	100	123	112	131
Domestic Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	109	117	126
Price Undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	0 - 20	0 - 20	20-40	0 - 20
<b>Consolidated for PUC</b>					
Landed Value	Rs/MT	79,109	85,535	97,692	107,160
Trend	Indexed	100	108	123	135
Domestic Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	110	117	127
Price Undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	0-20	0-20	0-20	(20) - 0

**Subject Country: USA**

Particulars	UoM	2015-16	2016-17	2017-18	POI
<b>GPPS</b>					
Landed Value	Rs/MT	61,516	75,852	78,753	81,248
Trend	Indexed	100	123	128	132
Domestic Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	108	117	127
Price Undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	20-40	0-20	20-40	20-40
<b>HIPS</b>					
Landed Value	Rs/MT	-	-	70,134	73,102
Trend	Indexed	-	-	100	104
Domestic Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***

Trend	Indexed	-	-	100	108
Price Undercutting	Rs/MT	-	-	***	***
Price Undercutting	%	-	-	***	***
Price Undercutting	% Range	-	-	40-60	40-60
<b>Consolidated for PUC</b>					
Landed Value	Rs/MT	61,516	75,852	77,753	80,261
Trend	Indexed	100	123	126	130
Domestic Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	108	118	128
Price Undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	20-40	0-20	20-40	20-40

**Subject Country: Malaysia**

Particulars	UoM	2015-16	2016-17	2017-18	POI
<b>GPPS</b>					
Landed Value	Rs/MT	64,442	75,330	82,173	84,898
Trend	Indexed	100	117	128	132
Domestic Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	108	117	127
Price Undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	20-40	0-20	0-20	20-40
<b>HIPS</b>					
Landed Value	Rs/MT	95,364	99,837	111,724	117,133
Trend	Indexed	100	105	117	123
Domestic Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	109	117	126
Price Undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	(20) - 0	(20) - 0	(20) - 0	(20) - 0
<b>Consolidated for PUC</b>					
Import Quantity	MT	1,889	2,891	3,652	1,903
Landed Value	Rs/MT	92,057	95,378	106,327	113,678
Trend	Indexed	100	104	116	123
Domestic Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	109	116	126
Price Undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	(20) - 0	0-20	(20) - 0	(20) - 0

**Subject Country: Singapore**

Particulars	UoM	2015-16	2016-17	2017-18	POI
<b>GPPS</b>					
Landed Value	Rs/MT	87,201	90,463	98,369	110,546
Trend	Indexed	100	104	113	127
Domestic Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	108	117	127
Price Undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	(20) - 0	(20) - 0	(20) - 0	(20) - 0
<b>HIPS</b>					
Landed Value	Rs/MT	89,536	100,468	108,463	114,036
Trend	Indexed	100	112	121	127
Domestic Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	109	117	126
Price Undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	0-20	(20) - 0	(20) - 0	(20) - 0
<b>Consolidated for PUC</b>					
Landed Value	Rs/MT	87,748	93,906	100,818	111,502
Trend	Indexed	100	107	115	127
Domestic Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	110	117	127
Price Undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	(20) - 0	(20) - 0	(20) - 0	(20) - 0

**Subject Country: Chinese Taipei**

Particulars	UoM	2015-16	2016-17	2017-18	POI
<b>GPPS</b>					
Landed Value	Rs/MT	84,502	90,081	96,408	105,930
Trend	Indexed	100	107	114	125
Domestic Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	108	117	127
Price Undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	(20) - 0	0 - 20	0 - 20	(20) - 0
<b>HIPS</b>					
Landed Value	Rs/MT	98,787	85,470	94,452	116,006
Trend	Indexed	100	87	96	117
Domestic Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	109	117	126
Price Undercutting	Rs/MT	***	***	***	***

Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	(20) - 0	0 - 20	0 - 20	(20) - 0
<b>Consolidated for PUC</b>					
Landed Value	Rs/MT	86,863	87,769	95,723	109,097
Trend	Indexed	100	101	110	126
Domestic Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	108	117	130
Price Undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	(20) - 0	0-20	0-20	(20) - 0

**Subject Countries as a whole**

Particulars	UoM	2015-16	2016-17	2017-18	POI
<b>GPPS</b>					
Landed Value	Rs/MT	84,433	86,135	94,073	1,02,270
Trend	Indexed	100	102	111	121
Domestic Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	108	117	127
Price Undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	(20) - 0	0 - 20	0 - 20	0 - 20
<b>HIPS</b>					
Landed Value	Rs/MT	93,769	94,424	1,01,526	1,10,946
Trend	Indexed	100	101	108	118
Domestic Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	109	117	126
Price Undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	(20) - 0	0 - 20	0 - 20	0 - 20
<b>Consolidated/ PUC</b>					
Landed Value	Rs/MT	86,908	89,502	96,044	1,03,551
Trend	Indexed	100	103	111	119
Domestic Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	110	117	126
Price Undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	(20) - 0	0-20	0-20	0-20

Note: The import quantity and landed Value of all subject countries except Iran is as per DGCIS data. However, the GPPS import quantity as reported by the Iran's responding and cooperating exporter is more than the quantity reported in DGCIS data. Therefore, the GPPS import quantity as reported by the Iran's responding and cooperating exporter, and duly verified, have been considered for import quantity and Landed Value calculation of Iran.

72. It is noted that the landed value from the subject countries is below the selling price of the Domestic Industry during the POI and preceding two years. It is further noted that, as part of the cumulative assessment of effect

of dumped imports, the price undercutting is positive from the subject countries as a whole during the period of investigation.

**b. Price Suppression and Depression**

73. In order to determine whether the imports from the subject countries are suppressing or depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred in normal course, the Authority considered the changes in the costs and prices over the injury period, as given below:

Particulars	UoM	2015-16	2016-17	2017-18	POI
<b>Consolidated for PUC</b>					
Landed Value from Iran	Rs/MT	92,564	87,452	96,257	99,937
Landed Value from UAE	Rs/MT	79,109	85,535	97,692	1,07,160
Landed Value from USA	Rs/MT	61,516	75,852	77,752	80,261
Landed Value from Malaysia	Rs/MT	92,058	95,378	1,06,328	1,13,677
Landed Value from Singapore	Rs/MT	87,747	93,906	1,00,818	1,11,503
Landed Value from Chinese Taipei	Rs/MT	86,862	87,769	95,723	1,09,096
Landed Value from Subject Countries	Rs/MT	86,922	89,510	96,592	1,03,551
Trend	Indexed	100	103	111	119
Net selling price of Domestic Industry	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	109	117	125
Cost of Sales	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	103	116	131

74. From the above table, it is noted that the landed value of imports from the subject countries was below the selling price of the Domestic Industry in the POI and preceding two years. As the net selling price of the domestic industry has increased steadily during the injury period, there is no price depression for the domestic industry. However, since the selling price of the subject goods has not increased in proportion to the cost of sales of the subject goods, the domestic industry is facing price suppression on account of lower import prices of subject goods from subject countries.

**c. Price Underselling**

75. The Authority has also examined price underselling if any, suffered by the domestic industry on account of dumped imports of subject goods from the subject countries. It is noted that the landed value of imports of subject goods from subject countries is significantly below the non-injurious price of the domestic industry resulting in price underselling.

Particulars	UoM	Subject Countries as a whole	Iran	UAE	USA	Malaysia	Singapore	Chinese Taipei
<b>GPPS</b>								
Landed Value	Rs/MT	102,270	99,759	107,317	81,248	84,898	110,546	105,930
NIP	Rs/MT	***	***	***	***	***	***	***
Price Underselling	Rs/MT	***	***	***	***	***	***	***
Price Underselling	%	***	***	***	***	***	***	***
Price Underselling	% Range	0 - 20	0 - 20	0 - 20	20-40	20-40	0 - 20	0 - 20

Particulars	UoM	Subject Countries as a whole	Iran	UAE	USA	Malaysia	Singapore	Chinese Taipei
<b>HIPS</b>								
Landed Value	Rs/MT	110,946	112,547	100,777	73,102	117,133	114,036	116,006
NIP	Rs/MT	***	***	***	***	***	***	***
Price Underselling	Rs/MT	***	***	***	***	***	***	***
Price Underselling	%	***	***	***	***	***	***	***
Price Underselling	% Range	0 - 20	0-20	0 - 20	60-80	0 - 20	0 - 20	0 - 20
<b>Consolidated for PUC</b>								
Landed Value	Rs/MT	103,551	99,937	107,160	80,261	113,678	111,502	109,096
NIP	Rs/MT	***	***	***	***	***	***	***
Price Underselling	Rs/MT	***	***	***	***	***	***	***
Price Underselling	%	***	***	***	***	***	***	***
Price Underselling	% Range	0 - 20	0 - 20	0 - 20	40-60	0 - 20	0 - 20	0 - 20

Note: The import quantity and landed Value of all subject countries except Iran is as per DGCIS data. However, the GPPS import quantity as reported by the Iran's responding and cooperating exporter is more than the quantity reported in DGCIS data. Therefore, the GPPS import quantity as reported by the Iran's responding and cooperating exporter, and duly verified, have been considered for import quantity and Landed Value calculation of Iran.

**iv. Economic Parameters of the Domestic Industry**

76. Annexure-II to the Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of dumped imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of dumped imports on domestic producers of such products, the Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed herein below:

**a. Sales Volume and Value:**

77. The sales volume and value of the Domestic Industry is given in the table below:

Particulars	UoM	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Sales Quantity	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	87	93	89
Sales Value	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	95	109	113
Sales Price	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	109	117	128

78. It is noted from the above table, that the sales volume of the Domestic Industry has decreased significantly in the POI as compared to the base year.

b. **Production and Capacity Utilization:**

79. The details of production and capacity utilization are given in the table below:

Particulars	UoM	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Capacity	MT	362000	362000	362000	362000
Trend	Indexed	100	100	100	100
Production	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	92	86	83
Capacity Utilization	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	91	86	83

80. It is noted from above table that the Domestic Industry have sufficient capacity to cater the need of the domestic demand. However, the capacity utilization has gone down significantly during the injury period.

c. **Market share:**

81. The details of imports, domestic sales and the market share of the domestic industry is as below:

Particulars	UoM	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Imports from Subject Countries	MT	16915	20230	26588	30037
Imports from Other Countries	MT	4975	3768	3102	2175
Total Imports	MT	21891	23998	29690	32212
Sales of Domestic Industry	MT	***	***	***	***
Sales of Other Domestic Producers	MT	***	***	***	***
Total Domestic Sales	MT	235225	224343	234021	225475
<b>Demand</b>	<b>MT</b>	<b>257116</b>	<b>248341</b>	<b>263711</b>	<b>257687</b>
Share in Demand					
Imports from Subject Countries	%	6.58%	8.15%	10.08%	11.66%
Imports from Other Countries	%	1.93%	1.52%	1.18%	0.84%
Total Imports	%	8.51%	9.66%	11.26%	12.50%
Domestic Sales	%	91.49%	90.34%	88.74%	87.50%

82. From the above, it is noted that:

a. Imports of the subject goods from the subject countries have increased in the POI as compared to the previous years.

b. Market share of the domestic industry has decreased during the period of investigation over the base year despite a stagnant demand over the same period. However, during the same period the market share of the subject goods from subject countries has almost doubled.

d. **Productivity:**

83. The productivity of the Domestic Industry is given in table below:

Particulars	Unit	2014-15	2015-16	2016-17	POI
Production	MT	***	***	***	***
Production	Indexed	100	92	86	83
Employees	No.	***	***	***	***



Particulars	Unit	2014-15	2015-16	2016-17	POI
Employees	Indexed	100	96	93	87
Productivity/employee	MT/No.	***	***	***	***
Productivity/employee	Indexed	100	95	93	96
Production/Day	MT/Nos	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	92	86	83

84. It is noted from the above table that the productivity in terms of total production per employee has declined marginally in the POI as compared to the base year due to lesser laying-off of workforce (100 to 87 indexed) as compared to the comparatively higher decrease in production (100 to 83 indexed). Ceteris paribus, the productivity of the domestic industry has not undergone any significant change during the period of investigation as compared to the base year.

**e. Inventories:**

85. The inventory of the subject goods is shown in the following table.

Particulars	UoM	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Average Inventory	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	153	140	93

86. From the above table, it is noted that the inventory has increased consistently during the injury period, except a decline during the POI.

**f. Employment and Wages:**

87. The position with regard to employment and wages is given in table below:

Particulars	UoM	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Employees	Nos	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	96	93	87
Wages	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	102	108	105
<b>Wages/employee</b>	<b>Rs./annum</b>	<b>***</b>	<b>***</b>	<b>***</b>	<b>***</b>
Trend	Indexed	100	105	116	121

88. It is noted from above table that the number of the employees has significantly reduced during the POI as compared to the preceding years. However, wages paid to the employees has increased, although such increase in wages paid has been commensurate to the increase in wages in the country in general.

**g. Profitability:**

89. The Profits, return on investment and cash flow of the domestic industry has been examined as below:

Particulars	UoM	2015-16	2016-17	2017-18	POI
<b>Selling Price</b>	<b>Rs./MT</b>	<b>***</b>	<b>***</b>	<b>***</b>	<b>***</b>
Trend	Indexed	100	109	117	128
<b>Cost of Sales Price</b>	<b>Rs./MT</b>	<b>***</b>	<b>***</b>	<b>***</b>	<b>***</b>
Trend	Indexed	100	103	116	131
<b>Profit &amp; Loss</b>	<b>Rs. Lacs</b>	<b>***</b>	<b>***</b>	<b>***</b>	<b>***</b>

Particulars	UoM	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Trend	Indexed	100	235	141	30
<b>Profit &amp; Loss</b>	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	269	153	33
<b>Cash Profit</b>	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	202	124	45
<b>Capital employed</b>	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	149	150	126
<b>PBIT</b>	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	210	132	36
<b>Return on Capital Employed (ROCE)</b>	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	141	88	28

90. As noted earlier, due to the dumped and low-priced imports, the performance of the domestic industry has been adversely affected in the period of investigation. This is essentially on account of the dumped imports from the subject countries coming at lower prices due to which the domestic industry has been forced to reduce its prices to match the low prices of imports. This price pressure on the Domestic Industry has adversely affected the profitability of the Domestic Industry which has declined significantly during the POI. The ROCE has also significantly reduced during the POI as compared to the base year.

**h. Growth**

91. There was negative growth of the domestic industry in terms of sales and production in the POI as compared to the base year. Similarly, profits, cash profit as well as ROI reduced significantly during the injury period from reasonably profitable situation during the base year despite no decrease in demand. The Domestic industry has contended that they were not able to achieve the same due to the presence of the dumped imports from subject countries.

**i. Magnitude of Dumping margin:**

92. Magnitude of dumping margin is an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry. The data shows that the dumping margin determined against the subject countries are above *de minimis* and significant.

**j. Ability to raise Capital Investment:**

93. The Authority notes that the performance of the domestic industry has deteriorated considerably and dumping of the product under consideration may adversely impact the ability of the domestic industry to raise capital investment.

**k. Factors affecting domestic prices:**

94. The examination indicates that the demand in India for the subject goods is not a limiting factor for the growth of the domestic industry. The import prices from the subject countries are directly affecting the prices of the domestic industry in the domestic market. It is also noted that the landed value of subject goods from the subject countries are below non-injurious price of the domestic industry. Further, landed prices of subject goods from subject countries have suppressed prices of the Domestic Industry. The imports of the product under consideration from countries other than subject countries are negligible and are not claimed to be injuring the domestic industry. The Demand for the product in this industry has not declined, and, therefore, could not have been a factor responsible for price suppression faced by the domestic industry. Thus, main factor affecting the adverse impact on the domestic industry is the landed prices of subject goods from subject countries.

**G.4 Conclusions on material injury**

95. An examination of the various parameters of injury along with the volume and price effects of imports reveals that there is an increase in the volume of imports of subject goods from the subject countries during the injury investigation period in absolute terms as well as in relation to the total imports, domestic production and total demand in the country. With regard to price effect, it is noted that imports of the subject goods from the subject countries are undercutting the selling price of the domestic industry. The domestic industry has also

suffered price suppression on account of dumped imports of subject goods from subject countries as selling price of subject goods has not increased in line with increase in cost of sales of subject goods during the injury period. With regard to impact of volume and price effect on the domestic industry, it is noted that sales, production and capacity utilization of the domestic industry has been adversely affected. Further, it is also noted that profitability of the domestic industry has been adversely affected on account of dumped imports of subject goods from the subject countries.

### G.5 Magnitude of Injury Margin

96. The Authority has determined Non-Injurious Price (NIP) for the domestic industry on the basis of principles laid down in the Rules read with Annexure-III to the Rules, as amended from time to time. The NIP of the domestic like product has been determined by adopting the verified information/data relating to the cost to make and sell for the period of investigation. The NIP of the domestic industry has been worked out in accordance with Annexure-III to the Rules. For determining NIP, the best utilization of the raw materials by the domestic industry over the injury period has been considered. The same treatment has been done with the utilities. The best utilization of production capacity over the injury period has been considered. The production in POI for NIP purpose has been calculated considering the best capacity utilization and the same production has been considered for arriving at per unit fixed costs. It is ensured that no extraordinary or non-recurring expenses were charged to the cost of production. A reasonable return (pre-tax @ 22%) on average capital employed (i.e. Average Net Fixed Assets plus Average Working Capital) for the product under consideration was allowed for recovery of interest, corporate tax and profit to arrive at the NIP as prescribed in Annexure-III and being consistently followed in anti-dumping investigations by the Authority. The non-injurious price so determined has been compared with the landed prices of imports of the concerned product at same level from the subject countries to determine the injury margin. The injury margin has been computed grade-wise (i.e. separately for GPPS and HIPS) and weighted average (considering the respective export quantities from each cooperative producer/ exporter or from each country of each of the two grades) of the same for PUC and the same is as under:

Country	Producer	Grade of Polystyrene	Exports to India	Non-Injurious Price	Landed Value	Injury Margin	Injury Margin % and range
			MT	USD/MT	USD/MT	USD/MT	
Iran	Takht-e-Jamshid Pars Assalouyeh Petrochemical company	GPPS	***	***	***	***	***
		HIPS	-	-	-	-	-
		Weighted Average	***	***	***	***	***
		Range %					0 - 20
	Other producers and exporters	GPPS	-	-	-	-	-
		HIPS	***	***	***	***	***
		Weighted Average	***	***	***	***	***
		Range %					20 - 40
Chinese Taipei	Formosa Chemicals & Fibre Corp.	GPPS	***	***	***	***	***
		HIPS	***	***	***	***	***
		Weighted Average	***	***	***	***	***
		Range %					0 - 20
	Other producers and exporters	GPPS	***	***	***	***	***
		HIPS	***	***	***	***	***
		Weighted Average	***	***	***	***	***
		Range %					20 - 40

Country	Producer	Grade of Polystyrene	Exports to India	Non-Injurious Price	Landed Value	Injury Margin	Injury Margin % and range
UAE	All producers and exporters	GPS	***	***	***	***	***
		HIPS	***	***	***	***	***
		Weighted Average	***	***	***	***	***
		Range %					0 - 20
Malaysia	All producers and exporters	GPS	***	***	***	***	***
		HIPS	***	***	***	***	***
		Weighted Average	***	***	***	***	***
		Range %					0 - 20
Singapore	All producers and exporters	GPS	***	***	***	***	***
		HIPS	***	***	***	***	***
		Weighted Average	***	***	***	***	***
		Range %					0 - 20
USA	All producers and exporters	GPS	***	***	***	***	***
		HIPS	***	***	***	***	***
		Weighted Average	***	***	***	***	***
		Range %					40 - 60

#### **G.6 Non-Attribution Analysis**

97. As per the Rules, the Authority, inter alia, is required to examine any known factors other than the dumped imports which at the same time are injuring the domestic industry, and the injury caused by these other factors must not be attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include, inter alia, the volume and prices of imports not sold at dumped prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the domestic industry. It has been examined below whether any known factors other than dumped imports could have contributed to the injury to the domestic industry.

##### **i. Volume and price of imports from third countries**

98. The imports from the countries other than the subject countries are not significant in volume terms so as to cause or threaten to cause injury to the Domestic Industry. It is noted that imports from other countries are negligible in volume during the POI. Thus, it cannot be said that imports from other countries are causing such injury to the domestic industry.

##### **ii. Export Performance**

99. It is noted that the injury information of domestic industry examined by the Authority is for its domestic operations only, to the extent the same could be segregated. Therefore, any possible decline in volume or price of exports could not have caused such injury to the Domestic Industry.

##### **iii. Development of Technology**

100. None of the interested parties have furnished any credible and reliable evidence to demonstrate significant changes in the technology that could have caused injury to the domestic industry. It is further noted that

technology for production of the product concerned has not undergone any material change. Thus, development in technology is could not be a factor causing such injury to the domestic injury.

**iv. Performance of other products of the company**

101. The Authority has considered injury information only in relation to the product under consideration of the domestic industry. Therefore, the effect of performance of other products being produced and sold by the domestic industry have been removed from the injury analysis. Hence, the performance of other products being produced and sold by the Domestic Industry does not appear to be a possible cause of such injury to the domestic industry.

**v. Trade Restrictive Practices and Competition between the Foreign and Domestic producers**

102. The import of the subject goods is not restricted in any manner and the same are freely importable in the country. No credible and reliable evidence has been submitted by any interested party to suggest that the conditions of competition between the foreign and the domestic producers have undergone any material/substantive change. Therefore, it does not appear to be a possible cause of such injury to the domestic industry.

**vi. Productivity of the Domestic Industry**

103. It is noted that the productivity of the domestic industry remained more or less in the same band and therefore, it does not appear to be a possible cause of such injury to the domestic industry.

**vii. Contraction in Demand and Changes in pattern of consumption**

104. It is noted that the demand of the subject goods has not decreased in the POI as compared to the base year of the injury period. Thus, it is concluded that the injury to the Domestic industry could not be due to contraction in demand.

**G.7 Conclusion by the Authority on injury and causal link**

105. It is thus noted that listed known other factors do not show that the Domestic Industry could have suffered injury due to these other factors. The Authority examined whether the dumping of the product has caused injury to the domestic industry.
- Imports of the subject goods from the subject countries have increased both in absolute terms and in relation to production and consumption in India over the entire injury period.
  - The dumped imports of subject goods from the subject countries have taken over a significant market share of the domestic industry. In fact, the share of domestic industry in total demand has consistently decreased from 2015-16 to POI due to a 75% increase in market share of the dumped imports from the subject countries.
  - The selling price of the Domestic Industry for the subject goods has increased during the injury investigation period, however, the selling price of the subject goods has not increased in proportion to the increase of the cost of sales of the subject goods. Thus, the domestic industry is facing price suppression on account of lower import prices of the subject goods from the subject countries.
  - The imports of the subject goods from the subject countries have been undercutting the prices of the domestic industry in the market. Resultantly, the domestic industry has been forced to reduce its prices. The price suppression suffered by the domestic industry is primarily because of dumping of the product in the country.
  - The price suppression and price undercutting along with significant increase in the volume of dumped imports from subject countries has, thus, resulted in significant deterioration in profits, cash flow and return on investments of the domestic industry.

106. Therefore, the Authority concludes that the domestic industry suffered material injury due to dumped imports.

## **H. POST-DISCLOSURE SUBMISSIONS**

### **H. I. Views of the Domestic Industry after the Disclosure Statement**

107. The Authority may confirm its proposals made in the disclosure statement regarding scope of product under consideration, standing of the Domestic Industry, dumping analysis and injury analysis in the final findings.
108. The onus of substantiating the claim of exclusion of certain forms/ types of PUC with sufficient evidence lies with the party claiming such exclusion. No such reliable and material evidence carrying detailed technical parameters of these desired exclusions from the scope of PUC have been placed by any of interested parties to help the Authority to reach to a conclusion that aforementioned 'forms/ types' of the PUC are not like articles and are not technically and commercially substitutable. Further, in the subject investigation, different forms and shapes of the product under consideration do not make any difference in either the technical properties or the end use of the product.
109. The correspondence with FCFC in relation to their sales of subject goods to their related party should be provided to the Domestic Industry. In any case, in the absence of response from related party, response of FCFC should be rejected.

### **H. II. Submissions by producers/exporters/importers and other interested parties**

110. The Authority while calculating the dumping margin has used adverse facts against them which is highly unfair and illegal. It is further submitted that only some unrelated parties have not responded in the investigation on whom neither the related trader nor producer from Iran exercise any control. Therefore, use of adverse facts in the above context shall amount to penalizing cooperating parties for no fault of theirs.
111. The adverse facts considered by the Authority for M/s. Golden International FZE and TJPAPC have not been disclosed. It is further submitted that denial of such information vitiates the opportunity to comment on the reasonableness of such approach. They requested the Authority to reconsider this aspect of adoption of adverse facts.
112. The non-confidential version of the petition was not in the form and manner prescribed by the Trade Notice. It is further submitted that the Domestic Industry has not provided Format-H in the non-confidential version of the petition.
113. The failure to grant an extension by the Designated Authority has seriously prejudiced the right of defense in the investigation by the cooperative importers. They have also submitted that the disclosure statement is the first and only opportunity available to the parties, to respond to the essential facts ascertained by the Authority, in the course of the investigation. Therefore, it is a critical stage in the investigation process and failure to provide a reasonable opportunity to interested parties, is not only a violation of the principles of natural justice and fair play, but also in contravention of the statutory provisions.
114. M/s. LG Polymers India Ltd (LG Polymers), which caters to about a 1/3rd of the demand in India, has shut down its operations due to an accident which has significantly reduced the supply of the product available in India. In the petitions, the rated capacity of the machines has been given, however, the actual production capacity is much less, as the machines cannot operate beyond 80% of rated capacity. In view thereof, importers have requested the Authority to not impose any duty on the subject goods. The users have further submitted that Polystyrene constitutes more than 75% of the cost of sheets, and, therefore, the impact of the anti-dumping duty on the cost of sheets will be significant. They expect substantial import of sheets in case of levy on polystyrene, and other downstream products.
115. The Authority has incorrectly defined the product scope by not excluding melt flow index below MFI 3. Moreover, there is no evidence on record to show that Domestic Industry is producing subject goods below MFI 3. It has been reiterated that product scope was vague and not properly defined.
116. The Authority has incorrectly determined the dumping margin as the Authority has not excluded lumps and other forms from the scope of the subject goods. Certain importers have further raised objection on the dumping margin range disclosed in the disclosure statement, as the same is more than what had been claimed by the Domestic Industry in its application. It is further argued that how DGTR can give more protection than what is claimed in the petition.

117. The Authority has not disclosed World Trade Atlas (WTA) data to the interested parties. Since the normal value is based on WTA data, it should have been disclosed to the interested parties for their comments. It is further submitted that the normal value used by the Authority in the disclosure statement is more than that of ICIS LOR, which is beyond the imagination of the users. Moreover, the Authority has added exorbitant profits while computing normal value.
118. Issue related to cumulative assessment of injury is not warranted as landed value of imports from USA is significantly lower. Further the landed value from USA is higher than the selling price of the Domestic Industry.
119. Imports from Malaysia and Taiwan constitutes negligible percentage of the demand of the subject goods in India. It is further submitted that besides low volumes, their landed value is higher than the selling price of the Domestic Industry. In view therefore, Domestic Industry is not suffering any injury.
120. Domestic Industry is not suffering any injury and as even according to the examination of the Authority in the disclosure statement, there is mere decline in the profits of the Domestic Industry. Further there is no causal link also between injury to the Domestic Industry and imports from the subject countries.
121. There is a clear inverse relation between movement in landed price of imports and performance of the DI on core metrics. It is further submitted that Domestic Industry did not suffer any injury during the POI and, therefore, this case needs to be terminated.
122. The Authority should analyze post POI period also in order to establish the injury to the Domestic Industry. It is further submitted that in post POI period, Domestic Industry has earned good profits.
123. The domestic producers in India enjoy dominant position and sell the subject goods in cartel. At certain times, domestic producers restrict the supply of the subject goods. However, the Authority has not dealt with these submissions in the disclosure statement.

#### **H. III. Examination by the Authority with regard to post disclosure comments**

124. The Authority notes that most of the submissions by parties are repetitive in nature and have been examined and addressed in the disclosure statement and in the foregoing parts of the present findings. The findings above deal with all such arguments of the domestic industry and other interested parties. However, the Authority has examined these submissions herein below to the extent relevant and not addressed elsewhere.
125. As regards the issue of injury parameters, the Authority has carried out the analysis under the respective headings while making an assessment and examination of injury and causal link.
126. In relation to the submissions of the interested parties that the Authority has not granted sufficient time to provide comments on the disclosure statement, it is noted that the Disclosure was issued on 6<sup>th</sup> April 2020 requesting for comments by 25<sup>th</sup> April 2020. However, appreciating the prevalent difficulties from the lockdown emanating from COVID-19, the Authority granted various extensions eventually till June 1 to provide comments on the disclosure statement to those parties who requested extension. In fact, request for extension was approved to both importers despite the fact that all other interested parties had provided their comments by April 25, 2020. Further, it is also noted that anti-dumping investigation is a time bound investigation and requires examination of various issues which is time consuming. Despite this fact, in view of the hardships faced by the interested parties due to lockdowns in COVID-19 situation, sufficient time was provided to all the requesting interested parties for making comments. Accordingly, the Authority ensured that no prejudice should be caused to any interested party on this account.
127. As regards the issue of industrial accident that happened at LG Polymers, the Authority notes that the incident has occurred much after the POI and has no bearing on the outcome of the instant investigations as the Authority is required to analyze the facts and performance/ injury parameters pertaining to only the POI. In any case, the applicant domestic producers have sufficient unutilized capacity and inventory to cater to the Indian demand. The Authority notes that, even at 80% to 85% of their capacity utilization, they can adequately cater the current Indian demand. The Authority reiterates that importers / users are free to import the subject goods at fair price from any country, as the purpose of the anti-dumping duties is not to restrict the imports, but to create a level playing field at fair prices in the Indian market.

128. As regards the contention of exclusion of subject goods having Melt flow index less than 3 MFI and of different shapes of the subject goods, it is noted that the Domestic Industry during the verification of the information has provided invoices of the subject goods manufactured and sold by them of melt flow index below 3 MFI. They further explained that different shapes do not make the product different, as ultimately the end use of the product irrespective of shape is same. Domestic Industry has submitted that technical information related to product including MFI is also available on their website. On the contrary, it is noted that opposing interested parties failed to provide evidence to prove their contention of exclusion and difference in subject goods due to different shapes. In view thereof, the Authority confirms the product scope as mentioned in the disclosure statement.
129. As regard the contention of the interested parties in relation to incorrect computation of normal value, dumping margin and non-disclosure of WTA data in the disclosure statement, it is noted that the Authority has used WTA data to establish price of the major raw material i.e., Styrene Monomer, for computing normal value for those subject countries from where no producer / exporters had participated in the investigation. It is further noted that the observation of the Authority, relating to lower prices of Styrene Monomer in USA, was also based on the price comparison of WTA data vis-à-vis other countries. It is further noted that none of the interested parties has assisted the Authority in this context and therefore, the Authority has to proceed in terms of the Rule 6(8). In relation to the contention of the interested parties that the Authority has wrongly increased the dumping margin vis-à-vis the dumping margin claimed by the applicant in its application, the Authority notes that the Authority in the final findings has worked out normal value, export price and dumping margin based on the verified information made available by cooperative exporters and the Domestic Industry during the course of the investigation. The Authority is required to evaluate the correct dumping margin and injury margin and not restrict itself to the claim made in the application.
130. As regards the issue of lower share of imports from Malaysia and Taiwan in relation to demand in the country, it is noted that the Authority is required to examine the percentage of imports from subject countries in relation to total imports in India and not the demand. Further, the issues relating to injury and causal link have been appropriately dealt in the relevant section of the final findings.
131. As regard the submission of the exporters that the Authority cannot use adverse facts while computing their dumping margin and non-disclosure of such adverse facts vitiates their opportunity to comment on the reasonableness of such approach, the Authority notes the following provisions in this regard:
- (a) Rule 6(8) of the Rules provides as under:
- “(8) In a case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the designated authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as it deems fit under such circumstances.”*
- (b) Further, Paragraph 7 of Annex II pursuant to Article 6.8 of the WTO Anti-dumping Agreement provides as under:
- “... ..It is clear, however, that if an interested party does not cooperate and thus relevant information is being withheld from the authorities, this situation could lead to a result which is less favourable to the party than if the party did cooperate.”*
132. For the portion of export quantity for which complete chain of responses containing the requisite information have not been made available to the Authority, the individual dumping margin for such producers/exporters has been computed considering the above provisions.
133. As regards the submission of the importers that there is cartel in the Indian market and domestic producers restrict the supply of subject goods as they are in the dominant position, the Authority notes that neither any evidence in this regard was placed on the record in support of this claim nor the Authority found any evidence of the same during the course of the investigation.
134. As regards the issues raised by the interested parties with respect to the non-submission of Format H by the Domestic Industry in the non-confidential version of its application as per the Trade Notice, it is noted that the Format-H is part of the new costing formats introduced by the Authority and, therefore, is confidential, by nature.



**I. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES.**

135. The Authority recognizes that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, prevent the decline of the Domestic Industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.
136. The Authority notes that the imposition of the anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the end user. The end user could still maintain two or even more sources of supply. The purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not affect the availability of the subject goods to the consumers.

**J. CONCLUSION**

137. Having regard to the contentions raised, information provided, and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority as recorded in these final findings and on the basis of the above analysis, the Authority concludes that:
- The product under consideration has been exported to India from the subject countries below its associated normal value, thus resulting in dumping.
  - The Domestic Industry has suffered material injury due to dumping of the product under consideration from the subject countries.
  - The material injury has been caused by the dumped imports from the subject countries.

**K. RECOMMENDATION**

138. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted the investigation into dumping, injury and causal link in terms of the provisions laid down under the Rules and having established positive dumping margin as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of definitive anti-dumping duty is required to offset dumping and injury. The Authority, therefore, considers it necessary and recommends imposition of anti-dumping duty on imports of the subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder.
139. In terms of provision contained in Rule 17(1) (b) read with Rule 4(d) of the Rules, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the Domestic Industry. Accordingly, definitive anti-dumping duty equal to the amount mentioned in Column 7 of the duty table below is recommended to be imposed from the date of the Notification to be issued by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from subject country.

**Duty Table**

S. No	Heading/ Sub-Heading	Description of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Duty Amount	Currency	Unit
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	3903*	Polystyrene of all types except expandable Polystyrene	Iran	Any Country including Iran	Takht-e-Jamshid Pars Assalouyeh Petrochemical company	183	US \$	MT

S. No	Heading/ Sub-Heading	Description of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Duty Amount	Currency	Unit
1	2	3	4	5	6	7	8	9
2.	-DO-	-DO-	Iran	Any Country including Iran	Any producer other than at serial no. 1	309	US \$	MT
3.	-DO-	-DO-	Any Country other than subject countries**	Iran	Any	309	US \$	MT
4.	-DO-	-DO-	Chinese Taipei	Any Country including Chinese Taipei	Formosa Chemicals & Fibre Corp.	39	US \$	MT
5.	-DO-	-DO-	Chinese Taipei	Any Country including Chinese Taipei	Any producer other than at serial no. 4	296	US \$	MT
6.	-DO-	-DO-	Any Country other than subject countries**	Chinese Taipei	Any	296	US \$	MT
7.	-DO-	-DO-	United Arab Emirates	Any Country including United Arab Emirates	Any	78	US \$	MT
8.	-DO-	-DO-	Any Country other than subject countries**	United Arab Emirates	Any	78	US \$	MT
9.	-DO-	-DO-	United States of America	Any Country including United States of America	Any	474	US \$	MT
10.	-DO-	-DO-	Any Country other than subject countries**	United States of America	Any	474	US \$	MT
11.	-DO-	-DO-	Malaysia	Any Country including Malaysia	Any	54	US \$	MT
12.	-DO-	-DO-	Any Country other than subject countries**	Malaysia	Any	54	US \$	MT
13.	-DO-	-DO-	Singapore	Any Country including Singapore	Any	35	US \$	MT

S. No	Heading/ Sub-Heading	Description of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Duty Amount	Currency	Unit
1	2	3	4	5	6	7	8	9
14.	-DO-	-DO-	Any Country other than subject countries**	Singapore	Any	35	US \$	MT

\* Custom classification is only indicative, and the determination of the duty shall be made as per the description of PUC. The PUC mentioned above should be subject to above Anti-dumping duty even when it is imported under any other HS code.

\*\* Subject countries are Iran, Malaysia, Singapore, Chinese Taipei, United Arab Emirates (UAE) and United States of America (USA)

#### **L. FURTHER PROCEDURE**

140. An appeal against the orders of the Central Government that may arise out of this recommendation shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

BHUPINDER S. BHALLA, Addl. Secy. & Designated Authority